जबलपुर शनिवार 14 नवम्बर 2026 > कार्तिक शुक्ल पक्ष, पंचमी

वर्ष 32 अंक 135 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत



अब हर रोज दर्पण ▸▸ 3

मौसम
अधिकतम तापमान 31.9°C
न्यूनतम तापमान 13.4 °C
सूर्योदय - 6.24 | सूर्यास्त - 5.26

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।



युवा कवि विकास बैरागी दिल्ली के प्रतिष्ठित ...▸▸ 4



पहली बार छठ पूजा मनाना मेरे लिए बेहद ...▸▸ 7



दीप्ति शर्मा और मार्को यानसन ने ... ▸▸ 10

छठ महापर्व शुरू : छठपूजा के लिए घर लौटे 40 लाख लोग

दिल्ली में 11 किमी लंबा घाट, यूपी में 15 और 16 नवंबर को छुट्टी

नई दिल्ली

लोक आस्था का महापर्व छठ शुक्रवार से शुरू हो गया है। चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व में व्रती भगवान सूर्य और छठी मैया की पूजा-अर्चना करेंगे। इसकी शुरुआत नहाय-खाय से होगी और 16 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ इसका समापन होगा। दावा किया जा रहा है कि देश के अन्य राज्यों से करीब 40 लाख बिहार लौट चुके हैं। पूजा के लिए राज्य के सभी घाट सज गए हैं। वहीं, छठ पूजा के लिए दिल्ली को इस बार मूनक नहर के रूप में 11 किमी लंबा विशाल छठ घाट मिला है। यह घाट नहर के दोनों किनारों पर विकसित किया गया है। गुरुवार को बीजेपी अध्यक्षन नितिन नबीन ने इसका उद्घाटन किया। उत्तर प्रदेश में छठ पूजा के अवसर पर 15 और 16 नवंबर की तारीख को ऐच्छिक अवकाश घोषित किया गया है। ट्रैफिक से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। छठ पूजा के लिए दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। घाटों पर 5,000 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि 15 और 16 नवंबर को यमुना घाटों, तालाबों और उन जगहों पर सुरक्षा व्यवस्था विशेष रूप से मजबूत की जाएगी, जहां लोगों के बड़ी संख्या में जुटने की उम्मीद है। पूर्वी, उत्तर-पूर्वी और शाहदरा जिलों के इलाकों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए इकट्ठा होने की संभावना है। दिल्ली सरकार ने प्रतिहार षष्ठी या सूर्य षष्ठी (छठ पूजा) के अवसर पर 16 नवंबर, सोमवार को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। 9 नवंबर को सामान्य प्रशासन विभाग की अधिसूचना के अनुसार, दिल्ली के उपराज्यपाल ने दिल्ली सरकार के अंतर्गत आने वाले सभी सरकारी कार्यालयों, स्वायत्त निकायों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में छुट्टी की घोषणा की है। शिक्षा निदेशालय ने भी 13 नवंबर को एक परिपत्र जारी किया है, जिसमें



दिल्ली के सभी सरकारी स्कूलों, सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों को छठ पूजा के कारण 16 नवंबर को छुट्टी रखने का निर्देश दिया गया है।

चार दिन चलेगा छठ महापर्व

पहला दिन 13 नवंबर को नहाय-खाय: छठ महापर्व के पहले दिन नहाय-खाय की परंपरा निभाई जाएगी। इस दिन व्रती सुबह स्नान करके घर और रसोई की साफ-सफाई करेंगे। इसके बाद शुद्ध और सात्विक भोजन तैयार किया जाएगा। परंपरा के अनुसार इस दिन लौकी की सब्जी, चने की दाल और चावल खाने का विशेष महत्व है। इसी के साथ चार दिवसीय अनुष्ठान की शुरुआत होगी।

दूसरा दिन 14 नवंबर को खरना: छठ के दूसरे दिन खरना मनाया जाएगा। इस दिन व्रती पूरे दिन उपवास रखते हैं। शाम को पूजा करने के बाद गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद तैयार किया जाता है। पूजा के बाद व्रती प्रसाद ग्रहण करते हैं और परिवार के अन्य सदस्यों में भी इसे बांटा जाता है। खरना के बाद करीब 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू होता है। इस दौरान व्रती अन्न और पानी दोनों का सेवन नहीं करते।

तीसरा दिन 15 नवंबर को डूबते सूर्य को अर्घ्य: पर्व के तीसरे दिन संध्या अर्घ्य दिया जाएगा। इस दिन व्रती परिवार के सदस्यों के साथ नदी, तालाब और अन्य जलाशयों के किनारे बने घाटों पर पहुंचेंगे। बांस के सूप और दउरा में फल, ठेकुआ, नारियल और अन्य पूजन सामग्री सजाई जाएगी। शाम को डूबते सूर्य को जल और दूध से अर्घ्य देकर परिवार की खुशहाली और संतान की लंबी उम्र की कामना की जाएगी।

चौथा दिन 16 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य: छठ महापर्व के अंतिम दिन सुबह सूर्योदय से पहले व्रती घाटों पर पहुंचेंगे। यहां उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। इसके बाद छठी मैया की पूजा कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की जाएगी। पूजा संपन्न होने के बाद व्रती प्रसाद ग्रहण करके करीब 36 घंटे के निर्जला उपवास का पारण करेंगे। इसी के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन हो जाएगा।



पीएम मोदी ने बेंगलुरु मेट्रो में सफर किया

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को कर्नाटक के एक दिन के दौरे पर पहुंचे। पीएम ने सुबह बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन का उद्घाटन किया। उन्होंने काउंटर से टिकट खरीदा और डीके शिवकुमार के साथ मेट्रो में सफर किया। शाम को प्रधानमंत्री ने मैसूरु में कॉसमॉस प्लेनेटोरियम का उद्घाटन किया। पीएममोदी ने राज्य में 15,600 करोड़ के प्रोजेक्ट्स शुरू किए। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु 100 किमी से ज्यादा मेट्रो नेटवर्क वाला देश का तीसरा शहर बन गया है। इससे पहले मोदी ने प्रशांति कुटीरम के स्वर्ण जयंती समारोह में कहा कि कर्नाटक सदियों से योग का केंद्र रहा है।

मणिपुर में उग्रवादियों की फायरिंग में 4 की मौत

इंफाल। मणिपुर के उखरुल जिले में शुक्रवार को उग्रवादियों ने दो गाड़ियों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। हमले में दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। पुलिस के मुताबिक, हमला इम्फाल-उखरुल रोड पर न्यू हेवन इलाके में हुआ। दोनों गाड़ियों में सवार दो पुरुष और दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। गाड़ियों के आगे के शीशों पर गोलियों के निशान मिले हैं। इस साल फरवरी से पहाड़ी जिलों में कुकी और नगा समुदायों के बीच हुई झड़पों में कम से कम 50 लोग मारे गए हैं।

असम में बस-ट्रक भिड़ंत, 26 की मौत



काटकर

ज्यादातर स्टूडेंट: गाड़ी काटकर शव निकाले, बस के 12 चालान कट चुके थे

कांजीरंगा

कांजीरंगा-असम के काजीरंगा में शुक्रवार को एक तेज रफ्तार मिनी बस और कंटेनर ट्रक में आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में 26 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। असम के मंत्री और बोकाखाट से विधायक अतुल बोरा ने इसकी जानकारी दी है। टक्कर के बाद मिनी बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कई यात्री बस के अंदर फंस गए। रेस्क्यू टीम ने बस काटकर शवों को बाहर निकाला। बस में कुल कितने लोग सवार थे, इसकी जानकारी अभी नहीं आई है। लोकल मीडिया के मुताबिक, हादसे का शिकार हुई गाड़ी के 12 चालान कट चुके थे। इनमें से 38,500 रुपए का जुर्माना भरा जा चुका था, जबकि 4,000 रुपए का एक चालान अब भी बकाया था। कमर्शियल गाड़ी की ओवरस्पीडिंग पर यह जुर्माना लगता है।



ड्राइवर ने नियम का पालन नहीं किया

गोलाघाट के एसएसपी स्वप्निल डेका ने बताया कि मिनी बस बोकाखाट से नगांव जा रही थी। बस तेज रफ्तार में थी। शुरुआती जांच के मुताबिक, ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद बस सामने से आ रहे कंटेनर ट्रक से टकरा गई। हादसे के बाद घायलों को कोहोरा मॉडल अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल यात्रियों को जोरहाट मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। राष्ट्रपति,प्रधानमंत्री ने हादसे पर शोक जताया है।

पीएम मोदी ने जताया दुख, मृतकों के परिवारों को 2-2 लाख रुपए की मदद

हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताते हुए कहा- असम के गोलाघाट जिले में हुए हादसे में लोगों की मौत से मुझे गहरा दुख पहुंचा है। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं मृतकों के परिवारों के साथ हैं। मैं घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। वहीं, घायलों को 50-50 हजार रुपए दिए जाएंगे।



असम में 5 साल में सड़क हादसों में 15 हजार से ज्यादा मौतें

केंद्र सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, 2020 से 2024 के बीच राज्य में सड़क दुर्घटनाओं में 15,306 लोगों की मौत हुई। इनमें 2024 में सबसे ज्यादा 3,351 लोगों की जान गई। वहीं, 2023 में 3,296 और 2022 में 2,994 लोगों की मौत हुई थी। हालांकि, इसके बाद की जानकारी नहीं आई है।



प्रधानमंत्री मेरा फोन टैप कर रहे हैं : राहुल

करें आमने-सामने की बहस

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनका फोन टैप कर रहे हैं और जो आरोप वह लगा रहे हैं, उन सभी के सबूत उसी फोन में मौजूद हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को फिर आमने-सामने की बहस की चुनौती दी और कहा कि इससे साबित हो जाएगा कि कौन विदेशी ताकतों के नियंत्रण में है और कौन देश विरोधी है। उनके पास इस संबंध में कई अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां भी हैं और ये सभी जानकारियां उनके फोन में हैं। श्री गांधी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक अन्य पोस्ट में श्री मोदी पर निशाना साधते हुए लिखा, मोदी जी, अपने ही गोदी मीडिया के दिवाली मिलन में भी टेलीप्रॉम्प्टर। लोग आपके, मंच आपका, माहौल आपका-फिर भी स्क्रिप्ट चाहिए थी। लगता है दबाव में घबरा गए हैं। खैर, कोई बात नहीं। मुझसे बहस में भी टेलीप्रॉम्प्टर ले आइए, जज भी अपनी पसंद का बैठा लीजिए। बस आइए तो सही। देश जानना चाहता है- असली देशद्रोही कौन है। कांग्रेस नेता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संसद में बहस की बात करती है, लेकिन जब भी उन्होंने संसद में मुद्दे उठाने की कोशिश की तब उनका माइक बंद कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि किसान विधेयक, वोट चोरी, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), चीन, पूर्व सेनाध्यक्ष मनोज मुकुंद नरवणे की किताब और एपस्टीन से जुड़े मुद्दों पर उन्हें संसद में बोलने नहीं दिया गया। श्री गांधी ने कहा कि वह भाषण वाली बहस नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री के साथ आमने-सामने की चर्चा चाहते हैं। इसमें एक तरफ श्री मोदी और दूसरी तरफ वह स्वयं बैठेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उन पर आरोप लगाते हैं और वह भी उन पर आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा, उधर आप अडानी जी को जज बनाना चाहते हों, मोहन भागवत को बनाना चाहते हों, वो सब ठीक है, मगर मैं गारंटी दे रहा हूं, वन-ऑन-वन डिबेट के बाद प्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री नहीं रह पाएंगे।

बहस के बाद प्रधानमंत्री नहीं रह पाएंगे मोदी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आमने-सामने की बहस की फिर चुनौती देते हुए दावा किया है कि यदि श्री मोदी उनके साथ बहस के लिए सामने आते हैं तो उसके बाद वह प्रधानमंत्री नहीं रह पाएंगे। मैं गारंटी दे रहा हूं, वन-ऑन-वन डिबेट के बाद प्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री नहीं रह पाएंगे।

हैदराबाद में कांग्रेस की दो दिन की भारत समिट शुरू

70 देशों से लोग आ रहे, वैश्विक चुनौतियों और मुद्दों पर चर्चा, राहुल आज आएंगे

हैदराबाद

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में शुक्रवार से दो दिन की भारत समिट शुरू हो गई है। इसमें 70 देशों के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। इसमें वैश्विक चुनौतियों और मौजूदा मुद्दों पर चर्चा हो रही है। राहुल गांधी समिट में कल शामिल होंगे। तेलंगाना के आईटी और इंडस्ट्रीज मंत्री डी श्रीधर बाबू के मुताबिक भारत समिट 2026 का उद्देश्य राज्य में निवेश और रोजगार लाना है। इसमें वैश्विक नेता, नीति विशेषज्ञ और प्रोग्रेसिव विचारक शामिल आएंगे। समिट तेलंगाना को अपना इंडस्ट्रियल और आईटी इकोसिस्टम दिखाने का मौका देगी। राहुल गांधी 14 नवंबर को हैदराबाद में गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के कार्यक्रम और रैली में शामिल होंगे। इस दौरान डिलीवरी एग्जीक्यूटिव, कैब ड्राइवर और ऐप आधारित सेवाओं से जुड़े अन्य कर्मचारियों से बातचीत करेंगे। वर्कर्स राहुल के सामने अपनी समस्याएं और मांगें रखेंगे। कार्यक्रम हैदराबाद इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर के पास होगा। इसके साथ गिग वर्कर्स की रैली भी निकाली



जाएगी। इस दौरान वर्कर्स के लिए वेलफेयर बोर्ड की शुरुआत भी होगी, जो राज्य में उनके लिए कानून और कल्याणकारी योजनाएं लागू करेगा। कार्यक्रम में गिग वर्कर्स की सामाजिक सुरक्षा, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य सुविधाएं, रोजगार सुरक्षा, रजिस्ट्रेशन और शिकायतों के समाधान पर चर्चा होगी। राहुल गांधी इनसे जुड़ी सरकारी योजनाओं का उद्घाटन भी कर सकते हैं। तेलंगाना सरकार ने गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए तेलंगाना प्लेटफॉर्म-बेस्ड गिग वर्कर्स (रजिस्ट्रेशन, सोशल सिक्योरिटी एंड वेलफेयर) एक्ट, 2026 बनाया है।

आगामी 2 वर्षों में प्रदेश में स्थापित होंगे 22 नए चिकित्सा महाविद्यालय : डॉ. यादव

चिकित्सा महाविद्यालयों में बढ़ेंगीं 12 हजार से अधिक मेडिकल सीट्स

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में चिकित्सा महाविद्यालय और एमबीबीएस सीटों की संख्या में वृद्धि के लिए सभी संभावनाओं का परीक्षण करते हुए तेजी से कार्यवाही की जाए। पीपीपी मॉडल अन्तर्गत बनने वाले बैतूल, कटनी, धार और पन्ना के चिकित्सा महाविद्यालय के निर्माण कार्य की सतत् मॉनीटरिंग हो। चारों चिकित्सा महाविद्यालयों का संचालन समय-सीमा में सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह निर्देश चिकित्सा महाविद्यालय और एमबीबीएस सीटों के संबंध में मुख्यमंत्री निवास में हुई लोक



स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की बैठक में दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुरैना, गुना, भिंड, टीकमगढ़, अशोकनगर, बालाघाट, सीधी, खरगोन, शाजापुर, रायसेन और झाबुआ में पीपीपी मॉडल अन्तर्गत स्थापित होने वाले सभी 11 चिकित्सा महाविद्यालयों के लिए नवीन निविदाएं तत्काल जारी की जाए। बैठक में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई तथा रश्मि अरूण शमी उपस्थित थीं। प्रदेश में होंगे 56 मेडिकल कॉलेज और 18050 एमबीबीएस सीट

बैठक में बताया गया कि वर्तमान में प्रदेश में 20 शासकीय और 14 निजी चिकित्सा महाविद्यालय संचालित हैं। इनमें 6050 एमबीबीएस सीट उपलब्ध है। आगामी 2 वर्षों में 6 नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय क्रमश: छतरपुर, दमोह और बुधनी के भवन निर्माण पूर्ण हो चुके हैं। उज्जैन, राजगढ़ और मंडला का भवन निर्माण प्रगति पर है। इसके साथ ही बैतूल, कटनी, धार और पन्ना में पीपीपी मॉडल पर चिकित्सा महाविद्यालय संचालन के लिए अनुबंध निष्पादित किया जा चुका है। मुरैना, गुना, भिंड, टीकमगढ़, अशोक नगर, बालाघाट, सीधी, खरगोन, शाजापुर, रायसेन और झाबुआ सहित कुल 11 जिलों में पीपीपी मॉडल अन्तर्गत स्थापित किए जाने वाले चिकित्सा महाविद्यालय और एक नवीन निजी चिकित्सा महाविद्यालय सहित कुल 22 चिकित्सा महाविद्यालय आगामी 2 वर्षों में संचालित होंगे। इन 22 चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना तथा पूर्व से संचालित चिकित्सा महाविद्यालय में सीट वृद्धि से कुल 12000 एमबीबीएस सीट उपलब्ध होंगी। परिणाम स्वरूप आगामी 2 वर्षों में प्रदेश में 56 मेडिकल कॉलेज और 18050 एमबीबीएस सीट उपलब्ध होंगी।

बांधवगढ़ में नियम तोड़ने पर 6 हजार का जुर्माना, सात दिन की नो एंट्री

उमरिया (स्वतंत्रमत)

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में निर्धारित पर्यटन मार्ग से बाहर जाकर सफारी करने के मामले में पर्यटन विभाग ने आखिरकार कार्रवाई कर दी है। पनपथा बफर जोन में नियमों का उल्लंघन करने वाले पर्यटक वाहन के चालक सुयश केशरी, गाइड निखिल सिंह और संबंधित वाहन पर दो-दो हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। इसके साथ ही तीनों को सात दिनों के लिए पार्क में प्रवेश से प्रतिबंधित कर दिया गया है। पर्यटन अधिकारी ताला की ओर से 12 नवंबर को जारी आदेश के मुताबिक प्रतिबंध 13 से 19 नवंबर 2026 तक प्रभावी रहेगा। हालांकि कार्रवाई के साथ ही विभागीय आदेश में दर्ज तारीख ने पूरे मामले को नया मोड़ दे दिया है। आदेश में जिस घटना के संबंध में स्पष्टीकरण मांगने का उल्लेख है, उससे दो दिन पहले यानी 7 नवंबर 2026 का पत्र क्रमांक 836 दर्ज किया गया है, जबकि वाहन के निर्धारित मार्ग से हटने की घटना 9 नवंबर की बताई गई है। यह विसंगति अब विभागीय दस्तावेजों की शुद्धता और कार्रवाई की प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर रही है।

दरअसल 9 नवंबर 2026 को पनपथा बफर जोन में शाम की सफारी के दौरान रोस्टर क्रमांक 91 का पर्यटक वाहन निर्धारित पर्यटन मार्ग से हटकर दूसरे क्षेत्र में पाया गया था। उस समय वाहन चालक सुयश केशरी और गाइड निखिल सिंह वाहन में मौजूद थे। मामले के सामने आने के बाद विभागीय निगरानी व्यवस्था और कार्रवाई को लेकर चर्चा शुरू हुई थी।



बांधवगढ़ में रसूख के आगे वन्यजीव संरक्षण के नियम तार-तार..!

पर्यटन अधिकारी ने चालक और गाइड को थमाया नोटिस, 24 घंटे में मांगा जवाब

उमरिया (स्वतंत्रमत)

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में कथित उल्लंघन के रिसर्वो को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। पनपथा बफर जोन में निर्धारित पर्यटन मार्ग से हटकर वाहन के प्रतिबंधित क्षेत्र में पहुंचने का मामला सामने आया है। 9 नवंबर 2026 को हुई इस घटना में वाहन चालक सुयश केशरी और गाइड निखिल सिंह को चिह्नित किया गया है। बताते हैं कि पर्यटन अधिकारी ताला ने दोनों को कारण बताओ नोटिस जारी कर 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है। खास बात यह है कि विभाग के अतिरिक्त नोटिस में भी स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि उल्लंघन संरक्षण क्षेत्र के गश्ती मार्ग विशेष रूप से संवेदनशील बाघ रहवास क्षेत्र में आते हैं। इन मार्गों पर निर्धारित समय से पहले या बाद में प्रवेश और निर्धारित मार्ग से विचलन को गंभीर माना जाता है। इसी आधार पर दोनों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पर्यटन वाहनों की लोकेशन, निर्धारित मार्ग से विचलन की अवधि और सफारी के दौरान उसकी गतिविधियों का पता लगाया जा सकता है। इसके साथ ही निगरानी व्यवस्था में तैनात कर्मचारियों की भूमिका और समय रहते वाहन को निर्धारित मार्ग पर वापस लाने के लिए किए गए प्रयासों की भी पड़ताल जरूरी है। यदि विभागीय निरीक्षण में वाहन मार्ग से बाहर मिला, तो निगरानी व्यवस्था की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। केवल चालक और गाइड पर जुर्माना लगाकर मामले की फाइल को बंद करना पर्याप्त नहीं होगा, जब तक यह स्पष्ट न हो कि ऐसी स्थिति पैदा कैसे हुई और निगरानी तंत्र ने इसे समय रहते रोकने के लिए क्या कदम उठाए।

विदित ही कि बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में पर्यटन गतिविधियां वन्यजीवों के प्राकृतिक रहवास और निर्धारित नियमों के दायरे में संचालित होती हैं। यहां किसी भी पर्यटक, चालक, गाइड या वाहन संचालक को नियमों से ऊपर नहीं रखा जा सकता। पर्यटन विभाग की कार्रवाई से यह संदेश जरूर गया है कि निर्धारित मार्ग से विचलन पर दंडात्मक कदम उठाए जाएंगे, लेकिन इस प्रकरण की पूरी तस्वीर तभी स्पष्ट होगी, जब आदेश में दर्ज तारीख की विसंगति दूर होगी और जीपीएस रिकॉर्ड सहित निगरानी व्यवस्था की भूमिका की जांच सामने आएगी। छरू हजार रुपये के अर्थदंड और सात दिन की पाबंदी के साथ कार्रवाई का आदेश जारी हो चुका है, लेकिन विभागीय पारदर्शिता और वन्यजीव संरक्षण के लिहाज से इस मामले की शेष जवाबदेही भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

प्रभावशाली पारिवारिक संबंधों के चलते कार्रवाई में नरमी की आशंकाएं भी जताई जा रही थी। अब पर्यटन अधिकारी ताला के आदेश क्रमांक 03 के जरिए चालक, गाइड और वाहन पर अलग-अलग आर्थिक दंड निर्धारित किया गया है। आदेश के अनुसार सुयश केशरी पर दो हजार रुपये, गाइड निखिल सिंह पर दो हजार रुपये और पर्यटक वाहन क्रमांक एमपी 04 जेडएक्स 8243 पर दो हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इस तरह कुल छह हजार रुपये का अर्थदंड तय हुआ है। साथ ही संबंधित चालक, गाइड और वाहन को एक सप्ताह तक पार्क में प्रवेश नहीं मिलेगा।

विभागीय आदेश में मध्यप्रदेश वन्यप्राणी (संरक्षण) नियम 1974 के संशोधित प्रावधानों का उल्लेख किया गया है। खास बात यह है कि आदेश में सहायक संचालक ताला के गश्ती एवं निरीक्षण के दौरान वाहन को निर्धारित पर्यटन मार्ग से बाहर पाया जाना दर्ज है। इससे यह स्पष्ट होता है कि मार्ग विचलन का मामला केवल शिकायत या आरोप तक सीमित नहीं था, बल्कि विभागीय निरीक्षण में भी इसकी पुष्टि हुई थी। बांधवगढ़ जैसे संवेदनशील बाघ रहवास क्षेत्र में पर्यटन वाहनों के लिए निर्धारित मार्ग का पालन वन्यजीव संरक्षण की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे में तीन अलग-अलग इकाइयों पर कुल छरू हजार रुपये का अर्थदंड और सात दिन का प्रतिबंध लगाकर विभाग ने कार्रवाई तो की है, लेकिन दंड के निर्धारण का आधार और उल्लंघन की गंभीरता के अनुरूप कार्रवाई की प्रक्रिया सार्वजनिक होना भी जरूरी है।

वहीं इस पूरे प्रकरण में सबसे महत्वपूर्ण पहलू पर्यटन अधिकारी के आदेश में दर्ज तारीखों का है। आदेश में संबंधित पक्षों से स्पष्टीकरण मांगने के लिए कार्यालयीन पत्र क्रमांक 836 दिनांक 07 नवंबर 2026 का उल्लेख किया गया है, जबकि जिस घटना के संबंध में कार्रवाई की गई वह 09 नवंबर 2026 की बताई गई है। दस्तावेजों में दर्ज यह क्रम सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया से मेल नहीं खाता। घटना होने से दो दिन पहले ही उससे संबंधित स्पष्टीकरण मांगने वाला पत्र जारी होने का उल्लेख अपने आप में गंभीर अभिलेखीय विसंगति है। यह टंकण संबंधी त्रुटि है, पत्र क्रमांक या तारीख दर्ज करने में हुई चूक है या फिर आदेश तैयार करते समय किसी पुराने पत्र का संदर्भ जोड़ दिया गया, इसकी वास्तविक स्थिति विभागीय रिकॉर्ड की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। विभाग के लिए जरूरी है कि वह मूल पत्र क्रमांक 836 और संबंधित पत्राचार का रिकॉर्ड सामने रखकर इस विसंगति को स्पष्ट करे। सरकारी आदेश में दर्ज तारीख महज औपचारिक जानकारी नहीं होती, बल्कि पूरी कार्रवाई की समयरेखा और उसकी वैधानिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण आधार होती है।

वहीं वाहन के निर्धारित मार्ग से बाहर पहुंचने की परिस्थितियों की जांच भी इस मामले का अहम हिस्सा है। जानकार बताते हैं कि वाहन की जीपीएस हिस्ट्री से उसकी वास्तविक लोकेशन, निर्धारित मार्ग से विचलन की अवधि और सफारी के दौरान उसकी गतिविधियों का पता लगाया जा सकता है। इसके साथ ही निगरानी व्यवस्था में तैनात कर्मचारियों की भूमिका और समय रहते वाहन को निर्धारित मार्ग पर वापस लाने के लिए किए गए प्रयासों की भी पड़ताल जरूरी है। यदि विभागीय निरीक्षण में वाहन मार्ग से बाहर मिला, तो निगरानी व्यवस्था की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। केवल चालक और गाइड पर जुर्माना लगाकर मामले की फाइल को बंद करना पर्याप्त नहीं होगा, जब तक यह स्पष्ट न हो कि ऐसी स्थिति पैदा कैसे हुई और निगरानी तंत्र ने इसे समय रहते रोकने के लिए क्या कदम उठाए।



उमरिया आईटीआई में आयोजित हुआ लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ युवा संवाद कार्यक्रम

उमरिया (स्वतंत्रमत)। उमरिया स्थित शासकीय आईटीआई में भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष आशुतोष तिवारी के तत्वावधान में फ्रलोकतंत्र बचाओ,अराजकता हटाओ द्द युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस दौरान लोकतंत्र की मजबूती, संवैधानिक मूल्यों, राष्ट्रहित तथा युवाओं की सामाजिक एवं लोकतांत्रिक जिम्मेदारियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार विमर्श किया गया।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल एवं वरिष्ठ भाजपा नेता मिथलेश पयासी विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। युवाओं को अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक रहना चाहिए तथा राष्ट्र और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करना चाहिए। युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष आशुतोष तिवारी ने संवाद के दौरान युवाओं से लोकतंत्र, संविधान, सामाजिक सहभागिता और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें सामाजिक और राष्ट्रीय गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना रहा।कार्यक्रम में युवाओं की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली।आयोजकों ने कहा कि युवा केवल दर्शक बनकर न रहें, बल्कि लोकतंत्र के सजग प्रहरी और राष्ट्र निर्माण के सक्रिय भागीदार बनें। युवाओं की जागरूकता, सकारात्मक सोच और सक्रिय भागीदारी से ही समाज में रचनात्मक परिवर्तन की दिशा मजबूत हो सकती है।

एमपी 18 शहडोल को 61 रनों से हराकर बज्र इलेवन बनी विजेता, कर्मवीर ने चटकाए 05 महत्वपूर्ण विकेट

जयसिंहनगर (स्वतंत्रमत)



विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी कुबरा स्थित मैदान पर स्वर्गीय मुन्नी बाई सिंह स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के सदस्य निर्णायक आनंद त्रिपाठी के मार्गदर्शन में प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। जिसका फाइनल मुकाबला 11 नवंबर को बज्र इलेवन जयसिंहनगर और एमपी 18 शहडोल के मध्य खेला गया। जहां एमपी 18 शहडोल की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए बज्र इलेवन की टीम ने निर्धारित 14 ओवरों में 7 विकेट खोकर 203 रन बनाये। श्रवण गौतम ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 05 चौके और 04 छक्कों की मदद से महज़ 23 गेंदों में 52 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं गेंदबाजी में राजाराम और इशरार ने दो-दो विकेट प्राप्त किये। 204 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम एमपी18 शहडोल महज़ 142 रनों पर ऑल आउट हो गयी। बादशाह खान ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 09 छक्कों की मदद से महज़ 20 गेंदों में 60 रनों की तूफानी पारी खेली, लेकिन टीम को जीत दिलाने में नाकाम रहे। बज्र इलेवन की ओर से बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए कर्मवीर गुप्ता ने 2.4 ओवर में महज़ 17 रन देकर 05 विकेट चटकाए। इस तरह बज्र इलेवन ने यह मुकाबला 61 रनों से जीत लिया। पूरे प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के लिए श्रवण गौतम को मैन ऑफ द मैच एवं मैन ऑफ द सीरीज प्रदान किया गया। प्रतियोगिता की विजेता राशि ग्राम पंचायत कुबरा के सरपंच एवं भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष शेषमणि पाल द्वारा नगद 25 हजार रुपए प्रदान किया गया। प्रतियोगिता में विजेता एवं उपविजेता ट्रॉफी सुरेन्द्र(बच्चू) गौतम द्वारा प्रदान की गयी। विजेता टीम के वरिष्ठ खिलाड़ी दिलीप कुमार शुक्ला ने दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों की प्रशंसा करते हुए प्रतियोगिता की सराहना की। प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सरपंच शंभू सिंह मरावी, विशिष्ट अतिथि के रूप में सरपंच शेषमणि पाल, उप सरपंच छोटेलाल साहू, वरिष्ठ शिक्षक पुष्पेन्द्र सिंह गहरवार, वृंदावन नामदेव, आयोजन समिति के सदस्यों में मुख्य रूप से महेन्द्र नामदेव, सुशील सिंह मरावी (शिक्षक), विकास तिवारी, अजय सिंह मरावी मौजूद रहे। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में निर्णायक की भूमिका महेन्द्र सिंह एवं अंकित सोनी ने निभाई वहीं ऑनलाइन स्कोरर के रूप में गुलाब चौधरी मौजूद रहे। प्रतियोगिता का आंखों देखा हाल सुनाने के लिए कमेंट्री बॉक्स में चंदन नामदेव जनकपुर, अजय नामदेव, राजकुमार यादव एवं अमित सिंह मरावी मौजूद रहे।

तीन पुलों के निर्माण और नगर के 150 मकानों दुकानों के पट्टे की मुख्यमंत्री से की पहल की मांग

उमरिया (स्वतंत्रमत)



उमरिया नगर पालिका क्षेत्र में आवागमन की समस्या से निजात दिलाने के लिए तीन पुलों के निर्माण तथा कृषि उपज मंडी की भूमि पर वर्षों से बने मकानों एवं दुकानों के पट्टे प्रदान किए जाने की मांग उठाई गई है। इस संबंध में भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष धनुधारी सिंह चंदेल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम पत्र सौंपकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। पत्र बांधवगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक शिवनारायण सिंह के माध्यम से मुख्यमंत्री तक पहुंचाया गया है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि उमरिया नगर के विभिन्न स्थानों पर स्थित पुलों का स्तर काफी नीचे होने के कारण बरसात के मौसम में पुलों के ऊपर से पानी बहने लगता है। इससे आवागमन बाधित होता है और आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए तीन पुलों का निर्माण कराए जाने की आवश्यकता बताई गई है। प्रस्तावित पुलों में वार्ड क्रमांक 5 से वार्ड क्रमांक 3 लालपुर को जोड़ने वाले पुल का निर्माण, वार्ड क्रमांक 8 नैगमा टोला क्षेत्र में स्थित पुल का निर्माण तथा वार्ड क्रमांक 6 से संबंधित पुल का निर्माण शामिल है। पत्र में मांग की गई है कि इन पुलों का निर्माण उचित एवं ऊंचे स्तर पर कराया जाए,ताकि बरसात के दौरान जलभराव और आवागमन बाधित होने की समस्या से नागरिकों को राहत मिल सके।इसके साथ ही पत्र में उमरिया नगर की कृषि उपज मंडी की भूमि पर वर्षों से निवासरत परिवारों की समस्या को भी प्रमुखता से उठाया गया है। उल्लेख किया गया है कि मंडी की भूमि पर लगभग 100 से 150 मकान एवं दुकानें निर्मित हैं, जिनका उपयोग स्थानीय लोग करीब 50 वर्षों से कर रहे हैं। इन मकानों और दुकानों से अनेक परिवारों की आजीविका एवं आवास की व्यवस्था जुड़ी हुई है। लेकिन भूमि कृषि उपज मंडी के स्वामित्व में होने के कारण संबंधित परिवारों को अब तक पट्टा एवं भूमि पर स्थायी अधिकार प्राप्त नहीं हो सके हैं। पत्र में बताया गया है कि इस विषय को लेकर विधायक शिवनारायण सिंह द्वारा भी पूर्व में पत्राचार किया जा चुका है। धनुधारी सिंह चंदेल ने संबंधित विभागों के माध्यम से मामले की जांच कराकर कृषि उपज मंडी की भूमि पर वर्षों से निवासरत परिवारों को पट्टा प्रदान करने तथा तीनों पुलों के निर्माण की दिशा में शीघ्र आवश्यक कदम उठाने का मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है।

राज्य स्तरीय 14 वर्ष बालक-बालिका बास्केटबॉल प्रतियोगिता के लिए शहडोल संभाग की टीम गुना होगी रवाना



शहडोल (स्वतंत्रमत)। राज्य स्तरीय 14 वर्ष बालक-बालिका बास्केटबॉल प्रतियोगिता में सहभागिता के लिए शहडोल संभाग की टीम गुना रवाना होने के लिए तैयार है। प्रतियोगिता का आयोजन गुना में ग्वालियर संभाग के अंतर्गत किया जा रहा है। शहडोल संभाग की बालक एवं बालिका टीम के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयारी की है। टीम के जनरल मैनेजर एवं कोच के.के. श्रीवास्तव हैं। बालक टीम के मैनेजर वीरेंद्र श्रीवास्तव हैं। वहीं बालिका टीम के कोच लक्ष्य बत्रा एवं मैनेजर दामिनी सिंह हैं। यह टीम संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संभाग शहडोल उमेश धुर्वे, जिला शिक्षा अधिकारी अतुल चौधरी, सहायक संचालक खेल रईस अहमद खान एवं जिला क्रीड़ा निरीक्षक रामरूट पटेल के निर्देशन में प्रतियोगिता में सहभागिता करने जा रही है। उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व आयोजित 17 वर्ष बालक-बालिका राज्य स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में शहडोल संभाग की बालिका टीम ने मध्यप्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त किया था। यह संभाग के लिए गौरव की उपलब्धि रही। अब 14 वर्ष बालक-बालिका वर्ग की टीम से भी उत्कृष्ट प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

बालिका वर्ग की टीम में शामिल खिलाड़ी

कुमारी आराध्या द्विवेदी (कप्तान), कुमारी दाक्षी सिंह, कुमारी आराध्या यादव, अवनी पाल, एंजेल साकेत, देवासी गौतम, अलीना खान, सौम्या शुक्ला, अन्वेष मिश्रा, पंखुड़ी कुशवाहा, संवि गुप्ता एवं अक्षर बर्मन शामिल हैं।

सिंहपुर स्वास्थ्य केंद्र में कलेक्टर का औचक निरीक्षण



शहडोल (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिंहपुर का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं और मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने जननी सुरक्षा एवं प्रसूति सहायता योजना के हितग्राहियों से मोबाइल फोन पर सीधे चर्चा कर योजना के तहत मिलने वाली सहायता राशि, जन्म प्रमाण पत्र और आधार नंबर उपलब्ध होने की जानकारी ली। कलेक्टर ने पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में भर्ती बच्चों के परिजनों से भी चर्चा की। उन्होंने बच्चों की देखभाल के लिए परिवार के सदस्यों को मिलने वाले 14 दिवस के मजदूरी भुगतान की स्थिति की जानकारी लेते हुए पूछा कि राशि समय पर मिल रही है या नहीं। साथ ही योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में आ रही समस्याओं के संबंध में भी हितग्राहियों से फीडबैक लिया।

ब्यौहारी में कोल समाज का भव्य तीन दिवसीय राष्ट्रीय महाअधिवेशन शुरू, विधायक शरद जुगलाल कोल के नेतृत्व में उमड़ा जनसैलाब

ब्यौहारी/शहडोल (स्वतंत्रमत)। ब्यौहारी में राष्ट्रीय जनजाति कोल समाज का तीन दिवसीय भव्य कार्यक्रम धूमधाम से शुरू हो गया है। कार्यक्रम का आयोजन विधायक ब्यौहारी शरद जुगलाल कोल के मुख्य आतिथ्य और मार्गदर्शन में किया जा रहा है। कार्यक्रम के पहले ही दिन हजारों की संख्या में प्रदेश भर से कोल समाज के लोग ब्यौहारी पहुंचे कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक शरद जुगलाल कोल ने किया। उन्होंने मंच से कोल समाज के लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि कोल समाज इस क्षेत्र की आत्मा है।

वन विकास निगम का जंगल या शराबियों का ठिकाना..!

उमरिया (स्वतंत्रमत)



पर्यावरण संरक्षण और पौधरोपण के नाम पर सरकारी योजनाओं में लाखों खर्च होने के दावे किए जाते हैं, लेकिन उमरिया जिला मुख्यालय में इन दावों की जमीनी हकीकत शर्मसार करने वाली है। जिला पंचायत कार्यालय के ठीक सामने वन विकास निगम के जंगल में बीट उमरिया कक्ष क्रमांक आर-826 की तस्वीर विभागीय व्यवस्था की पोल खोल रही है। यहां पेड़-पौधों के बीच प्लास्टिक की बोतलों, पॉलिथीन, डिस्पोजल गिलास और शराबखोरी के बाद फेंके गए कचरे का अंबार लगा हुआ है। वनक्षेत्र की मौजूदा स्थिति केवल साफ-सफाई की कमी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सरकारी संपत्ति की देखरेख और सार्वजनिक स्थानों पर अनुशासन बनाए रखने वाली व्यवस्था की भी हकीकत उजागर करती है। जिला मुख्यालय जैसे महत्वपूर्ण स्थान पर वनभूमि का इस तरह दुरुपयोग होना विभागीय सक्रियता पर सवाल खड़े करता है। स्थानीय स्तर पर निगरानी और नियमित निरीक्षण की कमी का खामियाजा जंगल को भुगतना पड़ रहा है। मामले को लेकर संबंधित क्षेत्र के रेंजर अनिल सिंह से उनका पक्ष जानने और वनक्षेत्र की बदहाल स्थिति पर प्रतिक्रिया लेने के लिए फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। लिहाजा इस मामले में उनका पक्ष प्राप्त नहीं हो सका। वहीं वन विकास निगम के वरिष्ठ अधिकारी ने स्थिति का संज्ञान लेकर कार्यवाही की बात की है। तस्वीर साफ बयां कर रही है कि लोग जंगल में पहुंचकर शराब पीते हैं, खाने-पीने की सामग्री का इस्तेमाल करते हैं और फिर बोतलें, प्लास्टिक व अन्य कचरा वहीं फेंककर चले जाते हैं। वनभूमि की हालत देखकर लगता है कि यहां पर्यावरण संरक्षण नहीं, बल्कि कचरा फैलाने की खुली छूट चल रही है। जिस जमीन पर पौधों को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी है, उसी जमीन पर गंदगी का कब्जा बढ़ता जा रहा है। और जिम्मेदार रेंजर वन संरक्षण में काला धब्बा साबित हो रहे इस प्लास्टिक कचरे को देखने की बजाय आंखें बंद किए हुए हैं। सबसे गंभीर पहलू यह है कि यह जंगल किसी दुर्गम इलाके में नहीं, बल्कि जिला मुख्यालय में जिला पंचायत कार्यालय के सामने है। इसके बावजूद वन क्षेत्र में नियमित निगरानी, सफाई और असामाजिक गतिविधियों पर रोक के इंतजाम नाकाफी नजर आते हैं। संबंधित क्षेत्र रेंजर अनिल सिंह के कार्यक्षेत्र में आता है। ऐसे में वन विकास निगम की मैदानी व्यवस्था और जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारियों की जवाबदेही चर्चा में है। प्लास्टिक कचरा मिट्टी और वनस्पति के लिए नुकसानदेह है। सवाल यह है कि पौधे लगाकर या जहां पौधे तैयार हो चुके होते हैं वहां विभाग अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेता है या उनकी सुरक्षा और जंगल की स्वच्छता भी उसकी प्राथमिकता है ? मसलन जिला पंचायत के सामने जंगल की यह दुर्दशा प्रशासनिक व्यवस्था के मुंह पर तमाचा है। वन विकास निगम को तत्काल सफाई अभियान चलाकर नियमित गश्त सुनिश्चित करनी चाहिए और जंगल को शराबखोरी व कचरा फैलाने वालों से मुक्त कराने के लिए ठोस कार्रवाई करनी चाहिए। वरना पौधरोपण के सरकारी दावे कागजों पर हरे और जमीन पर प्लास्टिक के ढेर में दबे नजर आते रहेंगे। वहीं वन विकास निगम के वरिष्ठ अधिकारियों को मामले का संज्ञान लेकर मौके का निरीक्षण कराना चाहिए।

इनका कहना है -

पूरे मामले को लेकर जिम्मेदार रेंजर अनिल सिंह से तीन बार संपर्क साधा गया, बेल बजती रही और एक बार कॉल प्रतीक्षा में भी रही, लेकिन उन्होंने फोन का जवाब देना मुनासिब नहीं समझा।

अनिल सिंह, रेंजर वन विकास निगम उमरिया

असामाजिक तत्व हैं, वही कचरा फैला रहे होंगे। आपने बताया है, मैं उसको दिखवाता हूँ। जरूर इस मामले को लेकर उचित कार्यवाही होगी।

अमित पाटोदी, संभागीय प्रबंधक, वन विकास निगम उमरिया



माँ त्रिपुर सुंदरी मंदिर तेवर : इतिहास, आस्था और विरासत की गाथा

मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले के तेवर गाँव में स्थित माँ त्रिपुर सुंदरी का मंदिर आस्था और प्राचीन इतिहास का संगम है। यह मंदिर जबलपुर शहर से लगभग 13-14 किलोमीटर दूर भेड़ाघाट मार्ग के निकट है। भेड़ाघाट आने वाले पर्यटक अक्सर इस धाम के दर्शन भी करते हैं, इसलिए यह जबलपुर की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का अहम हिस्सा बन गया है।

माँ त्रिपुर सुंदरी कौन हैं?

हिंदू परंपरा में माँ त्रिपुर सुंदरी को आदिशक्ति का दिव्य स्वरूप माना जाता है। उन्हें राजराजेश्वरी, ललिता और महामाया के नामों से भी जाना जाता है। भक्त सुख-समृद्धि, परिवार की खुशहाली मन की शांति की कामना लेकर यहाँ आते हैं।

कलचुरी काल और राजा कर्णदेव

प्रचलित ऐतिहासिक विवरणों के अनुसार, मंदिर का निर्माण 11वीं शताब्दी में कलचुरी राजा कर्णदेव ने कराया था। इस आधार पर इसकी परंपरा लगभग 900-1,000 वर्ष पुरानी मानी जाती है। स्थानीय परंपरा में माता को कलचुरी राजवंश की आराध्य देवी भी कहा जाता है। एक कथा के अनुसार, राजा को स्वप्न में आदिशक्ति के दर्शन हुए और उसके बाद प्रतिमा की स्थापना हुई। यह कथा धार्मिक परंपरा का हिस्सा है, इसे प्रमाणित ऐतिहासिक तथ्य नहीं कहा जा सकता।

प्राचीन त्रिपुरी और पुरातात्विक प्रमाण

तेवर का संबंध प्राचीन त्रिपुरी क्षेत्र से है, जो मध्य भारत के इतिहास में महत्त्वपूर्ण माना जाता है। भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण ने 2020-21 में यहाँ उत्खनन किया। इसमें कुषाण, शुंग, सातवाहन और कलचुरी काल से जुड़े अवशेष मिले, साथ ही मिट्टी के बर्तन, सिक्के, मनके और लोहे की वस्तुएँ भी। इससे पता चलता है कि यह क्षेत्र अलग-अलग कालों में आबाद रहा। अभिलेखों में तेवर से मिली कलचुरी शैली की कुछ मूर्तियाँ 10वीं से 12वीं शताब्दी की बताई गई हैं।

प्रतिमा का रहस्य

माता की मुख्य प्रतिमा पश्चिम की ओर मुख किए, एक शिलाखंड के सहारे अधलेटी मुद्रा में विराजमान बताई जाती है। श्रद्धालु मानते हैं कि प्रतिमा भूमि से स्वयं प्रकट हुई थी। लेकिन यह कब और किस परिस्थिति में मिली, इसका कोई प्रमाणित पुरातात्त्विक विवरण उपलब्ध नहीं है। मंदिर की प्राचीनता और प्रतिमा की प्राचीनता भी एक ही बात नहीं हैं, और पूरे क्षेत्र के हजारों वर्ष पुराने अवशेषों को प्रतिमा की आयु नहीं माना जा सकता। माँ त्रिपुर सुंदरी का धाम जबलपुर की उस विरासत को दर्शाता है जिसमें आस्था, लोककथाएँ और प्रमाणित इतिहास साथ-साथ चलते हैं। कलचुरी काल से जुड़ा यह मंदिर और प्राचीन त्रिपुरी के पुरातात्त्विक प्रमाण तेवर को जबलपुर का गौरव बनाते हैं।



प्रियंका कुशवाहा

टीचर
हितकारिणी गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल, बीटी तिराहा, गढ़ा, जबलपुर।

एकादशी व्रतः भक्ति, संयम और सेवा का पर्व

भारत त्योहारों और धार्मिक परंपराओं का देश है, जहाँ अनेक व्रत और त्योहार मनाए जाते हैं। एकादशी भी हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण व्रत और पर्व है। यह हर महीने में दो बार आती है, एक शुक्ल पक्ष में और दूसरी कृष्ण पक्ष में। इस प्रकार एक वर्ष में सामान्य रूप से 24 एकादशियाँ होती हैं, और अधिक मास होने पर इनकी संख्या बढ़ जाती है। एकादशी का अर्थ है चंद्र महीने की ग्यारहवीं तिथि।



पूजा और व्रत की विधि

यह दिन भगवान विष्णु को समर्पित माना जाता है। इस दिन लोग सुबह जल्दी उठकर स्नान करते हैं, साफ कपड़े पहनते हैं और भगवान विष्णु की पूजा व प्रार्थना करते हैं। कई लोग फ्ल खाते हैं और कुछ लोग अपनी इच्छा और क्षमता के अनुसार उपवास रखते हैं।

संयम और अनुशासन की सीख

एकादशी का व्रत केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि संयम और अनुशासन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। इस दिन व्यक्ति अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण रखने का प्रयास करता है। लोग भगवान का नाम लेते हैं, भजन और ध्यान करते हैं तथा अच्छे काम करने का प्रयास करते हैं, जिससे मन को शांति और खुशी मिलती है।

सामाजिक महत्व

एकादशी का सामाजिक महत्व भी है। इस दिन लोग गरीबों और जरूरतमंदों को भोजन, कपड़े और अन्य जरूरी सामान देकर उनकी मदद करते हैं। इससे लोगों में दया, सेवा और सहयोग की भावना बढ़ती है। इस प्रकार एकादशी हमें भगवान की पूजा के साथ-साथ दूसरों की सहायता करना भी सिखाती है।

प्रमुख एकादशियाँ

हिंदू धर्म में निर्जला एकादशी, देवशयनी एकादशी, देवउठनी एकादशी, मोक्षदा एकादशी और आमलकी एकादशी का विशेष महत्व है। देवउठनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु के जागने की धार्मिक मान्यता है, और कई स्थानों पर इसी दिन से शुभ कार्य शुरू करने की परंपरा भी है।

एकादशी की शिक्षा

एकादशी हमें सिखाती है कि हमें अपने जीवन में अच्छे विचार रखने चाहिए और गलत कामों से दूर रहना चाहिए। हमें अपने मन और इच्छाओं पर नियंत्रण रखना चाहिए, जरूरतमंद लोगों की सहायता करनी चाहिए और सभी के साथ प्रेम और सम्मान से व्यवहार करना चाहिए।

आज के समय में महत्व

आज के समय में भी एकादशी जैसे पर्व हमारी संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये हमें परिवार और समाज से जोड़ते हैं और बच्चों व युवाओं को अपनी संस्कृति के बारे में जानने का अवसर देते हैं। एकादशी केवल व्रत रखने का दिन नहीं, बल्कि भक्ति, अनुशासन, संयम, सेवा और अच्छे विचारों का पर्व है। हमें इसे श्रद्धा के साथ मनाना चाहिए और इससे मिलने वाली अच्छी सीख को अपने जीवन में अपनाना चाहिए।



मुकेश तिवारी

टीचर
हितकारिणी हायर सेकेंडरी स्कूल, गोरखपुर, जबलपुर।

एग्जाम में माइंड मैप बनाने और उपयोग करने के प्रभावी टिप्स



परीक्षा के दौरान समय कम होता है और उत्तर-पुस्तिका में लिखने के लिए बहुत कुछ होता है। ऐसे में माइंड मैप या रूपरेखा तकनीक विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित होती है। माइंड मैप का अर्थ है, किसी बड़े विषय या निबंध को छोटे-छोटे तार्किक बिंदुओं और चित्रों के रूप में विजुअल तरीके से मस्तिष्क में व्यवस्थित करना। यह न केवल लंबे उत्तर याद रखने में मदद करता है, बल्कि परीक्षा की कॉपी को भी आकर्षक और सुव्यवस्थित बनाता है।

माइंड मैप क्या है और इसका लाभ क्यों है?

माइंड मैप एक प्रकार का विजुअल डायग्राम होता है, जिसमें मुख्य विषय को केंद्र में रखकर उसकी विभिन्न शाखाओं को आपस में जोड़ा जाता है। हमारा मस्तिष्क लंबी पंक्तियों की तुलना में चित्रों, रंगों और जुड़े हुए विचारों को अधिक आसानी से याद रखता है। माइंड मैप इसी प्राकृतिक क्षमता का लाभ उठाता है।

रटने से मुक्ति - उत्तरों को शब्द-दर-शब्द रटने के बजाय मुख्य बिंदुओं को याद रखना आसान हो जाता है।

क्रमबद्धता - परीक्षा में लिखते समय कोई भी महत्वपूर्ण बिंदु छूटता नहीं है।

समय की बचत - परीक्षा शुरू होने से पहले 2 मिनट में माइंड मैप बना लेने से पूरा निबंध या उत्तर आँखों के सामने स्पष्ट हो जाता है।

आत्मविश्वास में वृद्धि - जब पूरा उत्तर एक नज़र में दिखता है, तो घबराहट कम होती है और लिखने की गति बढ़ती है।

बेहतर प्रस्तुति - क्रमबद्ध उत्तर परीक्षक पर अच्छा प्रभाव डालता है और अंक बढ़ाने में सहायक होता है।

परीक्षा में माइंड मैप बनाने के चरण

1 केंद्र बिंदु - उत्तर-पुस्तिका के रफकार्य वाले पृष्ठ पर या मुख्य उत्तर की शुरुआत में सबसे ऊपर अपना मुख्य विषय एक बॉक्स या वृत्त के अंदर लिखें।

2 शाखाएँ बनाना - मुख्य विषय से तीर के निशान या लाइनों के माध्यम से उप-शीर्षकों को जोड़ें, जैसे प्रस्तावना, कारण, लाभ, हानियाँ, विद्यार्थियों की भूमिका और उपसंहार।

3 की-वर्ड्स का प्रयोग - पूरे वाक्य लिखने के बजाय केवल मुख्य शब्दों का प्रयोग करें, जैसे प्रदूषण, वनों की कटाई, ग्लोबल वार्मिंग आदि। इससे मस्तिष्क तेज़ी से जानकारी को रिकॉल करता है।

माइंड मैप का एक उदाहरण

मान लीजिए निबंध का विषय पर्यावरण संरक्षण है। इसका माइंड मैप इस प्रकार बनेगा-

केंद्र - पर्यावरण संरक्षण
प्रस्तावना - प्रकृति हमारी जीवनदायिनी
समस्याएँ - प्रदूषण, वनों की कटाई, ग्लोबल वार्मिंग
कारण - बढ़ती जनसंख्या, उद्योग, प्लास्टिक का उपयोग
उपाय - वृक्षारोपण, जल बचत, कचरे का पुनर्चक्रण
विद्यार्थियों की भूमिका - जागरूकता, स्वच्छता अभियान
उपसंहार - सबकी जिम्मेदारी

इन शब्दों को देखकर ही पूरा निबंध आसानी से लिखा जा सकता है।

माइंड मैप को और प्रभावी बनाने के दर्पण टिप्स

- रंगों का उपयोग करें, हर शाखा के लिए अलग रंग का पेन इस्तेमाल करें। इससे बिंदु अलग-अलग पहचाने जाते हैं और याद भी ज़्यादा रहते हैं। यदि परीक्षा में रंगीन पेन की अनुमति न हो, तो केवल पेंसिल से रफपृष्ठ पर बनाएँ।
- छोटे चित्र या चिह्न बनाएँ, जहाँ संभव हो, किसी शब्द के पास छोटा सा चिह्न (जैसे पेड़ के लिए जैसा चित्र) बना दें। इससे स्मरण शक्ति बढ़ती है।
- एक शाखा पर एक ही विचार केवल एक मुख्य विचार रखें। एक साथ बहुत सारी बातें लिखने से नक्शा उलझ जाता है।
- केंद्र से बाहर की ओर बढ़ेंरू पहले मुख्य शाखाएँ बनाएँ, फिर उनकी उप-शाखाएँ जोड़ें।
- बिंदुओं को क्रमांक दें शाखाओं पर 1, 2, 3 लिख दें, ताकि उत्तर लिखते समय क्रम न बिगड़े।
- जगह का सही उपयोग करें पन्ने के बीच में केंद्र बिंदु बनाएँ और चारों ओर शाखाओं के लिए पर्याप्त जगह छोड़ें।
- समय सीमा तय करें माइंड मैप बनाने में 2 से 3 मिनट से अधिक न लगाएँ, ताकि लिखने का समय कम न पड़े।

अभ्यास कैसे करें

माइंड मैप बनाना एक कौशल है, जो अभ्यास से निखरता है। रोज़ कम से कम एक विषय का माइंड मैप बनाएँ। किसी अध्याय को पढ़ने के बाद उसका माइंड मैप बनाकर किताब बंद कर दें और केवल नक्शा देखकर पूरा उत्तर बोलने या लिखने का प्रयास करें। जहाँ अटकें, वहाँ शाखा जोड़ें या सुधारें। परीक्षा से पहले पुनरावृत्ति के समय पूरी किताब दोहराने की जगह इन्हीं नक्शों को देखना अधिक तेज़ और असरदार रहता है। इसके अलावा पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्रों पर समय सीमा के साथ अभ्यास करने से परीक्षा में 2 मिनट में नक्शा बनाने की आदत पड़ जाती है।

समय, जीवन का अनमोल धन

समय के महत्व की सबसे बड़ी सीख यह है कि बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता। जो व्यक्ति इस सच्चाई को समझ लेता है, वह जीवन में कभी पीछे नहीं रहता।



समय का मूल्य

समय दुनिया की सबसे अनमोल संपत्ति है। धन, संपत्ति या खोई हुई चीज़ें दोबारा हासिल की जा सकती हैं, लेकिन बीता हुआ एक भी पल वापस नहीं लाया जा सकता। इसीलिए कहा जाता है कि समय ही धन है। कोई कितना भी अमीर क्यों न हो, वह अपने पैसों से बीता हुआ कल नहीं खरीद सकता। इसलिए हमें हर पल की कीमत समझनी चाहिए।

सफलता पाने का सही समय

सफलत पाने के लिए समय का सही उपयोग करना बहुत आवश्यक है। जो लोग समय की कद्र करते हैं, समय भी उनकी कद्र करता है। विद्यार्थी जीवन में समय का महत्व और भी बढ़ जाता है। जो छात्र-छात्राएँ समय पर पढ़ाई करते हैं, अपने दैनिक कार्यों की सारणी बनाकर उसका पालन करते हैं, वे परीक्षा में हमेशा अच्छे अंक प्राप्त करते हैं और अपने लक्ष्यों को आसानी से हासिल कर लेते हैं। पढ़ाई के साथ खेलकूद और आराम के लिए भी समय तय करना चाहिए।

समय का चक्र

समय किसी के लिए नहीं रुकता। घड़ी की सुइयाँ लगातार चलती रहती हैं, चाहे हम काम करें या आलस्य में बैठे रहें। यदि हमने आज का दिन व्यर्थ गँवा दिया, तो भविष्य में इसके नकारात्मक परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। आज का काम कल पर टालने वाले अक्सर बाद में पछताते हैं।

अवसर की पहचान

समय नदी के बहते पानी की तरह है, जिसमें डूबा तो जा सकता है, पर उसे पकड़ा नहीं जा सकता। जो अवसर एक बार निकल जाता है, वह दोबारा नहीं मिलता। सही समय पर लिया गया निर्णय और किया गया काम ही सही परिणाम देता है। इसलिए हमें हर अवसर को पहचानना और उसका लाभ उठाना सीखना चाहिए।

समय का सदुपयोग कैसे करें

हमें सुबह जल्दी उठना चाहिए, अपने काम की योजना बनानी चाहिए और मोबाइल, टीवी तथा फालतू बातों में समय बर्बाद नहीं करना चाहिए। हर काम को समय पर पूरा करने की आदत डालनी चाहिए। छोटी-छोटी अच्छी आदतें आगे चलकर बड़ी सफलता का कारण बनती हैं।

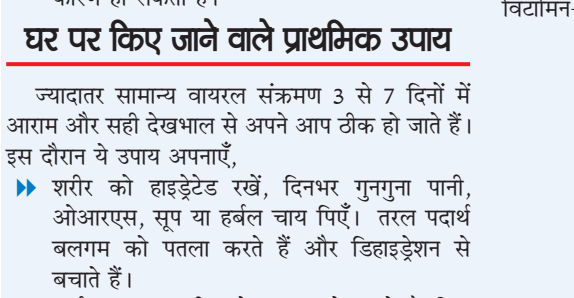
समय का महत्व जीवन में सबसे अधिक है, क्योंकि बीता हुआ समय कभी वापस नहीं लौटता। जीवन का हर एक पल अनमोल है। इसलिए हमें आलस्य छोड़कर अपने हर दिन का सदुपयोग करना चाहिए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार का पछतावा न हो।



वैष्णवी सोंधिया

कक्षा 7वीं
बीएमडी हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, दीक्षितपुरा, जबलपुर।

सर्दी का मौसम और वायरल संक्रमण, कैसे करें बचाव



ठंड के मौसम में तापमान गिरने और हवा के शुष्क होने के कारण वायरस बहुत अधिक सक्रिय हो जाते हैं। इस दौरान बंद कमरों में ज्यादा समय बिताने और कमजोर इम्यूनिटी की वजह से वायरल संक्रमण बहुत तेजी से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है। यदि समय रहते सावधानी रखी जाए, तो इससे आसानी से बचा जा सकता है। सर्दियों में होने वाले वायरल इन्फेक्शन के मुख्य लक्षण, घरेलू उपाय और बचाव के तरीके नीचे दिए गए हैं।

आम लक्षण

ठंड के दिनों में वायरल इन्फेक्शन होने पर निम्नलिखित लक्षण दिखाई दे सकते हैं,

- बुखार और ठंड लगना, अचानक शरीर का तापमान बढ़ना और कंपकंपी छूटना।
- श्वसन संबंधी समस्याएँ, सूखी या बलगम वाली खांसी, गले में खराश, नाक बहना या बंद होना।
- बदन दर्द और सिरदर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में तेज दर्द होना और सिर में भारीपन महसूस होना।
- अत्यधिक थकान, बिना ज्यादा काम किए भी शरीर में बहुत ज्यादा कमजोरी और सुस्ती आना।
- पेट की समस्याएँ (कुछ मामलों में), उल्टी, दस्त या जी मिचलाना, जो नोरोवायरस जैसे वायरस के कारण हो सकता है।

घर पर किए जाने वाले प्राथमिक उपाय

ज्यादातर सामान्य वायरल संक्रमण 3 से 7 दिनों में आराम और सही देखभाल से अपने आप ठीक हो जाते हैं। इस दौरान ये उपाय अपनाएँ,

- शरीर को हाइड्रेटेड रखें, दिनभर गुनगुना पानी, ओआरएस, सूप या हर्बल चाय पिएँ। तरल पदार्थ बलगम को पतला करते हैं और डिहाइड्रेशन से बचाते हैं।
- पर्याप्त आराम, शरीर को वायरस से लड़ने के लिए ऊर्जा की जरूरत होती है, इसलिए पूरी नींद लें और आराम करें।
- भाप लें और गरारे करें, बंद नाक और गले की खराश से राहत पाने के लिए गर्म पानी की भाप लें और गुनगुने नमक के पानी से गरारे करें।
- हल्का भोजन, आसानी से पचने वाला गर्म खाना, जैसे खिचड़ी, दलिया या सब्जियों का सूप लें।
- एंटीबायोटिक्स से बचें, एंटीबायोटिक दवाएँ केवल बैक्टीरिया पर काम करती हैं, वायरस पर नहीं। डॉक्टर की सलाह के बिना कोई भी एंटीबायोटिक न लें।
- यदि तेज बुखार तीन दिन से अधिक रहे, साँस लेने में कठिनाई हो या बच्चे, बुजुर्ग और गर्भवती महिलाएँ बीमार हों, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

बचाव के तरीके

खाना खाने से पहले या बाहर से आने के बाद हाथों को कम से कम 20 सेकंड तक साबुन से अच्छी तरह धोएँ। ठंड से बचने के लिए एक मोटे कपड़े के बजाय कई परतों में गर्म कपड़े पहनें और सिर व कान को ढककर रखें। संक्रमित व्यक्ति के सीधे संपर्क में आने से बचें और भीड़भाड़ वाले इलाकों में मास्क का उपयोग करें। आहार में अदरक, तुलसी, हल्दी और विटामिन-सी युक्त चीजों को शामिल करें।



सुप्रिया गुप्ता

टीचर, आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, गोविंदगंज, दमोह नाका, जबलपुर।

भारतीय ओलंपिक संघ, सपने से सफलता तक का सफर

भारतीय ओलंपिक संघ देश में ओलंपिक आंदोलन की सर्वोच्च संस्था है। यह भारतीय खिलाड़ियों को ओलंपिक, एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेलों जैसे बड़े मंचों तक पहुँचाने का काम करती है।

ओलंपिक के सपने की शुरुआत

इस सपने की नींव एक खेल मेले में पड़ी। 1919 में पुणे के डेक्कन जिमखाना के खेल मेले में दोराबजी टाटा खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने एंटवर्प ओलंपिक के लिए भारतीय टीम का खर्च खुद उठाने का फैसला किया। 1920 में उन्होंने चार एथलीट और दो पहलवानों का दल भेजा, और वहीं वे सदस्य चुने गए और भारत से पहले भारतीय ओलंपिक संघ सदस्य बने।

संघ की स्थापना

1927 में भारतीय ओलंपिक संघ की स्थापना हैरी क्रो बक और डॉ. ए. जी. नोहरेन की पहल पर हुई, जो मद्रास के वायएमसीए कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन से जुड़े थे। सर दोराबजी टाटा पहले अध्यक्ष और डॉ. नोहरेन पहले सचिव बने। उसी वर्ष भारतीय ओलंपिक संघ ने इसे मान्यता भी दे दी। प्रो. जी. डी. सोंधी पहले सहायक सचिव थे और बाद में सचिव बने। टाटा के बाद 1928 से 1938 तक पटियाला के महाराजा भूपिंदर सिंह अध्यक्ष रहे।

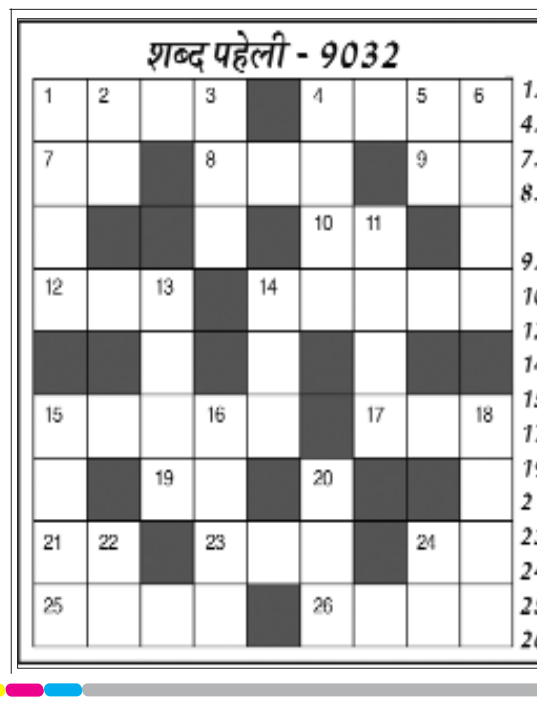
संघ का स्वरूप और कार्य- भारतीय ओलंपिक संघ का मुख्यालय नई दिल्ली में है और यह सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1860 के तहत पंजीकृत गैर-लाभकारी संस्था है। यह भारतीय राष्ट्रमंडल खेल संघ की भूमिका भी निभाती है और राष्ट्रमंडल खेलों के लिए खिलाड़ी चुनती है। इसके अलावा यह राष्ट्रीय खेल संघों से तालमेल रखती है और ओलंपिक मूल्यों का प्रचार करती है।

ओलंपिक में भारत का सफर

भारत ने पहली बार 1900 में पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लिया, जहाँ नॉर्मन प्रिचर्ड ने एथलेटिक्स में दो रजत पदक जीते। इसके बाद हॉकी का स्वर्णिम दौर आया। भारतीय हॉकी टीम ने 1928 से 1956 तक लगातार छह स्वर्ण पदक जीते। 2008 में अभिनव बिंद्रा ने निशानेबाजी में पहला व्यक्तिगत स्वर्ण जीता, और टोक्यो में नीरज चोपड़ा ने एथलेटिक्स में स्वर्ण दिलाया। पेरिस 2024 में भारत को 6 पदक मिले।

पी. टी. उषा का नेतृत्व- पी. टी. उषा भारतीय ओलंपिक संघ की पहली महिला अध्यक्ष हैं। वे इस संस्था का नेतृत्व करने वाली पहली ओलंपियन और पहली अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता भी हैं। भारतीय ओलंपिक संघ ने ओलंपिक पदक विजेता गगन नारंग को पुनः शुरू की गई नेशनल ओलंपिक एकेडमी का निदेशक बनाया है। जून 2026 में दूसरे एथलीट्स फोरम में खिलाड़ियों के करियर के बाद के जीवन पर चर्चा हुई और नीरज चोपड़ा फाउंडेशन के साथ स्वच्छ खेल अभियान शुरू हुआ।

शब्द पहेली - 9032



बाएँ से दाएँ

1. पैगंबर, खुदाई रहनुमा-4
4. कारगुजारी, करिश्मा-4
7. दौड़ना (अंग्रेजी - 2)
8. पासे फैंक कर भविष्य जानने की विद्या-3
9. गहराई-2
10. राय, वोट-2
12. आलीशान, उदार-3
14. नकारना, इंकार करना-2,3
15. चोरी करना-2,3
17. राशन, खाद्य सामग्री-3
19. गन्ना-2
21. हर रोज, प्रतिदिन-2
23. बाद्य बजाने वाला-3
24. शारीरिक ऊंचाई-2
25. जहां ताजिए दफन करते हैं-4
26. महीन व मूल्यवान कपड़ा-4

ऊपर से नीचे

1. हमेशा, हर पल, सदैव-4
2. जनता, लोक-2
3. द्रव पदार्थ-3
4. नागपुर के पास का एक कस्बा जहां जापान के सहयोग से भव्य बौद्ध मंदिर बना है-4
5. और, एवं-2
6. मन भटकाना-4
11. झगड़ा, कहासुनी-4
13. कोमलता-4
14. राजी करना-3
15. सहखिलाड़ी-4
16. चौकीदार, प्रहरी-4
18. कीचड़ -4
20. नगद राशि-3
22. पानी से सराबोर-2
24. थोड़ा, जरा-2

शब्द पहेली -9031 का हल



Jagrutidaur.com, Bangalore

जल जीवन मिशन के कार्यों में धीमी प्रगति पर कलेक्टर ने जताई नाराजगी



पूर्ण हो चुकी नलजल योजनाओं का शीघ्र ग्राम पंचायतों को करें हस्तांतरण

नरसिंहपुर,स्वतंत्रमत।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला जल एवं स्वच्छता मिशन के अंतर्गत जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पायली जल समूह योजना एवं जिले में संचालित एकल नलजल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। इस दौरान कलेक्टर ने कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने तथा पूर्ण हो चुकी योजनाओं का ग्राम पंचायतों को हस्तांतरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में पायली जल समूह योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि फरवरी 2027 में ग्राम खुर्सीपार, उसरी, उमरिया, चंडाल डुंगरिया सहित अन्य ग्रामों में तथा मार्च 2027 तक समूह योजना के माध्यम से जलप्रदाय प्रारंभ करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कलेक्टर ने संबंधित ग्राम पंचायतों में योजना के संधारण एवं हस्तांतरण की प्रक्रिया के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों द्वारा योजनाओं का क्रियान्वयन एवं संधारण किस प्रकार किया जाएगा, इसकी विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग नरसिंहपुर को प्रेषित की जाए।बैठक में कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा बताया गया कि जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में कुल 890 एकल नलजल योजनाओं में से 754 योजनाओं का कार्य पूर्ण किया जा चुका है तथा शेष योजनाओं के कार्य प्रगतिरत हैं। कलेक्टर ने पूर्ण हो चुकीं, लेकिन अभी तक ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित नहीं की गई योजनाओं को शीघ्र हस्तांतरित करने के निर्देश दिए, ताकि ग्राम पंचायतों के माध्यम से उनका नियमित संचालन एवं संधारण किया जा सके। जल जीवन मिशन के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं की समीक्षा के दौरान मेसर्स एलेक्ट्रा कंस्ट्रक्शन बिहार, मेसर्स सिनाया इन्फा नरसिंहपुर, मेसर्स वैभव कंस्ट्रक्शन बिहार, मेसर्स आर.एस. चौहान, मेसर्स नेह

निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण कराएं, लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों पर पेनाल्टी एवं ब्लैकलिस्ट करने की होगी कार्रवाई

सुमन चौबे जबलपुर, मेसर्स गौरव ट्रेडर्स शाजापुर एवं मेसर्स विनायका एसोसिएट्स शिवपुरी द्वारा कार्यों में धीमी प्रगति पाए जाने पर कलेक्टर ने संबंधित ठेकेदारों, उपयंत्रियों एवं सहायक यंत्रियों के प्रति नाराजगी व्यक्त की। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी संबंधित ठेकेदार निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण कराएं।

कार्यों में लापरवाही एवं अनावश्यक विलंब करने वाले ठेकेदारों के विरुद्ध पेनाल्टी लगाने तथा ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को योजनाओं के कार्यों की सतत निगरानी करने तथा प्रगति में तेजी लाने के निर्देश दिए।

छठ पर देखने मिल रहा भक्ति का माहौल

नहाय.खाय के साथ चार दिवसीय अनुष्ठान का हुआ शुभारंभ



सतना स्वतंत्रमत। लोक आस्था और सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा 13 नवंबर से शुरू हुआ । चार दिनों तक चलने वाले इस पावन पर्व की शुरुआत नहाय.खाय की परंपरा के साथ होगी। छठ महापर्व को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह और भक्ति का माहौल देखने को मिल रहा है।

छठ पूजा का चार दिवसीय कार्यक्रम-13 नवंबर शुक्रवार नहाय.खाय . स्नान के बाद सात्विक भोजन ग्रहण। 14 नवंबर शनिवार खरना गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद। 15 नवंबर रविवार संध्या अर्घ्य अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य। 16 नवंबर सोमवार उषा अर्घ्य उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण छठ पूजा में व्रती महिलाएं और पुरुष संतान की सुख.समृद्धि परिवार के कल्याण और खुशहाली की कामना करते हुए सूर्यदेव एवं छठी मैया की आराधना करते हैं। इस पर्व में स्वच्छता पवित्रता संयम और अटूट श्रद्धा का विशेष महत्व है।

नई बस्ती आबादी गूंज सम्मेलन की बनी रूपरेखा

सतना स्वतंत्रमत। हनुमान नगर विकास मंच द्वारा विगत 5 वर्षों से जारी आबादी अभियान का आबादी गंज सम्मेलन 22 नवंबर दोपहर 2 बजे मंगल भवन वार्ड 15 में होना तय हुआ है। आबादी अभियान के प्रमुख विनोद द्विवेदी ने बताया कि पूरी बस्ती में 16 खंडो में रचना कर खंड प्रमुख की कमेटी बनाकर नगर परिषद में आबादी प्रस्ताव हेतु सरकारी जमीन में बसे नई बस्ती के वार्ड क्रमांक 12 13 14 15 17 18 19 के निवासियों से सभी के आबादी आवेदन जमा होगा। योजना बैठक में आबादी गूंज सम्मेलन को सफल बनाने के लिए कार्य योजना बनाई गई। बैठक में अंबेडकर स्मारक खेरदाई बस्ती वार्ड 15 का खंड प्रमुख शिक्षाविद रामसुहावन रैदास को बनाया गया। उनके साथ खंड टीम में यश मंडल हरबंस द्विवेदी संदीप यादव धीरेंद्र सिंह बघेल सदस्य रहेंगे।

युवा कवि विकास बैरागी दिल्ली के प्रतिष्ठित साहित्यिक मंच पर बिखेरेंगे अपनी रचनाओं की चमक

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।



भगवान नरसिंह की पावन भूमि और साहित्यिक विरासत के लिए पहचाने जाने वाले नरसिंहपुर जिले का नाम एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित होने जा रहा है। जिले लोकप्रिय कवि विकास बैरागी गुरु को नई दिल्ली स्थित मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में आयोजित होने वाले एक प्रतिष्ठित साहित्यिक महाकुंभ में काव्यपाठ के लिए आमंत्रित किया गया है। विकास आगामी 28 नवंबर को इस भव्य मंच से अपनी रचनाओं की प्रस्तुति देंगे। कवि विकस बैरागी ने अपनी हास्य एवं भावपूर्ण कविता पाठ की शैली से न केवल प्रदेश बल्कि देश के विभिन्न हिस्सों में श्रोताओं के बीच अपनी एक खास पहचान बनाई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी उनकी रचनाओं को काफी सराहा जाता है और लाखों लोग उन्हें सुनना व पढ़ना पसंद करते हैं। छोटे से जिले से निकलकर देश के इतने बड़े और प्रतिष्ठित साहित्यिक मंच तक पहुंचना नरसिंहपुर के लिए गर्व का विषय है।

स्वास्थ्य सेवा की दिशा में सराहनीय पहल, एक्यूप्रेशर शिविर का शुभारंभ

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। समय सिंधु महिला मंडल द्वारा जनसेवा एवं स्वास्थ्य जागरूकता के उद्देश्य से एक्यूप्रेशर स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ कंदेली जैन मंदिर के विद्यासागर भवन में उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण के साथ हुआ। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. बृजेंद्र जैन (बाल रोग विशेषज्ञ), डॉ. नवनीत जैन (हड्डी रोग विशेषज्ञ) एवं डॉ. एम. एम.जैन (आयुर्वेदिक चिकित्सक) उपस्थित रहे। मंडल की ओर से अतिथियों को पौधा भेंट कर एवं माला पहनाकर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष श्री प्रदीप जैन ने स्वास्थ्य संबंधी आयोजनों को समाजहित में महत्वपूर्ण पहल बताया। समय सिंधु महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती रंजना नायक, सचिव श्रीमती साधना डबल्या एवं कोषाध्यक्ष श्रीमती भावना जैन एवं समय सिन्धु महिला मंडल एवं बधु मंडल के सभी सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रहीं.कार्यक्रम में टी. आर.जैन साहब, गुल्लू भैया,शरद जैन,विनोद नायक सहित समाज के अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। मंच संचालन मनीष डबल्या ने किया।समय सिंधु महिला मंडल की इस पहल का उद्देश्य समाज के लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा एक्यूप्रेशर चिकित्सा पद्धति के प्रति जानकारी उपलब्ध कराना है।

नरवाई न जलाएं, उन्नत कृषि यंत्रों को अपनाकर खेती को बनाएं आसान और लाभकारी : कलेक्टर रजनी सिंह

कलेक्टर ने नवलगांव में रोटावेटर से फसल अवशेष प्रबंधन एवं सुपर सीडर से चना की बुवाई का किया अवलोकन



नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। खेतों में नरवाई जलाने से पर्यावरण प्रदूषण के साथ मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी प्रभावित होती है। नरवाई जलाने के बजाय आधुनिक कृषि यंत्रों के माध्यम से फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन कर खेती को आसान, लाभकारी और पर्यावरण अनुकूल बनाया जा सकता है। यह बात कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने ग्राम नवलगांव में कृषि कार्यों का अवलोकन करते हुए कही। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने ग्राम नवलगांव में कृषक श्री स्वप्निल चौकसे के खेत में धान की कटाई के बाद रोटावेटर से किए जा रहे फसल अवशेष प्रबंधन तथा कृषक श्री शैलेष महाजन के खेत में सुपर सीडर से की जा रही चने की बुवाई का निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों द्वारा अपनाई जा रही आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी ली और कृषि विभाग के अधिकारियों को इनका अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कृषक श्री स्वप्निल चौकसे के खेत में हार्वेस्टर का भी अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि हार्वेस्टर में स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम (एसएमएस) लगाकर फसल अवशेषों का बेहतर प्रबंधन किया जा सकता है। कृषि विभाग के अधिकारी किसानों को इसके उपयोग के लिए प्रेरित करें, ताकि धान की कटाई के बाद खेतों में नरवाई जलाने की आवश्यकता न पड़े। उन्होंने निर्देश दिए कि नरवाई जलाने की घटनाओं पर प्रभावी निगरानी रखी जाए तथा ऐसा करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि रोटावेटर, सुपर सीडर एवं हैप्पी सीडर जैसे आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग से फसल अवशेषों को खेत में ही मिलाया जा सकता है। इससे मिट्टी में जैविक तत्वों की मात्रा बढ़ाने, मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने और अगली फसल की समय पर बुवाई करने में मदद मिलती है। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन किसानों के पास ये कृषि यंत्र उपलब्ध हैं, उनकी जानकारी अन्य किसानों तक भी पहुंचाई जाए। किसान आपसी सहयोग से अथवा किराये पर कृषि यंत्र लेकर भी इनका उपयोग कर सकते हैं। इस दौरान कृषक श्री शैलेष महाजन ने कलेक्टर श्रीमती सिंह को बताया कि सुपर सीडर के माध्यम से एक घंटे में लगभग एक एकड़ क्षेत्र में चने की बुवाई की जा रही है। इससे समय और श्रम की बचत होने के साथ कृषि कार्य भी आसान हो रहा है। उन्होंने सिंचाई व्यवस्था एवं कृषि कार्यों के लिए बिजली की उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली। कृषक ने बताया कि उन्हें कृषि कार्यों के लिए पर्याप्त बिजली मिल रही है तथा बोरवेल के माध्यम से खेतों में सिंचाई की जा रही है। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने जल संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि खेती में पानी की उपलब्धता बनाए रखने के लिए वर्षा जल का अधिक से अधिक संचयन करना जरूरी है।

उन्होंने खेतों में खेत तालाब बनाकर वर्षा जल का संग्रहण करने तथा आवश्यकता के अनुसार सिंचाई कार्य में इसका उपयोग करने की सलाह दी। इससे भूजल पर निर्भरता कम करने और जल स्तर बनाए रखने में मदद मिलेगी। उन्होंने बोरवेल के आसपास रिचार्ज शाफ्ट बनाने की सलाह भी दी, ताकि वर्षा जल का भूजल में पुनर्भरण हो सके और भूजल स्तर बनाए रखने में मदद मिले। उन्होंने कहा कि आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने के साथ जल संरक्षण के उपायों पर भी विशेष ध्यान देना आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान उप संचालक कृषि श्री सुरेंद्र कुमार अमरूते सहित अन्य अधिकारी और किसान मौजूद थे।

8 जीवीपी स्थलों से कचरा उठाव में लापरवाही,रेमकी पर आयुक्त नाराज

सात साल पुरानी गाड़ियां भी नहीं बदलीं 54.83 करोड़ का संपत्तिकर बकाया वसूली में सख्ती के निर्देश



सतना स्वतंत्रमत। शहर के 88 जीवीपी स्थलों से सही तरीके से कचरा नहीं उठाए जाने और सात साल पुरानी गाड़ियां अब तक नहीं बदलने पर आयुक्त डॉ. नागार्जुन बी.गौड़ा ने रेमकी कंपनी के कामकाज पर कड़ी नाराजगी जताई। गुरुवार को नगर निगम की विभागवार समीक्षा बैठक में आयुक्त ने निर्देशों के बावजूद सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं होने पर कंपनी को कचरा उठाव की व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। बैठक में संपत्तिकर वसूली पर भी विशेष जोर दिया गया। निगम ने 50 हजार रुपये से अधिक संपत्तिकर बकाया रखने वाले करीब 6 हजार करदाताओं को नोटिस जारी किए हैं। इन पर कुल 54 करोड़ 83 लाख रुपये बकाया है। आयुक्त ने अधिकारियों को वसूली में तेजी लाने और निर्धारित अवधि में राशि जमा नहीं करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। पिछले एक सप्ताह के कामकाज की समीक्षा के दौरान आयुक्त ने योजना शाखा की प्रगति पर संतोष जताया। वहीं अमृत 1.0 एवं 2.0 निर्माण कार्यों प्रधानमंत्री आवास योजना कॉलोनी सेल और स्मार्ट सिटी के कार्यों की जानकारी लेते हुए लंबित कार्य समय पर पूरे करने के निर्देश दिए।

बैठक में राजस्व सफाई अतिक्रमण भवन अनुज्ञा फायर वाहन स्थापना विधि और लेखा सहित अन्य शाखाओं के कार्यों की भी समीक्षा हुई। अधिकारियों ने पीपीटी के माध्यम से पिछले एक सप्ताह की प्रगति प्रस्तुत की। इस दौरान उपायुक्त अनुराग तिवारी सत्यम मिश्रा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

दीपावली मेला के बाद चित्रकूट नगर में स्वच्छता अभियान निरंतर जारी

सतना स्वतंत्रमत। चित्रकूट में पांच दिवसीय दीपावली मेला सफलता पूर्वक संपन्न होने के पश्चात नगर परिषद की टीम द्वारा चित्रकूट नगर में व्यापक साफ-सफाई अभियान निरंतर चलाया जा रहा है। मेले के दौरान देश-देशांतर से पहुंचे लाखों श्रद्धालुओं की आवाजाही के बाद नगर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखने के लिए सफाई कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। नगर परिषद की टीम द्वारा कामता क्षेत्र के मुख्य मार्ग, बागरी धर्मशाला के सामने, सियाराम कुटी, शासकीय विद्यालय के सामने, गहोई भवन एवं वैदेही वाटिका के पास जमा कचरे को हटाया जा रहा है। वहीं पीली कोठी मार्ग स्थित हरिजन बस्ती में सड़क डिवाइडर एवं सड़क के किनारे सफाई कराई गई। पूर्वी मुखारविंद मंदिर के सामने आरसीसी सड़क एवं आसपास के क्षेत्रों की भी सफाई की गई। इसके साथ ही मंदाकिनी नदी तट, मंदिर परिसर, परिक्रमा मार्ग सहित नगर के प्रमुख धार्मिक एवं सार्वजनिक स्थलों को साफ-सुथरा रखने के लिए नियमित सफाई कराई जा रही है। स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से नालियों में ब्लीचिंग पाउडर एवं कीटनाशक दवाओं का छिड़काव भी किया जा रहा है। स्वच्छता प्रभारी प्रभात सिंह के निर्देशन में नगर परिषद की टीम द्वारा लगातार सफाई कार्य किया जा रहा है।

राष्ट्रीय शालेय क्रिकेट में बल्लेबाजों ने बरसाए रन, गेंदबाजों ने बरपाया कहर, विभिन्न मैदानों पर 12 टीमों ने दर्ज की जीत

एनव्हीएस, डीएव्ही, मध्यप्रदेश, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पंजाब, छत्तीसगढ़, बिहार, गोवा, उत्तराखंड, वेस्ट बंगाल और जम्मू-कश्मीर ने मारी बाजी

आईबीएसएसओ- सीबीएसई का मुकाबला टाई





गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। 70वीं राष्ट्रीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता (अंडर-19 बालक वर्ग) में गुरुवार को जिले के गाडरवारा तहसील के विभिन्न मैदानों पर क्रिकेट का जबरदस्त रोमांच देखने को मिला। कहीं बल्लेबाजों ने चौकों-छक्कों की बरसात कर दर्शकों का मनोरंजन किया, तो कहीं गेंदबाजों ने विकेटों की झड़ी लगाकर विपक्षी टीमों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। दिनभर खेले गए मुकाबलों में एनव्हीएस, डीएव्ही, मध्यप्रदेश, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पंजाब, छत्तीसगढ़, बिहार, गोवा, उत्तराखंड, वेस्ट बंगाल और जम्मू-कश्मीर की टीमों ने जीत दर्ज की। वहीं आईबीएसएसओ और सीबीएसई के बीच खेला गया मुकाबला बराबरी पर छूटा। दिन के मुकाबलों में उत्तर प्रदेश ने हरियाणा को 108 रनों से हराकर बड़ी जीत दर्ज की, जबकि डीएव्ही ने चंडीगढ़ को 90 रनों से शिकस्त दी। गोवा ने सीआईएससी को महज 2 रनों से हराकर रोमांचक जीत हासिल की। वेस्ट बंगाल ने आंध्र प्रदेश को 47 रन, पंजाब ने झारखंड को 37 रन, बिहार ने महाराष्ट्र को 35 रन, मध्यप्रदेश ने दादरा नगर हवेली एवं दमन-दीव को 30 रन तथा उत्तराखंड ने राजस्थान को 82 रनों से पराजित किया। एनव्हीएस ने गुजरात को 4 विकेट, तमिलनाडु ने दिल्ली को 6 विकेट और छत्तीसगढ़ ने तेलंगाना को 75 रनों से हराया। जम्मू-कश्मीर ने जेपीएससी को शिकस्त दी।

एनव्हीएस के नितेश का ऑलराउंड जलवा, केविन ने झटके पांच विकेट- एनटीपीसी मैदान पर एनव्हीएस और गुजरात के बीच खेले गए मुकाबले में गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 175 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एनव्हीएस की टीम ने 19.1 ओवर में 6 विकेट खोकर 176 रन बनाते हुए 4 विकेट से मुकाबला अपने नाम किया। नितेश दिवाकर ने गेंदबाजी में 3 विकेट चटकाने के साथ बल्लेबाजी में 32 रनों का योगदान दिया। उनके शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। इसी मैदान पर डीएव्ही के गेंदबाज केविन का कहर देखने को मिला। डीएव्ही ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.1 ओवर में 196 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी चंडीगढ़ की टीम डीएव्ही के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और उसे 90 रनों से हार का सामना करना पड़ा। केविन ने महज 22 रन देकर 5 विकेट हासिल किए। उनकी घातक गेंदबाजी के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया।

यथार्थ डेहरिया की किफायती गेंदबाजी, तमिलनाडु ने भी दिल्ली को दी मात- आमगांव छोटा मैदान पर मध्यप्रदेश और दादरा नगर हवेली एवं दमन-दीव के बीच मुकाबला खेला गया। मध्यप्रदेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 161 रन बनाए। जवाब में विपक्षी टीम 131 रन ही बना सकी और मध्यप्रदेश ने 30 रनों से जीत दर्ज की। मध्यप्रदेश के यथार्थ डेहरिया ने अपनी गेंदबाजी से खासा प्रभावित किया।

उत्तर प्रदेश के गेंदबाजों के सामने हरियाणा ने टेके घुटने, 53 रन पर सिमटी टीम- रुद्र खेल मैदान गाडरवारा पर उत्तर प्रदेश ने हरियाणा के विरुद्ध शानदार खेल दिखाया। पहले बल्लेबाजी करते हुए उत्तर प्रदेश ने 161 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी हरियाणा की टीम उत्तर प्रदेश के गेंदबाजों के सामने पूरी तरह बेबस नजर आई और महज 53 रनों पर सिमट गई। उत्तर प्रदेश ने 108 रनों के बड़े अंतर से जीत हासिल की।

पंजाब के कमल हीर चमके, बिहार के शाश्वत वत्स ने 32 गेंदों में ठोके 69 रन- चीचली के मैदान पर पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 116 रन बनाए। जवाब में झारखंड की टीम 80 रनों पर ऑलआउट हो गई। पंजाब ने 37 रनों से जीत दर्ज की। पंजाब के कमल हीर को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। काबरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल मैदान पर छत्तीसगढ़ ने तेलंगाना को 75 रनों से शिकस्त दी।

मुख्यमंत्री जनविश्वास शिविर समस्याएं रखने सुझाव देने और सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने का एक सशक्त मंच : विधायक





मण्डला(स्वतंत्रमत)

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत कलेक्टर ने विकासखंड मोहगांव के ग्राम चाबी एवं आसपास के क्षेत्रों का दौरा कर शासकीय व्यवस्थाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने स्वास्थ्य शिक्षा पोषण आजीविका एवं कृषि नवाचारों से जुड़े विभिन्न संस्थानों का निरीक्षण किया और ग्रामीणों से सीधा संवाद कर खाद्यान्न की गुणवत्ता एवं मात्रा के संबंध में फीडबैक लिया। कलेक्टर ने सर्वप्रथम आयुष्मान आरोग्य मंदिर खाल्हेगिठौरी का निरीक्षण किया। उन्होंने ओपीडी दवा वितरण कक्ष और टीकाकरण कक्ष की व्यवस्थाओं को देखा तथा परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस स्वास्थ्य केंद्र पर आसपास के कई ग्रामों के नागरिक निर्भर हैं अत: यहां पदस्थ सभी चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की नियमित उपस्थिति अनिवार्य है।

सांदीपनि विद्यार्थी को मार्गदर्शन

सांदीपनि विद्यालय चाबी के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विद्यालय परिसर और कक्षाओं का जायजा लिया। उन्होंने कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों से संवाद कर प्रोजेक्ट संकल्प के संबंध में फीडबैक लिया तथा जेईई और नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए उपयोगी टिप्स दिए। उन्होंने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने और अपना भविष्य संवारने के लिए प्रेरित किया। साथ ही विद्यालय के शेष निर्माण कार्यों का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में कार्य पूर्ण कर भवन हैंडओवर करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केंद्र खाल्हेगिठौरी का निरीक्षण कर बच्चों को दिए जाने वाले नाश्ते भोजन नियमित वजन और टीकाकरण की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और स्वास्थ्य अमले एएनएम को निर्देशित किया कि प्रत्येक माह लगने वाले टीकों की स्पष्ट सूची तैयार कर आंगनबाड़ी केंद्र में चस्पा की जाए।

दीदी कैफे का अवलोकन

भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने कृषक सुनील झारिया के फार्म हाउस का निरीक्षण किया जहां उन्होंने लाल व सफेद चंदन तथा मालाबार नीम के पौधों मछली पालन और जीवामृत घनजीवामृत व मदर कल्चर जैसी प्राकृतिक एवं जैविक खाद निर्माण की प्रक्रिया को देखा। कलेक्टर ने कृषक के प्रयासों की सराहना करते हुए फार्म हाउस पर होम-स्टेज विकसित करने का सुझाव भी दिया। इसके अतिरिक्त उन्होंने ग्राम बंगली में पंचवटी आजीविका स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित दीदी कैफे का भी निरीक्षण किया।

निवास विधायक हुए शामिल

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत चाबी स्थित पीएम श्री सांदीपनि विद्यालय प्रांगण में जनसंवाद शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान कलेक्टर ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन की समीक्षा की। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग की योजनाओं का प्रस्तुतिकरण दिया और ग्रामीणों से प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण की प्रक्रिया शुरू की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए निवास विधायक चैन सिंह वरकड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री जनविश्वास शिविर आम जनता को अपनी समस्याएं रखने विकास के सुझाव देने और सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने का एक सशक्त मंच है।

हितलाभ का किया वितरण

इस अवसर पर संबल योजना और लाड़ली लक्ष्मी योजना के पात्र हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। साथ ही स्व-सहायता समूहों को आर्थिक संबल प्रदान करने के लिए सीसीएल (क्रेडिट लिंकेज) राशि का वितरण भी किया गया। शिविर में जनपद पंचायत अध्यक्ष गत सिंह भवेदी, पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी, जिला पंचायत सीईओ शाश्वत सिंह मीना, एसडीएम संस्कार बावरिया, मोहगांव तहसीलदार चंद कुमार वट्टे, सरपंच गया प्रसाद मरावी सहित जिला एवं जनपद पंचायत सदस्य, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

अधिकारियों की बैठक समीक्षा

अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठक लेकर विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं सेवाओं की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचना सुनिश्चित करें तथा आमजन की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर प्रभावी निराकरण किया जाए।

एकलव्य विद्यालय को मिला राष्ट्रीय सम्मान



मण्डला(स्वतंत्रमत)। जनजातीय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने एवं शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए जिले को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय को राष्ट्र स्तर पर उत्कृष्ट एकलव्य विद्यालय के रूप में सम्मानित किया। इसके साथ ही मध्यप्रदेश जनजातीय कार्य विभाग को भी एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के लिए उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मान प्रदान किया गया एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय का यह चयन भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा किए गए मूल्यांकन के आधार पर किया गया है। विद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं संस्थागत कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर यह उपलब्धि हासिल की है।समारोह में मध्यप्रदेश की ओर से प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य विभाग एवं एमपी सरस की कार्यकारी समिति के अध्यक्ष गुलशन बामरा ने पुरस्कार ग्रहण किया वहीं जिले की ओर से कलेक्टर एवं एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय अध्यक्ष राहुल नामदेव धोटे तथा विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती रीना ने सम्मान ग्रहण किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों से संवाद भी किया कार्यक्रम का आयोजन भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित जनजातीय गौरव पखवाड़ा के अंतर्गत किया गया एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर मिला यह सम्मान जिले के लिए गौरव का विषय है यह उपलब्धि विद्यालय के शिक्षकों विद्यार्थियों एवं जनजातीय कार्य विभाग के सतत प्रयासों और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

दक्ष प्रजापति आर्मी का सामाजिक सम्मेलन

मण्डला(स्वतंत्रमत)

दक्ष प्रजापति आर्मी एवं महिला उत्थान प्रकोष्ठ द्वारा मंडला जिला मुख्यालय में सामाजिक सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष आरएन प्रजापति उगली एवं महिला उत्थान प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष नीलिमा देवी प्रजापति का कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रदेश पदाधिकारियों के आगमन पर समाजजनों में खासा उत्साह देखने को मिला। प्रदेश पदाधिकारियों के स्वागत के पश्चात बैगा-बेगिन चौक से कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली गई। रैली के दौरान समाज के प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में प्रजापति समाज के पात्र परिवारों को नियमानुसार भूमि पट्टा उपलब्ध कराने लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने तथा जरूरतमंद परिवारों को



शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने मांग की गई। समाज ने प्रशासन से मांगों पर प्राथमिकता से कार्यवाही करने का आग्रह किया। रैली एवं ज्ञापन सौंपने के पश्चात नगर पालिका टाउन हॉल में सामाजिक कार्यक्रम किया गया। सम्मेलन में समाज के उत्थान, संगठन की मजबूती, महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक एकता पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में महिला उत्थान प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष रामकली प्रजापति, जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र चक्रवर्ती, गया प्रसाद चक्रवर्ती, संतोष चक्रवर्ती, मंगलेश चक्रवर्ती, राजाराम मरावी, नंदकिशोर चक्रवर्ती, राजेश चक्रवर्ती एवं बब्बू चक्रवर्ती सहित सैकड़ों समाजजन एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्री गुरु नानक जयंती पर प्रभात फेरी

मण्डला(स्वतंत्रमत)



सिख धर्म के प्रथम गुरु एवं महान संत श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर श्री पूज्य सिंधी पंचायत के तत्वावधान में धार्मिक आयोजनों का शुभारंभ श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ किया गया। इसी क्रम में सुबह 5 बजे श्री गुरुद्वारा साहिब जी से प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी में समाज के श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रभात फेरी नगर के निर्धारित मार्गों से होते हुए पुन: श्री गुरुद्वारा साहिब पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान गुरु नानक देव जी के जयकारों और भक्ति भाव से पूरा वातावरण आध्यात्मिक रंग में रंगा नजर आया। सुबह-सुबह निकली प्रभात फेरी ने नगर में धार्मिक उल्लास और श्रद्धा का वातावरण निर्मित किया। प्रभात फेरी के गुरुद्वारा साहिब पहुंचने के पश्चात विधिवत आरती अरदास एवं पल्लव की धार्मिक रस्म संपन्न कराई गई। इसके बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

बाइक का टायर फटने से हादसा, चार लोग घायल

एक बच्चे के सिर में गंभीर चोट सिविल अस्पताल में इलाज जारी

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। विकास खंड नैनपुर के ग्राम जामगांव और ईश्वरपुर के बीच बाइक का टायर अचानक फटने से सड़क हादसा हो गया। हादसे में बाइक सवार चार लोग चोटिल हो गए। इनमें एक बच्चे के सिर में अधिक चोट आने की जानकारी सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल बच्चे बम्हनी बंजर थाना क्षेत्र के बाजा-बोरिया गांव के बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस को मौके के लिए रवाना किया गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया जहा इलाज जारी है।

जिसका कोई नहीं उसका तो खुदा है यारों



मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)।

जिसका कोई नहीं उसका तो खुदा है यारों को सिद्ध किया कमल परस्ते ने वार्ड नंबर 1 निवासी भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता माहु परते का निधन हो गया था। उनके निधन की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। श्री परते के रिश्ते नाते में कोई भी नहीं था। बस एक सगा मामा था जो अंतिम संस्कार करने के लिए राजी नहीं हुआ। ऐसी कठिन और दुखद स्थिति में समाज आगे आया। समाज के वरिष्ठ जन एवं भाजपा नेता डॉ विजय आनंद मरावी, दान सिंह राजपूत, नरेंद्र धुर्वे, सुदेश नामदेव, रत्नेश यादव, संजय परस्ते, रिकी राम परस्ते सहित अनेक लोगों ने सहयोग कर अंतिम संस्कार की व्यवस्था की। दीपावली की छुट्टी मनाने आये पड़ोस में रहने वाले कमल परते ने आगे आकर मुखाग्नि दी। उन्होंने अंतिम संस्कार के बाद के समस्त रस्मों कर्मकांड को करने की बात समाज के बीच रखी। कमल परते के इस मानवीय और साहसिक कार्य की पूरे समाज ने सराहना की। लोगों ने कहा कि कमल परते ने सच में सिद्ध कर दिया कि जिसका कोई नहीं उसका तो खुदा है यारों। भाजपा नेता डॉक्टर विजय आनंद मराबी एवं कार्यकर्ताओं ने पार्टी का झंडा अर्पित कर श्रृद्धांजलि अर्पित किया समाज की ओर से दिवंगत माहु परते को विनम्र श्रृद्धांजलि अर्पित की गई।

विद्यार्थियों ने जाना बिरसा मुंडा का इतिहास

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जनजाति गौरव दिवस के उपलक्ष्य में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में भगवान बिरसा मुंडा के जीवन संघर्ष एवं योगदान पर विशेष कार्यशाला आयोजित किया गया। कार्यशाला में प्रश्नमंच प्रेरक वीडियो एवं संवाद के माध्यम से विद्यार्थियों को भगवान बिरसा मुंडा के प्रेरणादायी जीवन से परिचित कराया गया कैरियर काउंसलर अखिलेश उपाध्याय ने प्रश्नमंच के माध्यम से विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारी दी। विपिन लखेरा ने भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष एवं अंग्रेजी शासन के विरुद्ध उनके आंदोलन पर प्रकाश डाला जबकि प्रवीण अग्रवाल ने उनके जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण एवं अनछुए पहलुओं की जानकारी दी।

अधिवक्ता संघ की शोकसभा

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला अधिवक्ता संघ के सदस्य मुकेश सोनी की माता श्रीमती पुष्पा सोनी के दुखद निधन पर शुक्रवार को जिला अधिवक्ता संघ के सभाकक्ष में शाम 4 बजे संयुक्त शोक सभा आयोजित की गई। शोक सभा में न्यायाधीशगण एवं अधिवक्तागण उपस्थित रहे। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने दिवंगत श्रीमती पुष्पा सोनी को श्रृद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन धारण किया।

साथ बैठकर किया रात्रि भोजन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके द्वारा जिला मुख्यालय स्थित बालिका छात्रावास का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने छात्रावास में निवासरत बच्चियों से संवाद कर उपलब्ध सुविधाओं, भोजन एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।

लोकसेवा ट्रेवल्स की बस से कपड़ा व्यापारी के गट्ठों से हजारों के कपड़े चोरी

नैनपुर (स्वतंत्र मत)



लोकसेवा ट्रेवल्स जबलपुर की बस से नैनपुर कपड़ा व्यापारी के माल से हजारों रुपये कीमत के कपड़े चोरी होने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार जबलपुर से नैनपुर के बीच चलने वाली बस क्रमांक एमपी 20 क्र1277 में रखे कपड़े के गट्ठों से अज्ञात व्यक्ति द्वारा पेंट-शर्ट सहित अन्य कपड़े चोरी कर लिए गए। बताया जा रहा है कि कपड़ा व्यापारी ने अपना माल गट्ठों में बांधकर बस में रखवाया था, लेकिन नैनपुर पहुंचने पर गट्ठों को फ़ाड़ कर कपड़े गायब मिले। घटना से व्यापारी को हजारों रुपये का नुकसान हुआ है। इस घटना के बाद बस में माल की सुरक्षा और परिवहन व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आखिर जबलपुर से नैनपुर के बीच किस स्थान पर गट्ठों से कपड़े निकाले गए और इसकी जिम्मेदारी किसकी है? अब देखना होगा कि ट्रेवल्स संचालक इस मामले में क्या कार्रवाई करते हैं और व्यापारी गोलु ग्रेश कलेक्शन को उसका नुकसान कैसे वापस मिलता है। इस प्रकार व्यापारियों का लगातार सामान चोरी होने की घटनाएं आम हो चली है।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता 15 को

मण्डला(स्वतंत्रमत)। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री एवं आधुनिक भारत के निर्माता पंडित जवाहरलाल नेहरू जी तथा कांग्रेस सेवा दल के संस्थापक डॉ. एन.एस. हार्डिकर की जयंती के अवसर पर कांग्रेस सेवा दल द्वारा विद्यार्थियों के लिए पं. जवाहरलाल नेहरू सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता 2026 का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता का आयोजन15 नवंबर रविवार को दोपहर 12:30 बजे से 1:30 बजे तक गोंडी पब्लिक ट्रस्ट रपटा घाट में किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में कक्षा आठवीं से लेकर स्नातक स्तर तक के छात्र-छात्राएं भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता में सभी प्रश्न बहुविकल्पीय पद्धति पर आधारित होंगे। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में सामान्य ज्ञान बौद्धिक क्षमता प्रतिस्पर्धात्मक भावना तथा महापुरुषों के विचारों और योगदान के प्रति जागरूकता विकसित करना है। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इसमें प्रथम पुरस्कार 5100 रुपये द्वितीय पुरस्कार 3100 रुपये एवं तृतीय पुरस्कार 2100 रुपये निर्धारित किया गया है। प्रतियोगिता में शामिल होने के इच्छुक छात्र-छात्राओं को अपना नाम पिता पालक का नाम स्थायी पता कक्षा मोबाइल नंबर एवं शैक्षणिक संस्था का नाम सहित निर्धारित जानकारी उपलब्ध करानी होगी, प्रतियोगिता के समय मोबाइल फोन पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। कांग्रेस सेवा दल मंडला के अध्यक्ष एवं प्रतियोगिता के आयोजक संतोष सोनू भल्लावी ने जिले के समस्त छात्र-छात्राओं, अभिभावकों एवं शिक्षण संस्थानों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में विद्यार्थी इस प्रतियोगिता में सहभागिता करें और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करें।

न्यायालय तहसीलदार नैनपुर जिला मण्डला

क्रमांक/ तह/प्र/2026 नैनपुर दिनांक -06/11/2026
प्र0क0 (अ-20(3)-26-27

// इश्तहार //

एतद् द्वारा आम जनता सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि ग्राम उमरिया तहसील नैनुपर जिला मण्डला को सूचित किया जाता है, कि ग्राम - उमरिया प.ह.नं. 34 रा.नि.म.नैनपुर में स्थित शासकी भूमि ख.नं. 236/3 रकबा 1.8210 हे. मद शासकीय मेसे रकबा .....वर्ग फुट/हे.भूमि पंडित दीन दयाल भवन निर्माण हेतु भूमि की आवंटन के लिए आवेदक / विभाग संस्था कर्यालय नगरपालिका परिषद नैनपुर के द्वारा भूमि आवंटन की मांग हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महो. मण्डला के न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्रकरण जाँच प्रतिवेदन हेतु अनुविभागीय अधिकारी नैनपुर के माध्यम से इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

अत: एतद द्वारा इस इश्तहार के माध्यम से सूचित किया जाता है, कि उपरोक्त वर्णित भूमि के सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो आप स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से नियत दिनांक 20/11/2026 को दिन के 11.00 बजे न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले दावे/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

दिनांक -06/11/2026 पृष्ठा. क्रमांक तह./प्रवा./2026/

तहसीलदार नैनपुर

न्यायालय तहसीलदार नैनपुर जिला मण्डला

क्रमांक/ तह/प्र/2026 नैनपुर दिनांक -06/11/2026
प्र.क. (अ-20(3)-26-27

// इश्तहार //

एतद् द्वारा आम जनता सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि ग्राम नैनपुर तहसील नैनुपर जिला मण्डला को सूचित किया जाता है, कि ग्राम - नैनपुर प..ह.नं. 33 रा.नि.म.नैनपुर में स्थित शासकी भूमि ख.नं. 525,523/2 रकबा 1.0800,0.2710 हे. मद शासकीय मेसे रकबा .....वर्ग फुट/हे.भूमि गौशाला भवन निर्माण हेतु भूमि की आवंटन के लिए आवेदक / विभाग संस्था कर्यालय नगरपालिका परिषद नैनपुर के द्वारा भूमि आवंटन की मांग हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महो. मण्डला के न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्रकरण जाँच प्रतिवेदन हेतु अनुविभागीय अधिकारी नैनपुर के माध्यम से इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

अत: एतद द्वारा इस इश्तहार के माध्यम से सूचित किया जाता है, कि उपरोक्त वर्णित भूमि के सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो आप स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से नियत दिनांक 20/11/2026 को दिन के 11.00 बजे न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले दावे/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

दिनांक -06/11/2026 पृष्ठा. क्रमांक तह./प्रवा./2026/

तहसीलदार नैनपुर

न्यायालय तहसीलदार नैनपुर जिला मण्डला

क्रमांक/ तह/प्र/2026 नैनपुर दिनांक -06/11/2026
प्र.क. (अ-20(3)-26-27

// इश्तहार //

एतद् द्वारा आम जनता सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि ग्राम उमरिया तहसील नैनुपर जिला मण्डला को सूचित किया जाता है, कि ग्राम - उमरिया प.ह.नं. 34 रा.नि.म.नैनपुर में स्थित शासकी भूमि ख.नं. 169/3 रकबा 0.2830 हे. मद शासकीय मेसे रकबा .....वर्ग फुट/हे.भूमि सामुदायिक भवन निर्माण हेतु भूमि की आवंटन के लिए आवेदक / विभाग संस्था कर्यालय नगरपालिका परिषद नैनपुर के द्वारा भूमि आवंटन की मांग हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महो. मण्डला के न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्रकरण जाँच प्रतिवेदन हेतु अनुविभागीय अधिकारी नैनपुर के माध्यम से इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

अत: एतद द्वारा इस इश्तहार के माध्यम से सूचित किया जाता है, कि उपरोक्त वर्णित भूमि के सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो आप स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से नियत दिनांक 20/11/2026 को दिन के 11.00 बजे न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले दावे/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

दिनांक -06/11/2026 पृष्ठा. क्रमांक तह./प्रवा0/202

तहसीलदार नैनपुर

संपादकीय

चुनाववाद के अवसरवाद

हाल ही में धनतेरस पर उप्र में नौकरियों की बारिश की गई। योगी आदित्यनाथ ने सरकारी कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ा कर 63 फीसदी कर दिया। नि:संदेह जिन्हें ये लाभ प्राप्त हुए, उनकी तो दीपावली जगमगा गई। कोई सरकार अपने युवा नागरिकों को नौकरियां दे अथवा रोजगार के अवसर मुहैया कराए, इस पर आपत्ति क्यों होनी चाहिए? हमें भी आपत्ति नहीं है, लेकिन चुनाववाद के अवसरवाद पर जरूर आपत्ति है।

ये मंच नियमित रूप से क्यों नहीं सजाए जाते? चुनाव के कुछ पहले ही यह 'समाज कल्याण' क्यों याद आता है? क्या मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उन 69,000 से अधिक शिक्षकों की नौकरियों की याद है, जिनमें से 67.5 हजार शिक्षक 'बेरोजगार' हो गए, क्योंकि सरकार ने 'आरक्षण नीति' का सही उपयोग नहीं किया था! वे 'बेरोजगार' बीते 7 साल से मारे-मारे घूम रहे हैं, अदालत में मामले लटके और अटके हैं, उनका पारिवारिक जीवन संकट में है, नौकरी की पात्रता वाली उम्र भी निकल चुकी है, उन शिक्षकों का 'पाप' या 'अपराध' क्या है? दोषी तो राज्य सरकार है! बीते अगस्त से 'दीप-पर्व' तक 14,815 नियुक्ति-पत्र बांटे जा चुके हैं। ये नौकरियां स्थायी हैं या अस्थायी हैं अथवा तदर्थ, तात्कालिक हैं? उप्र सरकार ने इसका कोई खुलासा नहीं किया है। उप्र की भाजपा सरकार ने 2017 से अब तक कुल 9.5 लाख नौकरियां बांटी हैं, यह मुख्यमंत्री ने बार-बार दावा किया है, लेकिन 2017 के 'संकल्प-पत्र' में पहले 5 साल में 70 लाख नौकरियां, रोजगार मुहैया कराने का वायदा किया गया था। क्या चुनाव घोषणा-पत्र 'धोखा-पत्र' या 'झूठ-पत्र' होते हैं? अब दावा किया जा रहा है कि 3.20 करोड़ 'स्वरोजगार' मुहैया कराए जा चुके हैं। क्या इन 'स्वरोजगार' के ब्यौरे सार्वजनिक किए जाएंगे? योगी सरकार या कोई भी सरकार ऐसे ब्यौरे सार्वजनिक नहीं करेगी, क्योंकि 'पोल-खोल' हो जाएगी। यदि इतने व्यापक स्तर पर रोजगार के अवसर बनाए गए हैं, तो उप्र की प्रति व्यक्ति आय 1.26 लाख रुपए (सालाना) क्यों है?

इस संदर्भ में उप्र आज भी बिहार, झारखंड के बाद तीसरे नंबर का 'गरीब राज्य' क्यों है? नौकरियों और रोजगार के ये अवसर 'चुनावी' हैं, क्योंकि केंद्र की भी भाजपा सरकार ने 'अग्निवीरों' का कार्यकाल चार साल के बाद समाप्त करने के बजाय 2 और साल बढ़ा दिया है। यह अग्निवीर की इच्छा पर छोड़ा गया है कि वह आगे 2 साल सेना में काम करना चाहता है अथवा नहीं। बहरहाल अब सभी 'अग्निवीर' कुल 6 साल तक सेनाओं में सेवाएं दे सकेंगे, लेकिन जीवन के बहुमूल्य, ऊर्जावान, सशक्त 6 साल सेना को समर्पित करने के बाद भी उन्हें 'पेंशन' का पात्र नहीं माना जाएगा। आखिर केंद्र सरकार 'अनिश्चितता' का यह रायता क्यों फैलाए रखना चाहती है? सैनिकों की स्थायी नियुक्ति 15 साल के लिए जैसे पहले होती थी, उस व्यवस्था को जारी रखने में क्या दिक्कतें हैं?

सरकार देश को तो बताए, क्योंकि वे सैनिक नाम, नमक, निशान की भावना के साथ मरने-मारने को तैयार रहते हैं, देश की सुरक्षा करते हैं, वे 'अस्थायी' क्यों होने चाहिए? 'अग्निवीर' के तौर पर 6 साल की राष्ट्र-सेवा के बाद भी वे युवा ही होंगे। यदि उन्हें नागरिक सरकार की अन्य सेवाओं में, 'आरक्षण' के आधार पर, नौकरियां नहीं दी गईं, तो वे जीवन-भर क्या करेंगे? वे प्रशिक्षित सैनिक हैं, आम बेरोजगार नहीं रखे जा सकते। उनके पारिवारिक जीवन का क्या होगा? क्या भारत सरकार के पास सैनिकों के लिए पर्याप्त बजट नहीं है? रक्षा विशेषज्ञ भी यह सवाल उठाते हुए मानते हैं कि सेनाओं में नियमित सैनिक की परंपरागत व्यवस्था को तहस-नहस किया जा रहा है! यह बेहद गंभीर आरोप है। हकीकत यह है कि रक्षा बजट पर जीडीपी का मात्र 1.89 फीसदी ही खर्च किया जाता है। पेंशन का बोझ करोड़ों रुपए है।

जलवायु परिवर्तन की कठोर सच्चाई

गर्म होती दुनिया में बढ़ते प्रदूषण से घुटती सांसें की चुनौती



ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं



आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की उस कठोर सच्चाई का सामना कर रही है, जिसे कभी भविष्य की आशंका समझा जाता था। अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखा, बाढ़, चक्रवात, जंगलों की आग, समुद्र के बढ़ते जलस्तर और असामान्य गर्मी अब असाधारण घटनाएं नहीं रह गई हैं। प्रकृति का संतुलन जिस तेजी से बिगड़ रहा है, उसने मानव सभ्यता के सामने अस्तित्व का गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की 9 नवंबर 2026 को जारी स्टेट ऑफ द क्लाइमेट अपडेट 2026 रिपोर्ट इस संकट की भयावहता को वैज्ञानिक आंकड़ों के साथ सामने रखती है। रिपोर्ट के अनुसार 2026 पिछले चार सबसे गर्म वर्षों में शामिल होने की राह पर है और जनवरी से सितंबर तक वैश्विक औसत तापमान 1850-1900 के पूर्व-औद्योगिक औसत से लगभग 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। 2015 से 2026 तक के सभी 12 वर्ष रिकॉर्ड के सबसे गर्म वर्ष रहे हैं। यह आंकड़ा केवल तापमान की वृद्धि का आंकड़ा नहीं है, बल्कि मानव जीवन के बढ़ते संकट का संकेत है। समुद्रों में जमा हो रही अतिरिक्त गर्मी, पिघलते ग्लेशियर, बढ़ता समुद्र-स्तर, बढ़ता प्रदूषण और बदलता वर्षा चक्र आने वाले वर्षों की गंभीर चुनौतियों का संकेत दे रहे हैं। डब्ल्यूएमओ के अनुसार महासागर लगातार दसवें वर्ष रिकॉर्ड गर्मी की ओर हैं और 2026 में वैश्विक समुद्र-स्तर भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा है।

इस वर्ष की स्थिति इसलिए भी अधिक चिंताजनक है क्योंकि मजबूत अलनीनो विकसित हो रहा है। डब्ल्यूएमओ के अनुसार अगस्त से अलनीनो तेजी से मजबूत हुआ है और नवंबर 2026 से जनवरी 2027 के बीच इसकी तीव्रता असाधारण स्तर तक पहुंच सकती है। इसके कारण 2027 में अत्यधिक गर्मी, सूखा और भारी वर्षा जैसी चरम मौसमी घटनाओं का जोखिम बढ़ सकता है। अर्थात खतरा केवल आज का नहीं है। आने वाला वर्ष भी मानवता को प्रकृति के कठोर रूप का सामना करा सकता है। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन को केवल पर्यावरण मंत्रालयों या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का विषय मानना अब गंभीर भूल होगी। यह स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा, रोजगार, जलस्रोत, आवास और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। जलवायु संकट की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इसका सबसे बड़ा बोझ उन देशों और समुदायों पर पड़ रहा है, जिनका ऐतिहासिक कार्बन उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम रहा है। विकासशील और गरीब देशों के सामने एक साथ दो चुनौतियां हैं- विकास की आवश्यकताओं को पूरा करना और जलवायु संकट से स्वयं को बचाना।

दशकों तक विकसित देशों ने औद्योगिक विकास के नाम पर बड़े पैमाने पर जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल किया। आज जब विकासशील देश आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ रहे हैं, उनसे उत्सर्जन कम करने की अपेक्षा की जाती है। इसलिए जलवायु न्याय का प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि वैश्विक समुदाय वास्तव में समाधान चाहता है तो विकासशील देशों को स्वच्छ ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकी, अनुकूलन और आपदा-रोधी ढांचे के लिए पर्याप्त वित्तीय एवं तकनीकी सहायता देनी होगी। इसी संदर्भ में तुर्किये के अंताल्या में चल रहा सीओपी-31 महत्वपूर्ण है। सम्मेलन 9 से 20 नवंबर 2026 तक हो रहा है और इसका घोषित उद्देश्य जलवायु समाधानों के क्रियान्वयन तथा वैश्विक ऊर्जा संक्रमण को गति देना है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या इस बार दुनिया घोषणाओं से आगे बढ़कर वास्तविक कार्रवाई करेगी?

पिछले अनेक जलवायु सम्मेलनों में महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित हुए, लेकिन वास्तविक क्रियान्वयन की गति अपेक्षाकृत धीमी रही। आज आवश्यकता नए संकल्पों की संख्या बढ़ाने की नहीं, बल्कि पुराने संकल्पों को धरातल पर उतारने की है। विकसित देशों को वित्तीय दायित्वों को गंभीरता से लेना होगा। विकासशील देशों को तकनीक और संसाधन उपलब्ध कराने होंगे। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाकर सौर, पवन, जल और अन्य स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को तेजी से बढ़ाना होगा। शहरों की नियोजन व्यवस्था, सार्वजनिक परिवहन, भवन निर्माण, कृषि और उद्योग-हर क्षेत्र को जलवायु अनुकूल बनाना होगा। क्योंकि अब सवाल यह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है या नहीं। सवाल यह है कि हम इसके सामने कितनी जल्दी और कितनी ईमानदारी से खड़े होते हैं।

भारत के संदर्भ में स्थिति और भी गंभीर है। देश एक ओर बढ़ती गर्मी, अनियमित मानसून, बाढ़ और सूखे का सामना कर रहा है, तो दूसरी ओर महानगरों में वायु प्रदूषण ने स्वास्थ्य संकट को गहरा कर दिया है। दिल्ली-एनसीआर में दीपावली के आसपास प्रदूषण का जो भयावह स्तर देखने को मिला, उसने स्पष्ट कर दिया कि वायु केवल जीवन का आधार नहीं, बल्कि अब स्वास्थ्य का सबसे बड़ा संकट भी बन सकती है। लोगों को आंखों में जलन, गले में खराश, सांस लेने में कठिनाई, खांसी और अन्य श्वसन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अस्पतालों और चिकित्सकों पर दबाव बढ़ता है। यह स्थिति केवल मौसमी परेशानी नहीं मानी जा सकती। वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन एक-दूसरे से अलग संकट नहीं हैं। जीवाश्म ईंधन का अत्यधिक उपयोग दोनों समस्याओं को बढ़ाता है। इसलिए दिल्ली की जहरीली हवा और दुनिया के बढ़ते तापमान के बीच एक गहरा संबंध है।

कोविड-19 के दौरान भारत ने अभूतपूर्व स्वास्थ्य आपातस्थिति का सामना किया था। उस समय प्रशासन, स्वास्थ्य तंत्र, नागरिक समाज और आम जनता ने मिलकर संकट का सामना किया। आज वायु प्रदूषण को लेकर भी वैसी ही गंभीरता की आवश्यकता है। इसका अर्थ केवल औपचारिक रूप से आपातकाल घोषित करना नहीं, बल्कि जन-स्वास्थ्य केंद्रित आपातकालीन कार्ययोजना तैयार करना है। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के अत्यधिक स्तर पर स्कूलों, निर्माण गतिविधियों, यातायात, औद्योगिक उत्सर्जन, पराली और कचरा जलाने आदि को लेकर तत्काल और समन्वित कार्रवाई होनी चाहिए। अस्पतालों को तैयार रखना, संवेदनशील नागरिकों के लिए स्वास्थ्य परामर्श, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना और प्रदूषण के स्रोतों पर वास्तविक नियंत्रण आवश्यक है। भारत सरकार को राज्यों के साथ मिलकर ऐसी स्थायी व्यवस्था बनानी होगी, जिसमें प्रदूषण को केवल सर्दियों की समस्या न समझा जाए। वर्षभर वायु गुणवत्ता की निगरानी, उत्सर्जन नियंत्रण और स्वास्थ्य प्रभावों का वैज्ञानिक आकलन होना चाहिए।

भारत के पास दुनिया को केवल तकनीकी समाधान देने की ही नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टि देने की भी क्षमता है। भारतीय संस्कृति ने सदियों पहले प्रकृति को उपभोग की वस्तु नहीं, बल्कि जीवन का सहचर माना। जैन दर्शन का अहिंसा और अपरिग्रह का संदेश आज जलवायु संकट के दौर में अत्यंत प्रासंगिक हो सकता है। आवश्यकता से अधिक उपभोग, अंधाधुंध संसाधन-दोहन और प्रकृति पर प्रभुत्व की मानसिकता को बदलना होगा। हमें विकास और पर्यावरण को परस्पर विरोधी मानने की मानसिकता से बाहर निकलना होगा। ऐसा विकास चाहिए जो रोजगार दे, अर्थव्यवस्था को गति दे, लेकिन हवा, पानी, मिट्टी और जंगलों को नष्ट न करे। यही वास्तविक सतत विकास है।

आज सीओपी-31 से दुनिया को एक और घोषणापत्र की नहीं, दृढ़ इच्छाशक्ति, आर्थिक प्रतिबद्धता और समयबद्ध कार्रवाई की आवश्यकता है। जलवायु संकट की घड़ी में निष्क्रियता भी एक प्रकार का निर्णय है और उसकी कीमत आने वाली पीढ़ियों को चुकानी पड़ेगी। धरती हमें चेतावनी दे रही है। तापमान बढ़ रहा है, समुद्र गर्म हो रहे हैं, बर्फ पिघल रही है और शहरों की हवा जहरीली हो रही है। अब भी समय है कि मानवता अपनी विकास-दृष्टि पर पुनर्विचार करे। प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, सह-अस्तित्व ही भविष्य का रास्ता है। यदि हम आज नहीं जागे तो आने वाली पीढ़ियां यह सवाल जरूर पूछेंगी- जब खतरा स्पष्ट दिखाई दे रहा था, तब दुनिया ने कार्रवाई करने में इतनी देर क्यों की?

जवाहर लाल नेहरू आजादी की लड़ाई के दौरान बड़े नेता के रूप में उभरे थे

प्रज्ञा पाण्डेय

जवाहरलाल नेहरू बचपन से ही बहुत प्रतिभाशाली थे। उन्होंने दुनिया भर के अच्छे स्कूल-कॉलेज से अपनी पढ़ाई पूरी की। उसके बाद कैम्ब्रिज विश्विद्यालय से वकालत किया। 1912 में वह देश वापस लौट आए और 1916 में कमला नेहरू से उनकी शादी हो गयी।

चाचा नेहरू के नाम से मशहूर पंडित जवाहर लाल नेहरू न केवल भारत के पहले प्रधानमंत्री थे बल्कि उन्होंने देश के विकास की नींव रखी। आज 14 नवंबर को उस महान शख्सियत का जन्मदिन है तो आइए हम आपको उस युगपुरुष के बारे में कुछ खास बातें बताते हैं।

जवाहर लाल नेहरू आजादी की लड़ाई के दौरान बड़े नेता के रूप में उभरे। उन्हें आधुनिक भारत का वास्तुकार कहा जाता है। उनका जन्म इलाहाबाद में 14 नवम्बर 1889 को हुआ था। पंडित नेहरू के पिता मोतीलाल नेहरू एक बैरिस्टर थे और माता लाहौर की स्वरूपरानी थुस्सू थीं। जवाहर लाल नेहरू अपने भाई-बहनों में सबसे बड़े थे उनसे छोटी उनकी दो बहनें थीं। उनमें से एक बड़ी बहन विजया लक्ष्मी थीं जो संयुक्त राष्ट्र महासभा की पहली महिला अध्यक्ष बनीं। दूसरी बहन कृष्णी हठीसिंग थी जो प्रतिष्ठित लेखिका थीं। उन्होंने कई प्रसिद्ध रचनाएं की हैं।

नेहरू जी की शिक्षा

जवाहरलाल नेहरू बचपन से ही बहुत प्रतिभाशाली थे। उन्होंने दुनिया भर के अच्छे स्कूल-कॉलेज से अपनी पढ़ाई पूरी की। उसके बाद कैम्ब्रिज विश्विद्यालय से वकालत किया। 1912 में वह देश वापस लौट आए और 1916 में कमला नेहरू से उनकी शादी हो गयी। उसके बाद वह आजादी की लड़ाई में शामिल हो गए। 1919 में गांधी जी के संपर्क में आए और उनके साथ स्वतंत्रता संग्राम में सम्मिलित हो गए। नेहरू गांधी के शांतिपूर्ण आंदोलन में विशेष रूप से शामिल होते थे। उन्होंने असहयोग आंदोलन में भी हिस्सा लिया और जेल भी गए। साथ ही वह 1924 में इलाहाबाद नगर निगम के अध्यक्ष भी चुने गए लेकिन बाद में उन्होंने इस्तीफा दे दिया।



आजादी की लड़ाई में नेहरू का योगदान

आजादी की लड़ाई में उल्लेखनीय योगदान के लिए आज भी नेहरू जी को याद किया जाता है। सन 1926 से 1928 तक जवाहर लाल नेहरू अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के महासचिव रहे। सन 1929 में कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन लाहौर में आयोजित किया गया जिसमें जवाहरलाल नेहरू को कांग्रेस पार्टी का अध्यक्ष चुना गया। इसी समय पूर्ण स्वराज की मांग भी की गयी। 26 जनवरी 1930 को जवाहरलाल नेहरू ने लाहौर में स्वतंत्र भारत का झंडा फहराया। बाद में उन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन में भी विशेष रूप से योगदान दिया और जेल भी गए।

नेहरू बने प्रधानमंत्री

पंडित जवाहर लाल नेहरू भारत के पहले प्रधानमंत्री बनें। लेकिन जब वह प्रधानमंत्री बने तो देश में परिस्थितियां बहुत विकट थी। हाल में देश का बंटवारा हुआ था और हिन्दू-मुस्लिम एकता को बनाए रखना बहुत बड़ी चुनौती थी। लेकिन नेहरू ने उस चुनौती को बखूबी स्वीकार किया तथा देश में एकता स्थापित कर धर्मनिरेपक्षता की रक्षा की। साथ ही उन्होंने अपने प्रधानमंत्री बनने के दौरान पंचवर्षीय योजनाएं जिससे भारत का विकास हुआ। 1964 में उनका निधन हो गया।

चाचा नेहरू को था बच्चों से खास लगाव

जवाहर लाल नेहरू को छोटे बच्चों से बहुत लगाव था इसलिए बच्चे प्यार से उन्हें चाचा नेहरू बुलाते थे। बच्चों से बहुत स्नेह होने के कारण ही उनके जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। बाल दिवस के दिन बच्चों को उनके अधिकारों तथा शिक्षा के महत्व के प्रति उन्हें जागरूक किया जाता है।

प्रेम करना एक कला है, दूसरों के जीवन में अपनापन जोड़ना कारगर सूत्र

ज्योति भास्कर

हम आमतौर पर प्रेम को एक सहज भावना मानते हैं, जो किसी के प्रति आकर्षण या लगाव से जन्म लेती है। लेकिन क्या प्रेम केवल किसी को पसंद करने, उसके करीब आने या उसके साथ वक्त बिताने तक सीमित है? प्रेम महज एक भावना नहीं, बल्कि एक कला है, जिसे सीखने, समझने और निरंतर अभ्यास से ही बेहतर बनाया जा सकता है। जिस तरह संगीत सीखने, चित्रकारी करने या किसी दूसरे हुनर में निपुण होने के लिए समय, धैर्य, एकाग्रता और अभ्यास की जरूरत होती है, उसी तरह प्रेम करना भी सीखना पड़ता है। केवल प्रेम में पड़ जाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे निभाने और रिश्ते को गहराई देने के लिए भी निरंतर प्रयास करना पड़ता है। इसके लिए व्यक्ति को खुद को समझने के साथ-साथ दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना और रिश्ते के प्रति जिम्मेदार होना सीखना चाहिए। प्रेम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू पाने के बजाय देने की भावना है। हालांकि, देने का अर्थ यह नहीं है कि व्यक्ति अपने अस्तित्व, इच्छाओं या खुशियों का त्याग कर दे। प्रेम में देने का मतलब अपनी संवेदनशीलता, अपनापन, समय, समझ और देखभाल को दूसरे के साथ साझा करना है। जब हम किसी से सच्चा प्रेम करते हैं, तो उसकी खुशी में अपनी खुशी तलाशते हैं और उसके जीवन को बेहतर बनाने की कोशिश करते हैं। इसमें बदले में कुछ पाने की अपेक्षा महत्वपूर्ण नहीं होती। सच्चे प्रेम के चार प्रमुख आधार हैं-देखभाल, जिम्मेदारी, सम्मान और समझ। देखभाल का अर्थ है दूसरे की जरूरतों और खुशियों के प्रति संवेदनशील होना। जिम्मेदारी का मतलब है, उसकी भावनाओं और जरूरतों के प्रति सजग रहना। सम्मान का अर्थ है उसे अपनी इच्छाओं के अनुसार बदलने के बजाय उसकी स्वतंत्रता और व्यक्तित्व को स्वीकार करना। वहीं, समझ का मतलब है, उसके विचारों और भावनाओं को गहराई से जानने की कोशिश करना। प्रेम और अधिकार जताने में भी बड़ा अंतर होता है।

किसी से प्रेम करने का अर्थ उस पर नियंत्रण स्थापित करना नहीं है। सच्चा प्रेम दूसरे व्यक्ति को स्वतंत्र रहने का अवसर देता है। जब हम किसी को अपनी इच्छा के अनुसार ढालने की कोशिश करते हैं, तो वह प्रेम नहीं, बल्कि अपने स्वार्थ और असुरक्षा को संतुष्ट करने का प्रयास बन जाता है। दरअसल, प्रेम केवल किसी को पा लेने का नाम नहीं है, बल्कि उसे समझने, स्वीकार करने और उसके साथ आगे बढ़ने की निरंतर प्रक्रिया है। प्रेम की असली खूबसूरती शायद इसी में है कि हम किसी से केवल इसलिए प्रेम न करें कि वह हमें खुश रखता है, बल्कि इसलिए भी करें कि हम उसके जीवन में खुशी, विश्वास और अपनापन जोड़ सकें। सच्चा प्रेम अधिकार नहीं जताता, बल्कि स्वतंत्रता देता है। इसमें पाने से ज्यादा देने, अपेक्षाओं से ज्यादा समझने और शिकायतों से ज्यादा एक-दूसरे को स्वीकार करने का भाव होता है। निरंतर अभ्यास से स्वयं को बेहतर बनाया जा सकता है। प्रेम की असली खूबसूरती शायद इसी में है कि हम किसी के जीवन में खुशी, विश्वास और अपनापन जोड़ सकें।

पुनः राजनीति का केंद्र बिंदु बनती अयोध्या

मृत्युंजय दीक्षित

उच्चतम न्यायलय के ऐतिहासिक निर्णय के बाद अयोध्या में श्री रामजन्मभूमि पर दिव्य-भव्य राम मंदिर का निर्माण हो चुका है।अयोध्या का दीपोत्सव गिनीज़ बुक में स्थान बना चुका है।अयोध्या विश्व के पर्यटन मानचित्र पर चमक रही है।अयोध्या की आर्थिकी में नए स्तर पर पहुँच चुकी है। चिर पुरातन अयोध्या पौराणिक मान्यताओं और आधुनिक विकास के समन्वय का प्रतीक बन गई है। इतने वर्षों में अयोध्या और अयोध्या से जुड़ा बहुत कुछ बदल गया है जो नहीं बदला है वो है अयोध्या को लेकर राजनीति का तापमान।

वैसे तो राम मंदिर और अयोध्या को लेकर भाजपा तथा उसके विरोधी दलों में आरोप प्रत्यारोप हमेशा चलते रहते हैं किन्तु अब कारसेवकों पर गोलियां चलाने वाली सपा के मुखिया अखिलेश यादव ने 12 दिसंबर को अयोध्या जाकर राम मंदिर के दर्शन करने की बात कहकर अयोध्या के नाम पर सियासत को नया रंग देने का दांव चला है। अखिलेश लम्बे समय से फैजाबाद की लोकसभा सीट पर सपा की जीत को ट्रॉफी की तरह लेकर घूम रहे हैं। सपा मुखिया अयोध्या को लेकर ऐसे चुनावी वादे कर रहे हैं कि सुनकर किसी को भी हंसी आ जाए, वो अयोध्या को सनातन तीर्थाटन की वैश्विक राजधानी बनाने की बात कर रहे हैं, जो योगी जी पहले ही बना चुके हैं। सरकार बनने पर राम मंदिर की व्यवस्था में पारदर्शिता लाने और कथित जमीन घोटाले की जांच कराने की घोषणा कर रहे हैं, जो पहले से ही चल रही है। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सपा मुखिया पर हमलावर होना स्वाभाविक ही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में दीपोत्सव के अवसर पर ही सपा मुखिया को स्पष्ट संदेश दे दिया कि वह पहले पूर्व में किए गए पापों के लिए माफी मांगे और फिर अयोध्या आयें।

अयोध्या के संत समाज ने भी सपा मुखिया से माफी मांगने की अपील करते हुए कहा है कि माफी मांगे बिना अखिलेश को अयोध्या की पंचकोसी की शास्त्रीय सीमा में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। कारसेवकों के बलिदान की अनदेखी नहीं का जी सकती। संतों ने रामजन्मभूमि आंदोलन के दौरान कारसेवकों पर गोली चलवाने और संतो पर लाठीचार्ज कराने की घटनाओं पर



सपा नेतृत्व से जवाब मांगा है। संतों का कहना है कि उन्हें अखिलेश के अयोध्या आने, रामलला के दर्शन करने या सरयू में स्नान करने पर आपत्ति नहीं है लेकिन कारसेवकों के बलिदान को अनदेखी कर उनका स्वागत नहीं किया जा सकता। अयोध्या आने से पहले उन्हें कारसेवकों के परिजनों से माफी मांग कर प्रायश्चित करना चाहिए। संत समाज ने सपा मुखिया के प्रस्तावित दौरे को राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित बताते हुए कहा कि वह पहले अपना पक्ष स्पष्ट करें। सुभासपा नेता ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि सपा मुखिया अयोध्या, मथुरा काशी तो गए लेकिन कभी प्रभु श्रीराम, काशी विश्वनाथ और श्रीकृष्ण के दर्शन तक नहीं किए। सपा मुखिया को छह दिसंबर को अयोध्या जाकर रामलला के सामने सिर झुकाकर माफी मांगनी चाहिए। सपा मुखिया पीडीए पर बहुत बल दे रहे हैं अत: उन्हें यह तथ्य भली भांति पता होना चाहिए कि पीडीए समाज ने राम मंदिर निर्माण के आंदोलन में अत्यंत सक्रिय भूमिका निभाई थी। सपा मुखिया मुलायम सिंह यादव ने जिन रामभक्तों पर गोलियां चलवाई थीं उनमें अधिकांशत: पीडीए समाज के ही लोग थे।

सपा के पार्टी कार्यालय के बाहर एक पोस्टर लगाया गया है जिसमें पीडीए को एक नया अर्थ देते हुए पी को पहले, डी को दर्शन और ए को आशीर्वाद बताते हुए पीडीए अर्थात आदरणीय श्री अखिलेश यादव जी लिखा है। सपा मुखिया द्वारा पीडीए के पारंपरिक राजनीतिक समीकरण को आस्था और दर्शन के साथ जोड़ने की इस रणनीति को पीडीए समाज के बीच अपनी पकड़ को मजबूत करने की दृष्टि से देखा जा रहा है। भारी राजनीतिक दबाव पड़ने के बाद सपा मुखिया बयान दे रहे हैं कि भगवान सबके हैं वह अयोध्या, मथुरा, काशी केदारेश्वर सभी जगह जाएंगे। राजनीतिक रूप से कहा जा सकता है कि सपा हिंदुत्व की लहर के कारण असहज है। एक ओर सपा मुखिया अयोध्या जाने का ऐलान करते हैं वहीं दूसरी ओर मुस्लिम वोट बैंक की नाराजगी के डर से जेल में आजम खान से मिलने जाते हैं।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने अयोध्या आने की बात कही वहीं उनकी प्रमुख सहयोगी कांग्रेस की नेता सोनिया गांधी ने अंग्रेजी समाचार पत्र गार्जियन को दिए गए साक्षात्कार में कहा है कि जब छह दिसंबर1992 को अयोध्या में बाबरी मस्जिद का विध्वंस हो रहा था तो उस दृश्य को टीवी पर देखकर वे खूब रो रही थीं, ऐसा जी जिक्र उन्होंने अपनी किताब में भी किया है। सपा मुखिया के क्या विचार हैं? छह दिसंबर 1992 की घटना के बाद जिस प्रकार से भयावह दंगे हुए और शहर -शहर कर्फ्यू लगा दिया गया क्या सपा मुखिया अपने पूर्वजों के उन कृत्यों के लिए माफी मांगेंगे?

सपा मुखिया 30 अक्टूबर तथा दो नवम्बर 1990 की घटनाओं पर स्वयं तो चुप हैं किंतु उनके सांसद उस वीभत्स कृत्य पर बयानबाजी कर रहे हैं। सपा सांसद एस.पी. सिंह पटेल ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मुलायम सिंह यादव ने जो कदम उठाया था वह बेहद जरूरी था। उन्होंने कहा कि जब कारसेवक जबरदस्ती कर रहे थे तो उन्हें रोकने के लिए सरकार ने गोली चलवाई। सपा सांसद सनातन पांडेय और सलेमपुर से सांसद रमाशंकर राजभर विद्यार्थी भी कारसेवकों के नरसंहार का समर्थन कर रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों में यही माना जाएगा कि सपा मुखिया निहित राजनैतिक स्वार्थ के लिए अयोध्या जाकर राम मंदिर के दर्शन करना चाहते हैं।

सपा मुखिया को लग रहा है कि जनमानस पुरानी घटनाओं को भूल जाता है और मात्र अयोध्या जाकर उनको रिझाया जा सकता है।सपा के शासनकाल में रामभक्तों व सनातन हिंदू समाज पर वीभत्स अत्याचार हुए हैं। रामभक्तों पर गोली चलाने के बाद भी इनका दिल नहीं भरा था, रामायण व सुंदर कांड के पाठों का आयोजन भी अपराध हो गया था।

वास्तव में सपा प्रदेश की राजनीति में अपने जातिगत विस्तार के लिए बैचेन है क्योंकि उसको भी लगता है केवल मुस्लिम तुष्टिकरण से सात पाना अब आसान नहीं रहा और इसीलिए,मैं भी सनातनी का ढोंग करने पर मजबूर हैं। अयोध्या में दीपोत्सव का विरोध करती आ रही सपा के मुखिया का जब अयोध्या दर्शन की बात करें तो इसको निरा राजनीतिक स्वांग ही माना जाएगा।

मैं एकदम घटिया इंसान हूं..., एनवीडिया से इस्तीफे से पहले जेनसन हुआंग ने आखिरी घंटों में खुद को जमकर कोसा

वॉशिंगटन

एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में जेनसन हुआंग के आखिरी घंटे थकान, इस्तीफे और हार मान लेने जैसे रहे। उनका स्वभाव भी बदला हुआ नजर आया। इस बात का खुलासा एक रिपोर्ट में हुआ है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि हुआंग का वह अंदाज, जिसमें वे हमेशा चीजों को अपने नियंत्रण में रखते थे अब गायब हो चुका था। अपनी पोजीशन बचाने के लिए उन्होंने हफ्तों तक संघर्ष किया, लेकिन विवाहेतर संबंधों और एक संदिग्ध चीनी जासूस से जुड़े होने के आरोप के बाद उन्हें अपना पद खोना पड़ा। वो अपने आखिरी घंटों में जो भी हो और मुझे परवाह नहीं जैसी बातें कहने लगे थे। एनवीडिया के सह-संस्थापक कभी अपनी असीम ऊर्जा और हर छोटी-छोटी बात पर बारीकी से ध्यान देने के लिए जाने जाते थे लेकिन बढ़ते विवाद के कारण पूरी तरह टूट चुके थे।



एक चीनी जासूस से जुड़े कथित जासूसी मामले में फंसने के एक हफ्ते से भी कम समय बाद बुधवार देर रात तक हुआंग का संघर्ष करने का हौसला पूरी तरह जवाब दे गया। हुआंग ने पछतावे की राह अपना ली और खुद को बेहद घटिया इंसान कहकर कोसा।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस पूरे घटनाक्रम के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने भी हस्तक्षेप किया था। उन्होंने मंगलवार को हुआंग को फोन करके अपनी स्थिति बचाने के लिए संघर्ष करने को कहा था। हालांकि, गुरुवार को हुआंग ने इस्तीफा दे दिया।यह संकट तब और गहरा गया जब कई महिलाओं के साथ हुआंग के कथित संबंधों की खबरें सामने आईं। इनमें चीनी व्यवसायी एलिस हुआंग भी शामिल हैं, जिनके बारे में अमेरिकी अधिकारियों को संदेह है कि उनके बीजिंग की खुफिया सेवाओं से संबंध हैं।

द न्यूयॉर्क टाइम्स ने यह भी बताया कि हुआंग का एनवीडिया की एक ऐसी अधिकारी के साथ भी कथित संबंध था, जो सीधे उनके अधीन काम करती थीं। बाद की रिपोर्टों में इस अधिकारी की पहचान कंपनी की उपाध्यक्ष किम्बर्ली पॉवेल के रूप में हुई।इस विवाद ने एनवीडिया के कारोबार और उसकी साख पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। खासकर ऐसे समय में जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्षेत्र की कड़ी जांच-पड़ताल हो रही है। इस बीच, यह विवाद वॉशिंगटन तक पहुंच गया है। खबरों के अनुसार, व्हाइट हाउस इस बात पर विचार कर रहा है कि क्या चीन को तकनीक निर्यात करने के मामले को संभालने के तरीके को लेकर वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लटनिक को उनके पद से हटा दिया जाए।

भारत ने दिया जोर का झटका, चीन जाने वाले बेशकीमती खजाने पर लगाया बैन

नई दिल्ली

आज की तारीख में दुनिया की सबसे बड़ी जंग जमीन, सीमा या हथियारों से नहीं बल्कि खनिजों से लड़ी जा रही है। वो खनिज जो आपकी जेब में रखे स्मार्टफोन से लेकर सड़कों पर दौड़ते हुए इलेक्ट्रिक कारों तक हर चीज को ताकत दे रही है। इसे कहते हैं क्रिटिकल मिनरल्स यानी कि दुर्लभ और रणनीतिक खनिज। इस पूरी दुनिया में जो देश सबसे बड़ा खिलाड़ी इसको लेकर बना बैठा है वो चीन है। लेकिन 10 नवंबर को भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के विदेश व्यापार महानिदेशालय यानी कि डीजीएफटी ने बड़ा आदेश जारी किया और भारत ने लिथियम आयन बैटरी के कचरे यानी कि ब्लैक मास के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से पूरी तरीके से पाबंदी लगा दी। यह नीति पहले मुक्त थी जिसे अब बदलकर प्रतिबंधित कर दिया गया है।



जब हमारे स्मार्टफोन, लैपटॉप, दो पहिया और चार पहिया इलेक्ट्रिक वाहनों की लिथियम आयन बैट्रियां पूरी तरीके से खत्म हो जाती हैं। खराब हो जाती हैं या कचरे में तब्दील हो जाती हैं तो उन्हें मशीनों में प्रोसेस किया जाता है। थोड़ा और क्रश किया जाता है। इस प्रक्रिया के बाद एक काले रंग का महीन पाउडर बचता है। तकनीकी और कारोबारी दुनिया में इसी को ब्लैक मास्क कहा जाता है। यह सिर्फ कोई कचरा नहीं होता है बल्कि खनिजों की खान होती है। इस एक काले पाउडर में क्या-क्या होता है उसे समझते हैं। आपको बता दें कि इसमें लिथियम यानी कि बैटरी का दिल होता है। कोबाल्ट, निके,मैंगनीज, ग्रेफाइट और सिलिकॉन। जब इस ब्लैक मास्क को वैज्ञानिक तरीके से रिसाइकल किया जाता है और रिफाइन किया जाता है तो इससे 95 से लेकर 99त्न शुद्ध लिथियम निके और कोबाल्ट दोबारा हासिल कर लिया जाता है। यानी कि जमीन खोदकर नई खदान तलाशे बिना ही रिसाइक्लिंग के जरिए नई बैटरी बनाने का पूरा का पूरा रॉ मटेरियल इसी कचरे से बाहर निकल आता है। इसलिए इसे सर्कुलर इकॉनमी का ब्लैक गोल्ड कहा जाता है। अब भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के डीजीएफटी ने भारत से इसी ब्लैक मास्क के निर्यात पर पाबंदी लगा दी है।

अगर आज दुनिया में 100 टन बैटरी कचरे की रिसाइक्लिंग हो रही है तो उसमें से 75त्न से ज्यादा क्षमता सिर्फ अकेले चीन के पास है। चीन ने पिछले दो दशकों में अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और खुद अपने देश में ऐसे विशालकाय रिफाइनरियों को खड़ा कर लिया है कि दुनिया भर का बैटरी कचरा समेटकर चीन पहुंचता है। भारत से भी हर महीने सैकड़ों टन ब्लैक मास्क बिना किसी रोक-टोक के सस्ते दामों पर चीन और अन्य देशों को निर्यात हो रहा था। चीन हमारे इस कचरे को खरीदता था। अपनी फैक्ट्रियों में उसमें से लिथियम, कोबाल्ट और निकेल को निकालता था और फिर उसे नई बैटरी सेल बनाकर भारत और बाकी दुनिया को महंगे दामों पर बेच रहा था। यानी कि भारत का अपना रणनीतिक संसाधन कौड़ियों के भाव में बाहर जा रहा था और हम अपनी ही बैट्रियों के लिए चीन के आगे हाथ फैलाने को मजबूर हो रहे थे।

संसद में भारी उद्योग मंत्रालय और एसआईएम यानी कि सोसाइटी ऑफ़ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के आंकड़ों के मुताबिक भारत आज अपनी जरूरत का लगभग 100त्न लिथियम आयात करता है। ऐसे में जब भारत ने अपनी सीमाओं से बैटरी स्क्रैप बाहर भेजने पर ताला जड़ दिया है तो चीन की रिसाइक्लिंग इकाइयों को कच्चा माल यानी कि फीड स्टॉक की भारी किल्लत का सामना करना पड़ सकता है। चीन की 75% ग्लोबल मोनोपोली की नस पर भारत ने ठीक उसी समय हाथ रखा है। जैसे कुछ ही महीनों पहले अमेरिका और यूरोपीय संघ ने ऐसे ही कदम उठाए थे। भारत सरकार का यह फैसला कोई अचानक लिया गया फैसला नहीं है। बल्कि इसके पीछे एक सोची समझी रणनीति है। सरकार जानती है कि अगर यह कचरा देश में ही रोक लिया गया तो उसे प्रोसेस करने के लिए फैक्ट्रियां भी चाहिए होंगी। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने हाल ही में जबरदस्त नीतियां जमीन पर उतारी है। जिसमें पहली स्कीम है 2814 करोड़ की कॉम्पैक्ट सपोर्ट स्कीम। हाल ही में केंद्रीय कैबिनेट ने क्रिटिकल मिनरल प्रोसेसिंग के लिए 2814 करोड़ की योजना को मंजूरी दी है। इसका सीधा मकसद देश के भीतर लिथियम और निकेल की हाईटेक प्रोसेसिंग यूनिट्स और रिफाइनरी स्थापित करना है। दूसरी स्कीम है ?1500 करोड़ की रिसाइक्लिंग प्रोत्साहन योजना। सितंबर में सरकार ने क्रिटिकल मिनरल्स की रिसाइक्लिंग को बढ़ावा देने के लिए ?1500 करोड़ का इंसेंटिव पैकेज दिया था। तीसरी स्कीम है घरेलू क्षमता का विस्तार। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड यानी कि सीपीसीबी के पोर्टल पर आज देश में 57 रजिस्टर्ड लिथियम आयन बैटरी रिसाइकल हैं। सालाना प्रोसेसिंग क्षमता 5.1 लाख मेट्रिक टन है। हालांकि सीधे ब्लैक मास्क को प्रोसेस करने की क्षमता अभी करीब 75,500 मीट्रिक टन सालाना है।

संसदीय मंजूरी के बिना इज़रायल को युद्ध में न धकेले नेतन्याहू : लिबरमैन

यरूशलेम,(वार्ता)

इजरायल में यिसराएल बेतेनु पार्टी के नेता एविग्डोर लिबरमैन ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली देश की कार्यवाहक सरकार को ऐसे सुरक्षा फैसले लेने का अधिकार नहीं है, जो इज़रायल को युद्ध में धकेल सकते हैं। श्री लिबरमैन ने कहा कि संसद की निगरानी और सुरक्षा प्रतिष्ठान की सहमति के बिना ऐसे फैसले नहीं लिए जा सकते। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब नेतन्याहू और इज़रायली रक्षा बल के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एयाल ज़मीर के बीच ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई फिर से शुरू करने की संभावना को लेकर तनाव बढ़ने की खबरें आ रही हैं। एन 12 ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट में बताया कि इस मुद्दे पर दोनों के बीच मतभेद फिर से उभर आए हैं। श्री लिबरमैन ने कहा, मैं कहना चाहता हूं कि एक कार्यवाहक सरकार को ऐसे फैसले लेने का अधिकार नहीं है, जो इज़रायल को युद्ध में धकेल सकते हैं। ऐसा संसद की निगरानी और सभी सुरक्षा अधिकारियों की पूरी सहमति के बिना नहीं किया जा सकता। मैं फिर कहता हूं कि सभी सुरक्षा अधिकारियों की सहमति ज़रूरी है। इससे पहले बुधवार को यशार पार्टी के नेता गादी आइसेनकोट ने भी इसी तरह की बात कही थी। उन्होंने सलाह दी थी कि जब तक कार्यवाहक सरकार सत्ता में है, तब तक सुरक्षा संबंधी फैसलों को लेकर सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने अटॉर्नी-जनरल गाली बहारव-मियारा से भी अपील की कि वह यह सुनिश्चित करें कि उन्हें श्री नेतन्याहू की ओर से नियमित सुरक्षा ब्रीफिंग संसदीय मंजूरी के बिना इज़रायल को युद्ध में न धकेले नेतन्याहू: लिबरमैन मिलती रहे। बाद में, श्री नेतन्याहू और श्री आइसेनकोट ने एक संयुक्त बयान में घोषणा की कि यशार नेता को गुरुवार को प्रधानमंत्री कार्यालय में प्रधानमंत्री और उनके सैन्य सचिव से राजनयिक और सुरक्षा संबंधी ब्रीफिंग मिलेगी।

कानून के अनुसार, प्रधानमंत्री को विपक्ष के नेता को महीने में कम से कम एक बार देश की सुरक्षा के संबंध में जदानकारी देनी होती है। हालांकि, गठबंधन सरकार बनाने की बातचीत जारी रहने के कारण, अभी तक आधिकारिक तौर पर श्री यायर लैपिड की जगह किसी नए विपक्ष के नेता को नियुक्त नहीं किया गया है।

श्री आइसेनकोट ने सुरक्षा स्थिति पर नियमित अपडेट की मांग की है, ताकि संसद की निगरानी बनी रहे और राष्ट्रीय सुरक्षा हितों की रक्षा हो सके।

श्री लिबरमैन अब एक अधिक महत्वपूर्ण निगरानी भूमिका निभाने जा रहे हैं। गुरुवार को नेसेट की अरेंजमेंट्स कमिटी ने उन्हें प्रभावशाली विदेश मामले और रक्षा समिति का अध्यक्ष नियुक्त करने को मंजूरी दे दी। यह समिति राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों, सैन्य बजट और आईडीएफ में अनिवार्य भर्ती से जुड़े कानूनों की निगरानी करती है। श्री लिबरमैन ने कहा है कि वह आईडीएफ प्रमुख ज़मीर और मोसाद के प्रमुख को बुलाकर सुरक्षा स्थिति का आकलन करने के लिए कहेंगे , हालांकि अभी तक उनकी नियुक्ति को अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

भाजपा के समय के धर्मांतरण विरोधी कानून संशोधनों को रद्द कर सकती है कर्नाटक की कांग्रेस सरकार

बेंगलुरु,(वार्ता)। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार दिसंबर में बेलगावी में होने वाले विधानसभा के आगामी शीतकालीन सत्र के दौरान राज्य के धर्मांतरण विरोधी कानून में किये गये संशोधनों को वापस लेने की तैयारी कर रही है। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बी.के. हरिप्रसाद ने गुरुवार को इस प्रस्तावित कदम की घोषणा करते हुए कहा कि सरकार वर्ष 2022 में तत्कालीन भाजपा सरकार द्वारा किये गये संशोधनों को वापस लेने का इरादा रखती है। प्रस्तावित विधायी कार्रवाई का उद्देश्य संशोधनों से पहले की कानूनी व्यवस्था को बहाल करना है। इन संशोधनों के जरिए धार्मिक धर्मांतरण को नियंत्रित करने के लिए कड़े प्रावधान लागू किये गये थे। इनमें धर्मांतरण से संबंधित घोषणापत्र देने और निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करने जैसी शर्तें शामिल थीं। यह घोषणा गुरुवार को बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में अल्पसंख्यक, दलित, किसान और नागरिक समाज संगठनों के सम्मेलन के बाद की गयी।

इसरो की बड़ी कामयाबी: पीएसएलवी के तीसरे चरण का ग्राउंड स्टैटिक परीक्षण सफल

चेन्नई, (वार्ता)

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने सबसे भरोसेमंद और प्रमुख प्रक्षेपण यान पीएसएलवी के तीसरे चरण का ग्राउंड स्टैटिक परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इसरो से शुक्रवार को जारी एक जानकारी के अनुसार, तीसरे चरण का यह स्टैटिक परीक्षण गुरुवार को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र की स्टैटिक टेस्ट फैसिलिटी में सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। आगामी पीएसएलवी मिशन की तैयारियों के बीच यह परीक्षण बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि तीसरे चरण में आई तकनीकी खामियों की वजह से पीएसएलवी के पिछले दो प्रक्षेपण लगातार विफल हो गए थे। इसरो ने बताया, पीएसएलवी-सी61/ईओएस-09 और पीएसएलवी-सी62/ईओएस-एन1 मिशनों के दौरान पीएसएलवी के तीसरे चरण में देखी गई समस्याओं के बाद, पीएस3 चरण की संरचना, डिजाइन मार्जिन, कच्चे माल की स्वीकृति मानदंडों, असेंबली प्रक्रियाओं और अब तक अपनाई जा रही गुणवत्ता जांचों की व्यापक समीक्षा की गई। अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, डिजाइन मार्जिन को बेहतर बनाने के लिए नोजल संरचना में आवश्यक सुधार किए गए हैं और कच्चे माल की स्वीकृति, असेंबली प्रक्रियाओं तथा गुणवत्ता जांच अद्यतन प्रक्रियाओं के साथ पूरे चरण को और अधिक मजबूत बनाया गया है। इसके अतिरिक्त, सीलिंग प्रणालियों में अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था जोड़कर मशीनों के जोड़ को सुदृढ़ किया गया है और डिजाइन मार्जिन की पर्याप्तता का सत्यापन किया गया है। एकीकरण और परिवहन के विभिन्न चरणों के दौरान असेंबली प्रक्रियाओं और नॉन-डिस्ट्रक्टिव टेस्ट में किए गए सुधारों को लागू करने के बाद, पीएस3 सॉलिड मोटर चरण का नया संस्करण तैयार कर उसका सफल परीक्षण किया गया है।

वाशिंगटन डीसी के लोगन सर्कल इलाके में गोलीबारी, कम से कम पांच लोग घायल

वाशिंगटन, (वार्ता)। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी के लोगन सर्कल इलाके में गुरुवार को हुई गोलीबारी की घटना में कम से कम पांच लोग घायल हो गए। वाशिंगटन डीसी मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग (एमपीडी) ने यह जानकारी दी। वहीं, डीसी काउंसिल की सदस्य ब्रुक पिंटो ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि गोलीबारी विडा फिटनेस जिम के भीतर और बाहर हुई है, जिसमें कई लोगों को गोली लगी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए आसपास के इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और स्थानीय निवासियों को घरों के भीतर रहने की सलाह दी गई है। स्थानीय पुलिस की सहायता के लिए नेशनल पार्क सर्विस, यूएस सीक्रेट सर्विस और अन्य संघीय एजेंसियों के कर्मी भी मौके पर तैनात किए गए हैं।

पाकिस्तानी सेना ने 74 आतंकवादियों को मारने का किया दावा, बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में चला अभियान

इस्लामाबाद

पाकिस्तानी सेना ने शुक्रवार को बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में 74 आतंकवादियों को मारने का दावा किया है। सेना ने बताया कि अशांत बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में खुफिया जानकारी के आधार पर कई अभियान चलाए गए। तीन नवंबर से चले इस अभियान में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने कम से कम 74 आतंकवादियों को मार गिराया है। ये आतंकवादी पाकिस्तान के अशांत इलाके बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में मारे गए हैं। सेना के मीडिया विंग, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने इसको लेकर एक बयान जारी किया है। बयान में कहा कि ये अभियान तीन नवंबर से बलूचिस्तान के क्वेटा जिले के कुर्रम इलाके, और खैबर पख्तूनख्वा के मीर अली और ओरकजई इलाकों में चलाए गए। बयान के अनुसार,



खुफिया जानकारी पर आधारित इन अभियानों के दौरान आतंकवादियों के कई ठिकानों को निशाना बनाया गया। कई बार हुई मुठभेड़ों में तहरीक-ए-तालिबान के 31 आतंकवादी मारे गए।

साथ ही, उनके पास से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक भी बरामद किए गए। सेना ने बताया कि अलग-अलग अभियानों में, सुरक्षा बलों ने पिछले 48 घंटों के दौरान मीर अली में 35 और ओरकजई इलाके में आठ आतंकवादियों को मार गिराया। सेना ने कहा, आतंकवादी खतरों को खत्म करने और उनके नेटवर्क को तोड़ने के पक्के इरादे के साथ, सुरक्षा बल खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में खुफिया जानकारी के आधार पर कई अभियान चला रहे हैं। इन अभियानों का दायरा अब मीर अली और ओरकजई इलाकों तक बढ़ा दिया गया है। सेना ने बताया कि उनके पास से हथियारों, गोला-बारूद और विस्फोटकों का एक बड़ा जखीरा बरामद हुआ है। इसमें घर में बनाए गए विस्फोटक और इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस भी शामिल हैं। 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से, पाकिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों में काफी तेजी आई है, खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांतों में।

फिल्म/टीवी मनोरंजन



पहली बार छठ पूजा मनाना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा : आयुष्मान खुराना

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना ने कहा है कि पहली बार छठ पूजा मनाना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा है। आयुष्मान खुराना ने कहा कि पंजाबी परिवार से होने के कारण उन्होंने पहले कभी छठ पूजा नहीं मनाई थी। सूरज बड़जात्या की फिल्म ये प्रेम मोल लिया के गीत बुलाए छठी मां की शूटिंग के दौरान पहली बार इस पर्व का अनुभव करना उनके लिए बेहद खास और भावुक कर देने वाला रहा। फिल्म में आयुष्मान के साथ शरवरी भी नजर आएंगी। बुलाए छठी मां गीत में छठ पूजा की आस्था, भक्ति और परंपराओं को खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया है। यह पर्व विशेष रूप से बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ में श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। इसके अलावा देश के विभिन्न हिस्सों में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु इसमें शामिल होते हैं। आयुष्मान ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि छठ पूजा से जुड़ी भावनाओं और लोगों को एकजुट करने की इसकी खूबी ने उन्हें काफी प्रभावित किया। प्रत्येक रस्म का अपना विशेष महत्व है और उसके पीछे अटूट आस्था एवं भक्ति जुड़ी हुई है। उनके लिए यह अनुभव केवल एक गाने की शूटिंग तक सीमित नहीं था, बल्कि एक खूबसूरत परंपरा को करीब से जानने और उसका हिस्सा बनने का अवसर था। आयुष्मान खुराना ने बताया कि छठ पूजा के क्लाइमैक्स दृश्य की शूटिंग से पहले निर्देशक सूरज बड़जात्या ने पूरी कास्ट को एक साथ बुलाकर छठ पूजा का गीत सुनाया था। यह बेहद भावुक क्षण था और वहां मौजूद सभी लोगों की आंखें नम हो गई थीं। इस अनुभव ने पूरे दृश्य को और भी अर्थपूर्ण बना दिया। आयुष्मान ने कहा कि पूरी कास्ट सूरज बड़जात्या के छठ पूजा के दृश्य को प्रस्तुत करने के तरीके और इस पर्व की परंपराओं एवं भावनाओं को वास्तविक रूप में पर्दे पर उतारने के उनके प्रयास से बेहद प्रभावित हुई।



कामकाजी माताओं को दोबारा रोजगार से जोड़ने की पहल उपासना कामिनेनी और नारा लोकेश ने पेश किया प्रस्ताव

उपासना कामिनेनी कोनिडेला ने कामकाजी माताओं को आत्मनिर्भर बनाने और मातृत्व के बाद उन्हें दोबारा रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से आंध्र सेकंड करियर पहल शुरू करने का प्रस्ताव रखा है। इस पहल का लक्ष्य 10 हजार माताओं को फिर से नौकरी और कामकाजी दुनिया से जोड़ना है। सीआईआई आंध्र समिट में उपासना ने कहा कि महिलाओं के सपनों और करियर को मातृत्व जितना ही महत्व मिलना चाहिए। मां बनने के बाद किसी महिला को अपना करियर छोड़ने के लिए मजबूर नहीं होना चाहिए। इसके लिए महिलाओं को नए कौशल का प्रशिक्षण, काम के लचीले घंटे और बच्चों की देखभाल की सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत अपनी बेटियों को शिक्षित करता है और उनके सपनों को पूरा करने में मदद करता है, लेकिन मां बनने के बाद उनकी क्षमता और हुनर का पूरा इस्तेमाल नहीं हो पाता। यह केवल महिलाओं का नुकसान नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी नुकसान है। इस पहल का उद्देश्य आंध्र प्रदेश को कामकाजी माताओं के लिए देश का सबसे सहयोगी राय बनाना है, जहां महिलाओं को परिवार, समाज और कार्यस्थल पर जरूरी सहयोग मिल सके। उपासना ने डॉ. प्रताप सी. रेड्डी के आत्मरक्षणम के सपने का उल्लेख करते हुए कहा कि बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं हर व्यक्ति तक पहुंचाने की सोच को आगे बढ़ाना जरूरी है। उपासना कामिनेनी कोनिडेला और नारा लोकेश इसी दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए आंध्र प्रदेश को स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े कुशल पेशेवरों को तैयार करने का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

एकता आर कपूर और अमर बुटाला की हॉरर फिल्म हीरो की हॉररोइन का फर्स्ट लुक जारी

फिल्म निर्माता एकता आर कपूर और अमर बुटाला की आगामी हॉरर फिल्म हीरो की हॉररोइन का फर्स्ट लुक पोस्टर शुक्रवार 13 तारीख को जारी किया गया। साजिद खान के निर्देशन में बन रही यह फिल्म वर्ष 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।जय हो मीडिया वेंचर्स के बैनर तले बनी इस फिल्म को बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड प्रस्तुत कर रहा है। फिल्म की निर्माता शोभा कपूर, एकता आर कपूर और अमर बुटाला हैं। फिल्म के पहले पोस्टर में लंबे बालों, खून से लाल साड़ी, सफेद आंखों, नुकीले दांतों और पंजों जैसे हाथों वाली एक डरावनी महिला का खौफनाक रूप नजर आ रहा है। धुएं और अंधेरे से भरे पोस्टर में महिला का भयावह चेहरा फिल्म की डरावनी दुनिया की झलक पेश करता है। शुक्रवार 13 तारीख को फिल्म का शीर्षक जारी करना भी खास है। इस तारीख को पश्चिमी मान्यताओं में अंधविश्वास और अपशकुन से जोड़कर देखा जाता है। फिल्म का नाम भले ही हीरो की हॉररोइन है, लेकिन इसका पहला लुक दर्शकों के बीच डर और रोमांच पैदा करता है।





जैकी श्रॉफ और शरद केलकर की फिल्म काली खेती का ट्रेलर रिलीज, 20 नवंबर को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ और शरद केलकर अभिनीत हॉरर फिल्म काली खेती का खौफनाक ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में रहस्य और भय से भरी एक ऐसी ग्रामीण दुनिया की झलक दिखाई गई है, जहां खेतों से जुड़ी अलौकिक शक्तियां पूरे गांव के लोगों के जीवन पर हावी हो जाती हैं। फिल्म की कहानी खेती और कृषि को मनोवैज्ञानिक हॉरर के अनूठे विषय के रूप में पेश करती है। ट्रेलर में एक ऐसे गांव को दिखाया गया है, जहां लोग किसी रहस्यमयी और खौफनाक ताकत के साये में जीने को मजबूर हैं। यहां खेत केवल फसल उगाने की जगह नहीं, बल्कि किसी जीवित और अलौकिक शक्ति की तरह नजर आते हैं। खेतों के पुराने इतिहास में छिपे रहस्य गांव के लोगों के लिए भय का कारण बने हुए हैं। जैकी श्रॉफ अपने अलग अंदाज और प्रभावशाली अभिनय से फिल्म में रहस्य का माहौल गहराते नजर आ रहे हैं। वहीं, शरद केलकर का दमदार अभिनय कहानी को और गंभीर बनाता है। ट्रेलर में दोनों कलाकारों के किरदारों की अलग-अलग झलक देखने को मिलती है।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर मनेगा जनजातीय गौरव सप्ताह

18 नवंबर तक होंगे विविध आयोजन, 700 जनजातीय प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री निवास पर किया संवाद



सिवनी। स्वतंत्र मत। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने के लिए मध्यप्रदेश सरकार एवं भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रदेशभर में 11 से 18 नवंबर 2026 तक जनजातीय गौरव सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत विभिन्न जिलों में सांस्कृतिक, सामाजिक एवं जनजागरूकता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आयोजन का उद्देश्य जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, महापुरुषों के योगदान, संघर्ष और बलिदान को जन-जन तक पहुंचाना है। कार्यक्रमों की शुरुआत 5 नवंबर को मुख्यमंत्री निवास पर जनजातीय जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद से हो चुकी है। इस कार्यक्रम में प्रदेशभर से लगभग 700 जनजातीय प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। इस दौरान जनजातीय समाज से जुड़े विषयों, उनकी अपेक्षाओं और विकास संबंधी मुद्दों पर चर्चा की गई। प्रदेश सरकार की निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार 14 नवंबर को जबलपुर, 15 नवंबर को डही (धार) एवं जोबट (अलीराजपुर) तथा 16 नवंबर को ब्यौहारी (शहडोल) एवं खंडवा में राज्य स्तरीय कार्यक्रम प्रस्तावित हैं।

हर जनजातीय विकासखंड में होंगे आयोजन- 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर प्रदेश के प्रत्येक जनजातीय विकासखंड मुख्यालय पर जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। धार जिले में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का वेबकास्ट के माध्यम से सीधा प्रसारण भी किया जाएगा।

छात्रावासों और आश्रम शालाओं में विशेष कार्यक्रम-जनजातीय छात्रावासों एवं आश्रम शालाओं में भगवान बिरसा मुंडा की गौरवगाथा तथा देश के प्रति उनके योगदान पर निबंध, भाषण एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। विद्यार्थियों के लिए विशेष भोजन की व्यवस्था भी की जाएगी।

विद्यालयों में सांस्कृतिक एवं साहित्यिक गतिविधियां: 16 से 18 नवंबर तक हाई स्कूल, हायर सेकेंडरी एवं विशिष्ट विद्यालयों में जनजातीय संस्कृति पर आधारित विभिन्न कार्यक्रम होंगे। इनमें जनजातीय नृत्य, नाटक, संगीत, रंगोली, चित्रकला, निबंध एवं भाषण प्रतियोगिताएं शामिल रहेंगी।

छात्रावासों का निरीक्षण और विद्यार्थियों से संवाद: 16 एवं 17 नवंबर को जनजातीय छात्रावासों एवं आश्रम शालाओं का जिला एवं विकासखंड स्तर के अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जाएगा। अधिकारी विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी शैक्षणिक गतिविधियों, उपलब्ध सुविधाओं एवं समस्याओं की जानकारी प्राप्त करेंगे। **गांव-गांव पहुंचेगा जनजातीय गौरव का संदेश**-18 से 20 नवंबर तक चयनित जनजातीय गांवों में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से जनजातीय गौरव चौपाल आयोजित की जाएंगी। इनके माध्यम से जनजातीय समाज की संस्कृति, परंपराओं, ऐतिहासिक योगदान और विकास से जुड़े विषयों पर संवाद किया जाएगा। इसके साथ ही प्रदेश भाजपा नेतृत्व के निर्देशानुसार पार्टी संगठन एवं अनुसूचित जनजाति मोर्चा द्वारा भी जनजातीय गौरव सप्ताह के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन आयोजनों के माध्यम से भगवान बिरसा मुंडा सहित जनजातीय समाज के महान क्रांतिकारियों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं जननायकों के योगदान को याद करते हुए नई पीढ़ी को अपनी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराया जाएगा। सरकार और संगठन का उद्देश्य जनजातीय गौरव दिवस को केवल एक समारोह तक सीमित न रखते हुए जनजातीय समाज के सम्मान, स्वाभिमान और सांस्कृतिक चेतना का व्यापक संदेश प्रदेश के प्रत्येक गांव और समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना है।

धनौरा के तहसीलदार बने न्याय की मिसाल! पंकज बघेल के बाद अब सुजीत मिश्रा के कथित कब्जे पर कब चलेगा प्रशासन का बुलडोजर?

पंकज बघेल से जुड़े मामले में शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त होने के बाद अब उप-स्वास्थ्य केंद्र की जमीन पर कार्रवाई का इंतजार।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी विकास के लिए अपने पैतृक मकान का हिस्सा हटाने की पेश की थी मिसाल।

पवन कुमार अहिरवार

धनोरा स्वतंत्रमत - धनौरा तहसील में शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई के बाद तहसीलदार राजेन्द्र तेकाम इन दिनों चर्चा में हैं। भाजपा युवा मोर्चा धनोरा मंडल महामंत्री पंकज बघेल से जुड़े अतिक्रमण के मामले में राजस्व अमले द्वारा शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। इस कार्रवाई के बाद अब ग्रामीणों के मन में एक बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या प्रशासन इसी निष्पक्षता के साथ भाजपा मंडल अध्यक्ष सुजीत मिश्रा के कथित कब्जे वाली शासकीय उप-स्वास्थ्य केंद्र की भूमि को भी मुक्त करा पाएगा?

सुनवारा की स्वास्थ्य केंद्र की जमीन पर ग्रामीणों की नजर

ग्राम पंचायत सुनवारा में शासकीय उप-स्वास्थ्य केंद्र के लिए आरक्षित भूमि को लेकर लंबे समय से सवाल उठाए जा रहे हैं। आरोप है कि भाजपा मंडल अध्यक्ष सुजीत मिश्रा का इस भूमि पर कब्जा है। इस मामले को लेकर ग्रामीणों और शिकायतकर्ताओं द्वारा प्रशासन का ध्यान भी आकर्षित कराया गया है। अब ग्रामीण चाहते हैं कि राजस्व विभाग मौके पर निष्पक्ष जांच और सीमांकन कराकर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करे तथा अतिक्रमण पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करे।

मुख्यमंत्री ने अपने पैतृक मकान का हिस्सा हटाकर पेश की मिसाल

जब मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के तहत सड़क चौड़ीकरण के लिए अपने पैतृक मकान का हिस्सा हटाने की पहल की और स्वयं भी इसकी शुरुआत की, तो यह विकास कार्यों में व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर जनहित को प्राथमिकता देने का उदाहरण बना। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि जब प्रदेश के मुख्यमंत्री विकास के लिए अपने पारिवारिक मकान का हिस्सा हटाने से पीछे नहीं हटे, तो फिर धनोरा मंडल अध्यक्ष सुजीत मिश्रा शासकीय उप-स्वास्थ्य केंद्र की भूमि को लेकर उठ रहे सवालों पर स्थिति स्पष्ट करने और प्रशासनिक जांच में सहयोग करने के लिए आगे क्यों नहीं आते?



क्या कानून सबके लिए बराबर है?

ग्रामीणों का सवाल है कि जब एक मामले में प्रशासन शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त करा सकता है, तो दूसरे मामले में कार्रवाई करने में देरी क्यों? क्या तहसीलदार राजेन्द्र तेकाम स्वास्थ्य विभाग के लिए आरक्षित जमीन का सीमांकन कराकर, यदि अतिक्रमण प्रमाणित होता है, तो उसे भी मुक्त कराकर स्वास्थ्य विभाग को सौंपेंगे? अब देखना यह होगा कि धनोरा तहसीलदार राजेन्द्र तेकाम निष्पक्ष कार्रवाई की इस मिसाल को आगे भी कायम रखते हैं या फिर सुनवारा के उप-स्वास्थ्य केंद्र की जमीन का मामला भी फाइलों तक ही सीमित रह जाएगा। ग्रामीणों को अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि निष्पक्ष जांच और नियमानुसार कार्रवाई का इंतजार है।

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन संचालक मंच के जिलाध्यक्ष बने नरेश सिंह राजपूत, शुभम सोनी को जिला सचिव की जिम्मेदारी

आशीर्वाद पैलेस में संपन्न हुआ जिला कार्यकारिणी का निर्वाचन आठों विकासखंडों के विद्यालय संचालकों ने लिया हिस्सा संगठन की एकजुटता और निजी स्कूलों के हितों की रक्षा का लिया संकल्प



सिवनी। स्वतंत्र मत। जिले के निजी विद्यालय संचालकों के संगठन प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन संचालक मंच की नई जिला कार्यकारिणी का निर्वाचन 12 नवंबर को आशीर्वाद पैलेस सिवनी में उत्साहपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण में संपन्न हुआ। निर्वाचन में जिले के सभी आठ विकासखंडों से बड़ी संख्या में निजी विद्यालय संचालकों ने सहभागिता करते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत अपने मताधिकार का प्रयोग किया। निर्वाचन में नरेश सिंह राजपूत निर्विरोध जिलाध्यक्ष चुने गए, वहीं शुभम सोनी को जिला सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई।

निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने में जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष तिवारी, जनक तिवारी एवं शिवकुमार हरिनखेड़े की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मतदान एवं मतगणना के पश्चात नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई।

नवगठित कार्यकारिणी में नरेश सिंह राजपूत (गुरुकुल पब्लिक स्कूल, बरघाट) जिलाध्यक्ष, राजेश बघेल (विनर कॉन्वेंट स्कूल, सिवनी) जिला उपाध्यक्ष, आदित्य बिसेन (श्रीराम हायर सेकेंडरी स्कूल, बरघाट) जिला कोषाध्यक्ष तथा शुभम सोनी (टाइनी टॉट्स स्कूल, छपारा) जिला सचिव निर्वाचित हुए। वहीं योगेंद्र यादव (फर्स्ट स्टेप इंग्लिश स्कूल, लखनादौन) संयुक्त सचिव बनाए गए। कोर कमेटी में बलिराम यादव (मां शारदा शिशु विद्या मंदिर, पोंडी, घंसौर) एवं अभिषेक जैन (विद्यासागर हाई स्कूल, धनौरा) को शामिल किया गया।

निर्वाचन के बाद नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर निजी विद्यालय संचालकों की समस्याओं, उनके हितों की रक्षा, संगठन को मजबूत बनाने तथा शिक्षा के क्षेत्र में आपसी समन्वय बढ़ाने जैसे विषयों पर चर्चा हुई।

नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष नरेश सिंह राजपूत ने सभी संचालक साथियों, ब्लॉक अध्यक्षों, निर्वाचन अधिकारियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले 10 वर्षों से संगठन को जिस प्रकार सभी का समय, सहयोग और मार्गदर्शन मिलता रहा है, उसी एकजुटता और सहयोग की अपेक्षा नई कार्यकारिणी भी करती है। पदों और व्यक्तियों में परिवर्तन संगठन की स्वाभाविक प्रक्रिया है, लेकिन संगठन की वास्तविक ताकत उसके सदस्य हैं।

उन्होंने कहा कि यह मंच किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि जिले के प्रत्येक निजी विद्यालय संचालक का साझा संगठन है। सभी को साथ लेकर संगठन को और अधिक सशक्त बनाना तथा संचालकों की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रभावी पहल करना नई कार्यकारिणी की प्राथमिकता रहेगी। निर्वाचन के बाद जिले के निजी विद्यालय संचालकों में उत्साह और नई ऊर्जा का माहौल देखा गया।

सीएमओ दिशा डेहरिया ने गांधी वार्ड सिवनी में भ्रमण कर सुनी जनता की समस्याऐं

सिवनी। स्वतंत्र मत। आज नगरीय क्षेत्र के गांधी वार्ड क्रमांक 12 में मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री दिशा डेहरिया द्वारा पूर्व नपा अध्यक्ष एवं गांधी वार्ड पार्षद श्री शफीक खान तथा निकाय के समस्त अधिकारियों के साथ वार्ड में भ्रमण किया गया भ्रमण के दौरान वार्ड के नागरिको की समस्याओं को सुना गया एवं उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिये गये। विदित होवे कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मान. डॉ. मोहन यादव जी के निर्देशन में समूचे मध्यप्रदेश में यह अभियान



संचालित है शासन आदेश के परिपालन में नगरपालिका सिवनी में इस अभियान को चलाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान का प्रमुख उद्देश्य जनकल्याण अंतर्गत क्षेत्रों में भ्रमण कर निरीक्षण एवं जनसंवाद के माध्यम से आम जनता की शिकायतों का त्वरित निराकरण, शासकीय जनकल्याणकारी योजनाओं का पात्र हितग्राहियों को लाभ पहुंचाना है। सीएम हेल्पलाईन, जनसुनवाई जन आवेदन में प्राप्त शिकायतों का शत-प्रतिशत निराकरण करना है।

भ्रमण के दौरान नगर पालिका द्वारा वार्ड में स्वच्छता के लिये जनजागरूकता अभियान चलाया गया एवं वार्ड के नागरिको को खुले स्थानों, खाली प्लाटों एवं नालियो में कचरा न फेकने, गंदगी न करने की समझाईश दी गई। इस अवसर पर नगर पालिका सहायक यंत्री श्रीमति देवेश्वरी धुर्वे, राजस्व निरीक्षक श्री गजेन्द्र पाण्डे, सहित निकाय अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

बंडोल पुलिस ने तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

सिवनी। स्वतंत्र मत। पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिवनी दीपक मिश्रा, एसडीओपी सिवनी चंचलेश मरकाम के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बंडोल उप निरी. मनोज कुमार जंघेला द्वारा थाना क्षेत्र में तत्परता से कार्यवाही की जा रही है। दिनांक 06/11/2026 को प्रार्थी राजेश बघेल निवासी चोरगरठिया, थाना बंडोल ने रिपोर्ट लेख कराया कि अज्ञात चोर द्वारा इसके घर का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसकर जेवरात एवं नगदी रुपये चोरी कर ले गए हैं। जिसकी रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अप.क्र. 431/26, धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना में लिया गया। दौरान विवेचना तकनीकी साक्ष्यों एवं मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपीगण (1) समीर खान (2) राजकुमार डेहरिया (3) अजय सल्लाम को अभिरक्षा में लेकर वैज्ञानिक रीति एवं हिकमत अमली से पूछताछ की गई, जिनके द्वारा चोरी की घटना करना स्वीकार किया गया एवं उनके कब्जे से चांदी की दो जोड़ी पायल, दो जोड़ी बिछिया, नगदी 2,000 एवं घटना में प्रयुक्त एक छोटा हाथी वाहन क्रं. एमपी 22 एल 1101 जप्त किया गया। बाद आरोपीगणों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया, जहां से उक्त तीनों शातिर चोरों को जिला जेल निरुद्ध कराया गया।

विकास कार्यों एवं क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर कलेक्टर ने विधायकों से की चर्चा

बालाघाट।



कलेक्टर जिले के तीन विधायकों के साथ बैठक कर क्षेत्रीय समस्याओं एवं विकास कार्यों को लेकर विस्तार से चर्चा की। बैठक में कटंगी विधायक गौरव सिंह पारधी, लांजी विधायक राजकुमार कर्राहे एवं बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे उपस्थित रहे। इस दौरान किसान संगठन के पदाधिकारी भी मौजूद थे। बैठक में जनहित से जुड़े मुद्दों, क्षेत्र की आवश्यकताओं तथा विकास कार्यों की प्रगति को लेकर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही किसानों से जुड़ी समस्याओं और उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने पर भी चर्चा की गई।

सीएमएचओ एवं डीपीओ ने स्वास्थ्य केंद्रों एवं आंगनवाड़ी का किया निरीक्षण

बालाघाट। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी देवेंद्र सुंद्रियाल ने संयुक्त रूप से 13 नवंबर को आयुष्मान आरोग्य मंदिर मोहझरी, आंगनवाड़ी केंद्र एवं टीकाकरण सत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण में पाई गई कमियों को दूर करने के लिए संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डॉ. दाहिया ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भानेगांव का भी निरीक्षण कर वहां उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।



उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने, कर्मचारियों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संस्थाओं में आम नागरिकों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं मिलना सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए सभी अधिकारी-कर्मचारी अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करें तथा स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें।डीपीओ सुंद्रियाल ने आंगनवाडी कार्यकता से बच्चों को नियमित रूप से पोषण आहार वितरति करने के निर्देश दिये। उन्होंने बच्चों को पोषण युक्त आहार देने के साथ ही उनकी पढाई एवं खेल गतिविधियों में भी विशेष ध्यान देने कहा। इसके साथ ही उन्होंने बच्चों के वजन एवं टीकाकरण पर नियमित रूप से ध्यान देने के निर्देश दिये।



जनजातिय गौरव दिवस पर होंगे विविध कार्यक्रम

बालाघाट। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर जनजातीय गौरव दिवस के तहत केंद्र व प्रदेश सरकार विविध कार्यक्रम आयोजित करवा रही है। जहां कार्यक्रमों का उद्देश्य भगवान बिरसा मुंडा की गौरवगाथा और देश के प्रति जनजातीय नायकों के योगदान से विद्यार्थियों को परिचित कराना है। इस दौरान जनजातीय नृत्य, नाटक, संगीत, रंगोली, चित्रकला, निबंध एवं भाषण जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। जिसे लेकर भाजपा संगठन ने प्रेसवार्ता लेकर कार्यक्रमो का विवरण रखा। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि 11 नवंबर से 20 नंवबर तक जनजातिय गौरव दिवस का पखवाडा मनाया जा रहा है। जिसे लेकर 13 नवंबर को पार्टी कार्यालय में जिला स्तरीय बैठक हुई, जिसमें जनजातिय समुदाय से मंडल प्रभारी भी शामिल हुए थे। आज 14 नवंबर को महापुरूषो के प्रतिमा स्थल व प्रागंण में स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा और शाम पर दीप प्रज्जवति किये जायेगें। इसके अलावा लोक सांस्कृति कार्यक्रम भी आयोजित होगें।

शहर में बार बार ध्वस्त हो रही सफाई व्यवस्था

बालाघाट। नगर के विभिन्न वार्डों में इन दिनों सफाई व्यवस्था की बदहाल स्थिति नागरिकों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। वार्डो की गलियों और मोहल्लों में जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हुए हैं। सबसे खराब स्थिति वार्ड क्रमांक 03 और 10 में देखने को मिल रही है, जहां नियमित सफाई नहीं होने से गंदगी का अंबार लगा हुआ है। स्थानीय रहवासियों का आरोप है कि मोहल्लों और गलियों से चार से पांच दिनों तक कचरा नहीं उठाया जाता, जिसके चलते कचरा सड़कों पर बिखरा रहता है। इसके बावजूद जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों और नगर की सफाई व्यवस्था संभालने वाले अमले का इस ओर ध्यान नहीं जा रहा है। सबसे चिंताजनक स्थिति जामा मस्जिद चौक के समीप उस



स्थान की है, जहां खुले में कचरा फेंका जा रहा है। यह स्थान वार्ड क्रमांक 9 के अंतर्गत आता है, लेकिन यहां वार्ड क्रमांक 3 के रहवासियों द्वारा भी कचरा डाला जाता है। विडंबना यह है कि कचरा उठाने की जिम्मेदारी को लेकर दोनों वार्डों के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई है। वार्ड क्रमांक 9 के पार्षद का कहना है कि उक्त स्थान पर वार्ड क्रमांक 3 के रहवासी कचरा फेंकते हैं, इसलिए वहां से कचरा उठाने की जिम्मेदारी वार्ड क्रमांक 3 के कचरा वाहन की होनी चाहिए। वहीं वार्ड क्रमांक 3 के रहवासियों का आरोप है कि उनके क्षेत्र में कचरा वाहन नियमित रूप से नहीं पहुंचता और उसका कोई अता-पता नहीं रहता। ऐसे में जामा मस्जिद चौक के पास जमा कचरा कई दिनों तक पड़ा रहता है। स्थिति यह है कि आवारा मवेशियों के झुंड कचरे में विचरण करते हुए उसे सड़क पर फैला देते हैं, जिससे आसपास गंदगी और दुर्गंध फैल रही है। सफाई व्यवस्था की इस बदहाली ने नगरपालिका परिषद की कार्यप्रणाली और वार्ड पार्षदों की सक्रियता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर वार्डों की सफाई और कचरा उठाने की जिम्मेदारी किसकी है? आपसी जिम्मेदारी तय करने के बजाय नागरिकों को गंदगी के बीच रहने के लिए क्यों मजबूर होना पड़ रहा है? शिकायतो पर आश्वासन और समीक्षा में वाहवाही लूटने वाले नगरपालिका के जिम्मेदार अधिकारी कभी मौके का निरीक्षण नही करते। यदि शहर की सफाई व्यवस्था उनकी निगरानी में होती तो शायद ही ऐसी तस्वीरें अखबारो की सुर्खियां बनती। फिलहाल आश्वसयक्ता यही है कि नगरपालिका के जिम्मेंदारी अधिकारी और जनप्रतिनिधि नियमित कचरा उठाव की व्यवस्था सुनिश्चित करें, ताकि नागरिकों को इस समस्या से राहत मिल सके।इस मामले में नगरपालिका सीएमओ सूर्यप्रकाश यूके का कहना है कि आज उन्होने स्टाफ भेज वहां पर समझाइस दी कि कोई भी कचरा सडक पर नहीं फेंकेगा। घरो व प्रतिष्ठानो से निकलने वाला कचरा, पहले संग्रहित करके रखे और जब कचरा वाहन मौके से गुजरे तो उक्त कचरा, कचरा वाहन में डाले, अन्यथा जुर्माने की कार्यवाही की जायेगी।

इश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मौजा ग्राम सुकतरा, प.ह.नं. 92, हल्का सुकतरा रैय्यत, रा. नि. मं. सुकतरा, तहसील कुरई, जिला सिवनी में स्थित भूमि क्रमशः ख.नं. 385/3, 385/4, 385/5, 385/6, 385/7 रकबा क्रमशः 0.58 हे., 0.59 हे., 0.59 हे., 0.59 हे., 0.59 हे. भूमि के संबंध में माननीय पंचम व्यवहार न्यायालय कनिष्ठ खण्ड सिवनी की न्यायालय में स्वत्व उद्घोषणा, स्थाई निषेधाज्ञा एवं कब्जे की पुष्टि बावद व्यवहार वाद विचाराधीन हैं, जिसका व्यवहार वाद कंमाक 545 ए/2026, पक्षकारगण महताप वगैरा विरुद्ध रामेश्वर बिसेन वगैरा है। उक्त विवादित संपत्ति के संबंध में व्यवहार न्यायालय के अंतिम निराकरण तक कोई भी व्यक्ति भूमि क्रय-विक्रय, हस्तांतरण व अन्य अवैध कार्यवाहीयाँ प्रस्तावित / निष्पादित ना करें अन्यथा भविष्यवर्ती परिणामों के लिए वह स्वयं जिम्मेदार व जवाबदार रहेगा।

भवदीय
तापेन्द्र देशमुख
अधिवक्ता सिवनी (म.प्र.)

बहोरीबंद अस्पताल पहुँचकर कलेक्टर ने लिया स्वास्थ्य सुविधाओं जायजा



गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच दवाओं की उपलब्धता और कुपोषित बच्चों के बेहतर उपचार के दिये निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)। बहोरीबंद क्षेत्र के भ्रमण के दौरान कलेक्टर आशीष तिवारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहोरीबंद का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं और मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने ओपीडी, पैथोलॉजी लैब, एएनसी जांच कक्ष, मेटरनिटी विंग, लेबर रूम, फार्मेसी और पोषण पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखीं। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री तिवारी ने गर्भवती महिलाओं के लिए पर्याप्त बैठक व्यवस्था सुनिश्चित करने, एएनसी सहित सभी जांचों की अनिवार्य रूप से अनमोल पोर्टल पर प्रविष्टि करने और अस्पताल में दवाओं की नियमित उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने एनआरसी में चिन्हित कुपोषित बच्चों को भर्ती कर उनके स्वास्थ्य की समुचित निगरानी करने तथा स्वास्थ्य सेवाओं के निर्धारित लक्ष्यों को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिये। एनआरसी में कलेक्टर ने चरगवां निवासी निधि काछी से बातचीत की। जिस पर उन्होंने बताया कि उनके कुपोषित जुड़वा बच्चे आज ही केंद्र में भर्ती हुए हैं। इस दौरान बीएमओ डॉ. अनुराग शुक्ला ने बच्चों के उपचार और भर्ती संबंधी जानकारी दी। वहीं ओपीडी में कलेक्टर ने ग्राम सलैया के निखिल चौधरी और ग्राम डिहुटा के पप्पू चौधरी से चर्चा कर उनके स्वास्थ्य और चल रहे उपचार के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर ने गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच कराने पहुंचीं ग्राम मुरवारी की आशा कार्यकर्ता वर्षा कोल और कछारगांव की आशा कार्यकर्ता उर्मिला पटेल से भी चर्चा क ी ।

उन्होंने गर्भवती महिलाओं की नियमित स्वास्थ्य जांच कराने और समय पर आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजों से भी बातचीत कर अस्पताल में मिल रहे उपचार और स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में फीडबैक लिया।

कलेक्टर ने सलैया स्थित इथेनॉल प्लांट का किया निरीक्षण

कलेक्टर आशीष तिवारी ने शुक्रवार को ग्राम सलैया स्थित वीनस एग्रोफ्यूल प्राइवेट लिमिटेड के इथेनॉल प्लांट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्लांट की उत्पादन क्षमता, संचालन और औद्योगिक गतिविधियों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कंपनी प्रबंधन ने बताया कि प्लांट में प्रतिदिन लगभग 60 हजार लीटर इथेनॉल का उत्पादन किया जा रहा है। यहां उत्पादित इथेनॉल की आपूर्ति छिंदवाड़ा, कटनी सहित प्रदेश के अन्य जिलों में की जाती है।

इसके अलावा विदेशों में भी इसका विक्रय किया जाता है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री तिवारी ने उद्योगपतियों से संवाद कर औद्योगिक गतिविधियों के संचालन में आ रही समस्याओं और कठिनाइयों की जानकारी ली। उद्योगपतियों ने अपनी विभिन्न समस्याएं उनके समक्ष रखीं। इस पर कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर उनका त्वरित निराकरण



सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत कलेक्टर के निर्देश पर ग्राम देवरीहटाई में जनविश्वास शिविर आयोजित किया गया। शिविर में अधिकारियों ने ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनीं।

राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, खाद्य, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य तथा महिला एवं बाल विकास विभाग से संबंधित कुल 63 आवेदन प्राप्त हुए। वहीं सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना का लाभ लेने पहुंचे तीन आवेदकों को योजना से लाभान्वित किया गया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर, एसडीएम कटनी जितेंद्र पटेल, तहसीलदार ग्रामीण अतुलेश सिंह, जनपद पंचायत कटनी के सीईओ प्रदीप सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने देवरीहटाई स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निरीक्षण कर उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, मरीजों के पंजीयन और आयुष्मान कार्ड निर्माण की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने और गर्भवती महिलाओं की नियमित स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।



किसानों ने रकबा सुधार, पर्याप्त बिजली और पराली जलाने की अनुमति को लेकर सौंपा ज्ञापन

कटनी (स्वतंत्रमत)।

धान की फसल के विक्रय हेतु पंजीयन में रकबा कम दर्ज किए जाने, पर्याप्त बिजली उपलब्ध नहीं होने तथा पराली जलाने की अनुमति देने की मांग को लेकर बाकल क्षेत्र के किसानों ने बड़ी संख्या में एकत्रित होकर कलेक्टर के नाम नायब तहसीलदार बाकल माधव सिंह मोगरे को सामूहिक ज्ञापन सौंपा। इस दौरान ओबीसी महासभा प्रदेश अध्यक्ष राकेश पटेल ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि खेतों में पर्याप्त बिजली नहीं मिलने से कृषि कार्य प्रभावित हो रहे हैं। बिजली की अनियमित आपूर्ति के चलते सिंचाई सहित अन्य जरूरी कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसानों को पराली जलाने की अनुमति देने की मांग भी उठाई। वहीं धान की फसल के विक्रय के लिए किए गए पंजीयन में रकबा कम दर्ज किए जाने पर नाराजगी जताई। उनका आरोप है कि पंजीयन में वास्तविक रकबे से कम रकबा दर्ज होने के कारण उनकी पूरी उपज का सरकारी खरीदी केंद्रों पर विक्रय नहीं हो पाएगा। ऐसी स्थिति में किसानों को शेष बची धान की फसल बाजार में कम दामों पर बेचने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। किसानों ने प्रशासन से मांग की कि पंजीयन में दर्ज रकबे की जांच कर तत्काल सुधार कराया जाए, पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराई जाए तथा किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए पराली जलाने की अनुमति प्रदान की जाए। इस अवसर पर ओबीसी राकेश पटेल काशीराम पटेल, उमाशंकर पटेल, रामचरण पटेल, बिहारी पटेल, राजेन्द्र सिंह लोधी सलमान सिंह पटेल, दीपक पटेल, सीताराम पटेल सुखचैन पटेल, राकेश चौधरी विजय लोधी गंगाराम पटेल सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

आदिवासी समाज के सम्मान और किसानों के हितों को लेकर कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

मुख्यमंत्री एवं सांसद का पुतला दहन



कटनी (स्वतंत्रमत)। आदिवासी समाज की अस्मिता, संस्कृति एवं संवैधानिक अधिकारों के सम्मान तथा किसानों के हितों की रक्षा के मुद्दे पर जिला कांग्रेस कमेटी शहर एवं ग्रामीण तथा आदिवासी संगठन कांग्रेस के संयुक्त तत्वावधान में पुरानी कचहरी चौराहा, कटनी में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा विश्व आदिवासी दिवस को लेकर सार्वजनिक मंच से उठाए गए सवाल के विरोध में पुतला दहन किया गया। साथ ही किसान विरोधी बयान को लेकर सांसद जनार्दन मिश्रा का भी पुतला दहन कर कांग्रेसजनों ने अपना आक्रोश व्यक्त किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस केवल एक दिवस नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की गौरवशाली पहचान, समृद्ध संस्कृति, परंपराओं, संघर्ष और संवैधानिक अधिकारों का प्रतीक है। इसकी महत्ता पर सवाल उठाना आदिवासी समाज की भावनाओं और सम्मान से जुड़ा गंभीर विषय है। वहीं किसानों के हितों के विरुद्ध दिए गए बयानों का भी कांग्रेस ने कड़ा विरोध दर्ज कराया। जिलाध्यक्ष शहर एड. अमित शुक्ला ने कहा कि आदिवासी समाज का सम्मान और किसानों के अधिकार कांग्रेस की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। जनभावनाओं को आहत करने वाले बयानों और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ कांग्रेस सड़क से सदन तक लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करती रहेगी। आदिवासी संगठन कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजय कोल ने कहा कि आदिवासी समाज की अस्मिता, संस्कृति और परंपराएं हमारी गौरवशाली विरासत हैं। इनके सम्मान के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। आदिवासी समाज अपने अधिकारों और स्वाभिमान की रक्षा के लिए एकजुट होकर आवाज बुलंद करता रहेगा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व विधायक बसंत सिंह, रजनी वर्मा, ओमकार सिंह टेकाम, अजय सिंह, रंजीत सिंह, तुलाराम गोटिया, प्रेम बत्रा, राजा जगवानी, जालेम यादव, राजेश जाटव, जितेन्द्र गुप्ता, अजय जैसवानी, प्रशांत जायसवाल, आनंद पटेल, दिग्विजय सिंह, संजय गुप्ता, आदित्य जैन, नारायण निषाद, मंगल सिंह, नरेंद्र राय, विजय नारायण सिंह, जॉर्ज डेविड, अदिता वर्मा, माया चौधरी, लता खरे, रुक्मिणी पांडे, कल्पना पाठक, राजकुमार कल्लू विश्वकर्मा, रमेश अहिरवार, अंशु गुप्ता, शरद खटीक, रामनरेश सिंह, राजेश निषाद, विकास निगम, श्याम गोटिया, इरशाद खान, फरीद खान, आकाश ताम्रकर, साहिल नामदेव एवं हर्षित मिश्रा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

निबंध एवं प्रश्नोत्तरी (क्विज) प्रतियोगिता का आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)। शासकीय कन्या महाविद्यालय, कटनी में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन में निर्वाचन साक्षरता क्लब के अंतर्गत छात्राओं में मतदाता जागरूकता, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा निर्वाचन प्रक्रिया के प्रति समझ विकसित करने के उद्देश्य से निबंध एवं प्रश्नोत्तरी (क्विज) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह आयोजन निर्वाचन साक्षरता क्लब की गतिविधियों के अंतर्गत किया गया, जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को मतदान के अधिकार एवं उसके महत्व से अवगत कराना, निर्वाचन प्रक्रिया की जानकारी प्रदान करना तथा उन्हें एक जागरूक, जिम्मेदार एवं सक्रिय नागरिक के रूप में अपनी लोकतांत्रिक भूमिका निभाने के



लिए प्रेरित करना था। प्रतियोगिता के माध्यम से छात्राओं को यह संदेश दिया गया कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक मतदाता का जागरूक होना और मतदान प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करना आवश्यक है। निबंध प्रतियोगिता में छात्राओं ने सशक्त लोकतंत्र में जागरूक मतदाता की भूमिका, युवाओं की मतदान प्रक्रिया में सहभागिता तथा मताधिकार अधिकार ही नहीं, जिम्मेदारी भी जैसे विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। छात्राओं ने अपने निबंधों के माध्यम से मतदाता जागरूकता, लोकतांत्रिक मूल्यों, नागरिक कर्तव्यों तथा मतदान के महत्व को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त किया। इसी क्रम में आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में निर्वाचन आयोग, मतदाता सूची, ईव्हीएम एवं वीवीपेट मतदान प्रक्रिया, आदर्श आचार संहिता, नोटा, स्वीप, निर्वाचन क्षेत्र, मतदाता अधिकार एवं कर्तव्य तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था से संबंधित प्रश्न पूछे गए।

छात्राओं ने प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने ज्ञान एवं जागरूकता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं के दौरान छात्राओं में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, जिज्ञासा एवं लोकतांत्रिक चेतना का सकारात्मक वातावरण देखने को मिला। प्रतियोगिता के मूल्यांकन के उपरांत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात ने छात्राओं को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि निर्वाचन साक्षरता क्लब जैसी गतिविधियाँ युवाओं में लोकतांत्रिक चेतना, नागरिक जिम्मेदारी एवं मतदान के प्रति जागरूकता विकसित करने का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि वे स्वयं जागरूक मतदाता बनें तथा अपने परिवार और समाज के अन्य लोगों को भी मतदान के प्रति जागरूक करें। कार्यक्रम के सफल आयोजन में निर्वाचन साक्षरता क्लब के संयोजक, महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं छात्राओं का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन

सतना स्वतंत्रमत। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार फोटो निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के तहत गुरुवार को सतना जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों की प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया। मतदाता सूची का प्रकाशन जिले के समस्त मतदान केन्द्रों एवं आयोग द्वारा अधिसूचित निर्धारित स्थानों पर किया गया है। प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन के संबंध में गुरुवार को संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन सतना के सभाकक्ष में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी विकास कुमार सिंह ने की। इस दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूची, आयोग द्वारा जारी निर्वाचन कार्यक्रम उपलब्ध कराया गया।

आईएचएसडीपी आवास योजना में अपात्रों का कब्जा, अब खुलेगी पोल



कटनी (स्वतंत्रमत)। निगम की आईएचएसडीपी आवासीय योजना में आवंटन की अनियमितताओं और अपात्रों के कब्जे का मामला अब जांच के दायरे में आ गया है। सरकारी आवासों पर अपात्रों के कब्जे, बिना आवंटन भवनों पर अधिकार जमाने और पात्र हितग्राहियों को आवास नहीं मिलने जैसे मामलों की अब परत-दर-परत जांच होगी। निगमायुक्त तपस्या परिहार ने पांच सदस्यीय जांच समिति गठित कर 15 दिन के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

आठ बिंदुओं पर होगी जांच, जिम्मेदार भी आएंगे घेरे में-उपायुक्त प्रियंका झारिया की अध्यक्षता में गठित समिति में कार्यपालन यंत्री अंशुमान सिंह, सहायक यंत्री अनिल जायसवाल, सहायक राजस्व अधिकारी सागर नायक और प्रभारी कार्यालय अधीक्षक नागेन्द्र पटेल को शामिल किया गया है। समिति यह पता लगाएगी कि योजना में कितने हितग्राहियों का चयन हुआ, कितने आवास आवंटित किए गए और वास्तव में किन लोगों का कब्जा है। अपात्रों और अनाधिकृत व्यक्तियों ने किन परिस्थितियों में सरकारी आवासों पर कब्जा किया, बिना आवंटन भवनों पर कब्जे कैसे हुए और इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका क्या रही, इसकी भी जांच होगी।

पात्रों को आवास नहीं, अपात्रों के कब्जे कैसे-जांच में यह भी सामने लाने की कोशिश होगी कि पात्र हितग्राही आवास के लिए इंतजार करते रहे और दूसरी ओर आवंटित भवनों पर अपात्रों का कब्जा कैसे हो गया। अनाधिकृत कब्जे हटाने के लिए अब तक क्या कार्रवाई हुई, कितने भवन अधूरे हैं और निर्माण कार्य समय पर पूरा क्यों नहीं हुआ, इन सवालों के जवाब भी समिति तलाशेगी।

शिकायतें दबाने वालों की भी होगी पड़ताल

सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई और नगर निगम में प्राप्त शिकायतों पर हुई कार्रवाई की समीक्षा की जाएगी। आवास आवंटन प्रक्रिया में शामिल तकनीकी अधिकारियों और लिपिकीय कर्मचारियों की भूमिका भी जांची जाएगी। यदि किसी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता सामने आती है तो संबंधित जिम्मेदारों का उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाएगा।

जनजातीय महापुरुषों के शौर्य, बलिदान और स्वाभिमान को समर्पित : दीपक सोनी

बिरसा मुंडा का संघर्ष और बलिदान राष्ट्र के लिए प्रेरणास्रोत : धीरेंद्र बहादुर सिंह

कटनी (स्वतंत्रमत)।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा 11 से 18 नवंबर तक प्रदेशभर में जनजातीय गौरव सप्ताह मनाया जा रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य जनजातीय समाज के महानायकों के शौर्य, संघर्ष, बलिदान, योगदान एवं गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाना तथा उनकी प्रेरणादायी गाथाओं से नई पीढ़ी को परिचित कराना है। इसी क्रम में आज भाजपा जिला कार्यालय कटनी में आयोजित पत्रकार वार्ता को भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक सोनी टंडन, बड़वारा विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री सोहन सिंह एवं प्रदेश मंत्री तथा कटनी जिला प्रभारी एकता ठाकुर ने संबोधित किया। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक सोनी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन संघर्ष, स्वाभिमान, साहस और मातृभूमि के प्रति समर्पण का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने जनजातीय समाज के अधिकारों तथा जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। जनजातीय गौरव सप्ताह जनजातीय समाज के ऐसे महानायकों के शौर्य, बलिदान और विचारों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। बड़वारा विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का संघर्ष और बलिदान राष्ट्र के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। जनजातीय समाज ने देश की स्वतंत्रता, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण में अतुलनीय योगदान दिया है। जनजातीय वीरों ने अन्याय और शोषण के विरुद्ध संघर्ष करते हुए अपने अधिकारों और स्वाभिमान की रक्षा के लिए ऐतिहासिक लड़ाइयां लड़ीं। उनके त्याग, तपस्या और बलिदान को स्मरण करना तथा उनकी गौरवगाथा को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है। अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री सोहन सिंह ने कहा कि जनजातीय समाज का इतिहास वीरता, पराक्रम और राष्ट्रभक्ति की गौरवशाली गाथाओं से भरा हुआ है। जनजातीय महापुरुषों ने देश और समाज के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया है।



जनजातीय गौरव सप्ताह के माध्यम से उनके योगदान को व्यापक स्तर पर सामने लाने का कार्य किया जा रहा है। अनुसूचित जनजाति मोर्चा की प्रदेश मंत्री एवं कटनी जिला प्रभारी एकता ठाकुर ने कहा कि जनजातीय संस्कृति, परंपरा और गौरवशाली इतिहास को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें जनजातीय लोकनृत्य, संगीत, नाट्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ संवाद और गौरव चौपाल जैसे आयोजन शामिल होंगे। वक्ताओं ने बताया कि प्रदेश स्तर पर 14 नवंबर को जबलपुर, 15 नवंबर को धार एवं 16 नवंबर को खंडवा में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर विशेष आयोजन होंगे।

कटनी जिले में भी पंचायत, तहसील एवं जिला स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें जनजातीय नायकों के योगदान को स्मरण करने के साथ सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रम भी होंगे। पत्रकार वार्ता का संचालन जिला सह मीडिया प्रभारी मयंक गुप्ता ने किया तथा आभार अनुसूचित जनजाति मोर्चा जिलाध्यक्ष चंदन सिंह ने व्यक्त किया।

कार्यालय नगर परिषद, विजयराघवगढ़, जिला कटनी (म.प्र.)

ईमेल-cmovljayraghavgad@mpurban.gov.in

क्र.1323/PWD/NP/2026 विजयराघवगढ, दिनांक 13.11.2026

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

टेण्डर क्रमांक जारी दिनाक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5
2026_UAD_549080_1 दिनांक 13.11.2026	सी.एम. मॉनिट अंतर्गत वार्ड क्र. 01, 03, 04, 05, 06, 07, 11, 12, 13, 14 एवं 15 में सी.सी. नाली निर्माण कार्य	06 माह 1,91,65,502/-	12,000/- 96,000/-	17-12-2026
2026_UAD_549081_1 दिनांक 13.11.2026	सी.एम. मॉनिट अंतर्गत वार्ड क्र. 01, 03, 04, 05, 06, 07, 11, 12, 13, 14 एवं 15 में सी.सी. रोड निर्माण कार्य	04 माह 91,20,672/-	12,000/- 68,500/-	17-12-2026
2026_UAD_549082_1 दिनांक 13.11.2026	वार्ड क्र. 03 एवं 05 में अंधामोड़ से रघुनाथ सिंह के मकान तक सी.सी. सड़क निर्माण	03 माह 15,64,662/-	2,000/- 11,800/-	17-12-2026

शर्त - निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in की वेबसाईट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद विजयराघवगढ़ जिला कटनी (म.प्र)

स्वतंत्र मत
जबलपुर

शनिवार 14 नवंबर 2026

भारत की वनडे क्रिकेट में दूसरी सबसे बड़ी हार

चौथे मैच में न्यूज़ीलैंड 244 रन से जीता, रोहित, विराट और अय्यर जीरो पर आउट



माउंट माउंगानुई

विल यंग (125) और टिम साइफर्ट (58) की शानदार पारियों के बाद मैट हेनरी (छह विकेट) और मैथ्यू फिशर (तीन विकेट) के बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड ने चौथे एकदिवसीय मुकाबले में शुक्रवार को भारत पर 244 रनों से बड़ी जीत दर्ज की। 334 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को मैट हेनरी के गेंदबाजी कहर का सामना करना पड़ा। पहले ही ओवर में हेनरी ने रोहित शर्मा को बिना खाता खोले ही पवेलियन भेज दिया। इसके बाद इसी ओवर में उन्होंने दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली (शून्य) और कप्तान श्रेयस अय्यर (शून्य) का भी शिकार कर भारत के तीन विकेट झटक कर उसे संकट में डाल दिया। भारत का चौथा विकेट छठें ओवर में ऋतुराज गायकवाड़ (पांच) के रूप में गिरा। उन्हें काइल जेमीसन ने आउट किया। इसके बाद इशान किशन और अक्षर पटेल ने पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट लिए 44 रनों की साझेदारी हुई। 18वें ओवर में मैथ्यू फिशर ने अक्षर पटेल (21) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। 21वें ओवर में हेनरी ने इशान किशन (27) का भी शिकार कर लिया। नमन धीर ने भी कुछ देर तक संघर्ष किया लेकिन 24वें ओवर में फिशर ने उन्होंने भी 21 रन पर आउट कर भारत को नौवां झटका दिया। 27वें ओवर की चौथी गेंद पर हेनरी ने गुरनूर बराड़ (दो) को बोल्ड कर भारत की पारी का 89 रन पर अंत कर दिया।

मैट हेनरी ने 27 रन देकर छह विकेट झटके

न्यूजीलैंड की ओर मैट हेनरी ने 27 रन देकर छह विकेट झटके। मैथ्यू फिशर को तीन विकेट मिले। काइल जेमीसन ने एक बल्लेबाज को आउट किया। आज यहां इससे पहले न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ 333 रनों का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया था। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड के लिए विल यंग और टिम साइटर्फ की सलामी जोड़ी ने 85 रन जोड़कर अपनी टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। 12वें ओवर की आखिरी गेंद पर गुरनूर बराड़ ने टिम साइफर्ट को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। साइफर्ट ने 48गेंदों में छह चौके और तीन छक्के लगाते हुए 58 रन बनाये। इसके बाद अक्षर पटेल ने निक केली (चार) और आकिब नबी ने डीन फ़ॉक्सक्रॉफ्ट (आठ) का शिकार कर भारत की मैच में वापसी कराई। फ़िन ऐलन विल यंग के साथ चौथे विकेट के लिए 90 रन जोड़कर न्यूजीलैंड के लिए बड़े स्कोर की नींव को मजबूत किया।

इंदौर में वैभव की स्पेशल ट्रेनिंग

इंदौर। 14 नवंबर से शुरू होने वाली सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए टीमें तैयारियों में जुटी हैं। डेली कॉलेज मैदान पर बिहार के कप्तान वैभव सूर्यवंशी का अभ्यास दूसरे खिलाड़ियों से अलग नजर आया। टीम के खिलाड़ी जहां नियमित क्रिकेट अभ्यास कर रहे थे, वहीं वैभव अपने पर्सनल कोच के साथ विशेष फिटनेस सेशन में जुटे थे। उनका फोकस बल्लेबाजी के साथ शरीर की गति, तेजी से रफ्तार पकड़ने और मैदान पर फुर्ती बनाए रखने पर रहा। वैभव मैदान पर एक्सीलरेशन ट्रेनिंग करते नजर आए। इसके तहत उन्होंने बार-बार दौड़ लगाकर अपनी स्पीड और शरीर के संतुलन पर काम किया। प्रैक्टिस इतना चुनौतीपूर्ण था कि वे हांफते हुए भी दिखाई दिए। खास बात यह है कि वैभव जहां भी क्रिकेट खेलने जाते हैं, उनके पर्सनल कोच राजामणि प्रभु भी साथ रहते हैं। इंदौर में भी उनकी निगरानी में वैभव अपनी फिटनेस पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।

स्पीड बढ़ाने पर फोकस,पर्सनल कोच के साथ मैदान पर लगाई दौड़

17 खिलाड़ियों को मिला अर्जुन अवॉर्ड

दिग्गज कोचों को मिला द्रोणाचार्य, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया सम्मानित



नई दिल्ली। भारतीय खेल जगत के लिए सबसे प्रतिष्ठित सम्मान यानी नेशनल स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स 2025 की तस्वीर पूरी तरह साफ हो चुकी है। इस बार की अवॉर्ड लिस्ट में सबसे बड़ी सुर्खी यह रही कि देश के सर्वोच्च खेल रत्न सम्मान के लिए किसी भी नाम पर मुहर नहीं लगी। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश अरुण कुमार मिश्रा के नेतृत्व में बनी चयन समिति ने गहन मंथन के बाद अपनी सिफारिशें केंद्र सरकार को सौंपी थीं जिस पर खेल मंत्रालय ने अंतिम फैसला लेते हुए 17 होनहार एथलीटों और 5 अनुभवी कोच को सम्मानित किया है। इन सभी खिलाड़ियों का सम्मान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया।

कई स्टार खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

इस साल नेशनल लेवल पर खिलाड़ियों को तराशने वाले गुरुओं यानी कोचों के योगदान को भी खास तरजीह दी गई। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारतीय एथलीटों को पदक के लायक तैयार करने वाले परवीर सिंह (एथलेटिक्स), छोटे लाल यादव (बॉक्सिंग) और नेहा नंदकुमार चव्हाण (शूटिंग) को नियमित श्रेणी के द्रोणाचार्य पुरस्कार से नवाजा गया। इसके साथ ही खेल के प्रति आजीवन समर्पण दिखाने वाले दो दिग्गज कोच बॉक्सिंग के धर्मेंद्र सिंह यादव और कुश्ती के वीरेंद्र कुमार को लाइफटाइम द्रोणाचार्य सम्मान से सम्मानित किया गया।

इन खिलाड़ियों को भी मिला सम्मान

सक्रिय खिलाड़ियों के अलावा खेल प्रशासन और मैदान से विदा लेने के बाद भी खेलों की अलख जगाए रखने वाले दिग्गजों को भी नहीं भुलाया गया। इसी कड़ी में पूर्व भारतीय फुटबॉलर आई. अरुमनायगम को अर्जुन लाइफटाइम अवॉर्ड प्रदान किया गया है।

वहीं, बीते चार सालों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और शानदार खेल के दम पर तिरंगा लहराने वाले 17 खिलाड़ियों को अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया जिनमें एथलेटिक्स, शतरंज, बैडमिंटन, हॉकी और पैरा स्पोर्ट्स के सितारे शामिल हैं। शतरंज की युवा सनसनी दिव्या देशमुख और विदित गुजराती से लेकर पैरा एथलीट एकता भ्यान और रुद्रांश खंडेलवाल तक इस सूची ने भारतीय खेलों के हर वर्ग की प्रतिभा को मंच दिया है।

पेगुला ने सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए मैच प्वाइंट बचाया

वाशिंगटन। जेसिका पेगुला ने मैच प्वाइंट बचाकर लिंडा नोस्कोवा को 7-6 (2), 4-6, 7-5 से हराया और इंडियन वेल्स में डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में पहुंच गईं, जबकि साथी अमेरिकी कोको गॉफ मार्टा कोस्त्युक पर जीत के बावजूद ग्रुप से आगे बढ़ने में नाकाम रहीं। निर्णायक गेम में 4-5 पर सर्विस करते हुए पेगुला ने एक मैच प्वाइंट बचाया जब नोस्कोवा ने फोरहैंड बाहर मारा। पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने 5-5 से बढ़त बनाए रखी, अगले गेम में नोस्कोवा की सर्विस तोड़ दी और अगले गेम में सर्विस बचाकर अपने तीसरे डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में पहुंच गयीं। पेगुला ने मैच के बाद कहा, उसने दूसरे सेट में मैच का रुख पलटने का शानदार काम किया और मुझे तीसरे सेट में भी ऐसा ही करना पड़ा। आठ एकल खिलाड़ियों को चार-चार के दो समूहों में विभाजित किया गया है, प्रत्येक समूह में शीर्ष दो खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंचेंगे, जहां प्रत्येक समूह विजेता का सामना दूसरे समूह के उपविजेता से होगा। जब तीन खिलाड़ी तीनों मैच खेलने के बाद एक ही रिकॉर्ड के साथ समाप्त करते हैं, तो पहला टाईब्रेकर जीते गए सेटों का प्रतिशत होता है। नोस्कोवा, पेगुला और गॉफ सभी ग्रुप 1 में 2-1 से समाप्त हुए। नोस्कोवा सेट में 5-2 रिकॉर्ड के साथ ग्रुप में शीर्ष पर रही, जबकि पेगुला 5-3 के साथ दूसरे स्थान पर और गॉफ 4-3 के साथ तीसरे स्थान पर रही। अपने शुरुआती मैच में गॉफ के खिलाफ मैच प्वाइंट बचाने के बाद पेगुला ने जो सेट जीता, उसने अंततः उसे स्टैंडिंग में बढ़त दिला दी। इससे पहले दिन में गॉफ ने यूक्रेन के कोस्त्युक को 6-4, 7-5 से हराया। 2024 चैंपियन ने दूसरे सेट में पीठ के निचले हिस्से में जकड़न के कारण मेडिकल टाइमआउट लिया, फिर लगातार छह गेम जीतने से पहले 1-5 पर सर्विस पर तीन सेट पॉइंट बचाए।



दीप्ति शर्मा और मार्को यानसन ने जीता प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार

दुबई



भारत की हरफनमौला खिलाड़ी दीप्ति शर्मा और दक्षिण अफ्रीका के हरफनमौला खिलाड़ी मार्को यानसन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद अक्टूबर के लिए आईसीसी पुरुष और महिला खिलाड़ी चुना गया है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत के घरेलू दौरे में बल्ले और गेंद दोनों से महत्वपूर्ण योगदान देने के बाद शर्मा ने महिला पुरस्कार अर्जित किया। आईसीसी महिला चैम्पियनशिप वनडे श्रृंखला में, उन्होंने स्कोर किया। अपने एकमात्र बल्लेबाजी अवसर में नाबाद 106 रन बनाए और 3.42 की इकोनॉमी रेट से पांच विकेट लिए, जिससे भारत ने 3-0 से क्लीनस्वीप पूरा किया। उनकी सफलता में टी20 श्रृंखला शामिल है, जहां उन्होंने फिर से केवल एक बार बल्लेबाजी की, 37 गेंदों पर 49 रन बनाए, जबकि अपनी ऑफ-स्पिन गेंदबाजी से दो विकेट लिए। यह पुरस्कार दिसंबर 2023 में उनके पहले सम्मान के बाद, शर्मा के दूसरे आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ सम्मान का प्रतीक है। उन्हें बांग्लादेश की शोभना मोस्टरी और ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड से पहले चुना गया था, जिन्होंने महिलाओं की शॉर्टलिस्ट पूरी की थी। शर्मा ने कहा, मैं आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार जीतकर खुश हूं। जिम्बाब्वे के खिलाफ श्रृंखला हमारे लिए बहुत अच्छी थी, और टीम ने जिस तरह से प्रदर्शन किया, उस पर मुझे गर्व है, खासकर युवाओं ने। शतक बनाना मेरे लिए एक विशेष क्षण था, यह और भी अधिक सार्थक हो गया क्योंकि इसने जीत में योगदान दिया। मैं इस मान्यता के लिए वोटिंग पैनल और प्रशंसकों, साथ ही अपने साथियों और कोचों को उनके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। मैं इस पुरस्कार को दुनिया भर में अपने प्रशंसकों को समर्पित करना चाहती हूं।

आत्मविश्वास और अनुभव ने भुल्लर को 7वीं एएम ग्रीन आईजीपीएल में दिलाई जीत



हैदराबाद। गगनजीत भुल्लर का सबसे बड़ा हथियार उनका आत्मविश्वास है और इसने उन्हें हैदराबाद फायरबर्ड्स जीसी द्वारा प्रस्तुत फीनिक्स इनविटेशनल हैदराबाद में एक और जीत दिलाई, जो सीजन की उनकी चौथी और कुल मिलाकर सातवीं जीत है। वूटी गोल्फ काउंटी में अपने आखिरी तीन होल में दो बार बर्डी लगाने वाले भुल्लर ने लगातार दूसरे हफ्ते प्ले-ऑफ जीता। इस बार जीत उन्हें राघव चुघ के खिलाफ मिली,जो उस समय मात्र चार साल के थे जब भुल्लर पेशेवर बन गए थे। विम्ट्रा चेन्नई लायंस जीसी के भुल्लर ने 16वें और 17वें होल पर दो बर्डी लगाईं और 14-अंडर पर पहुंच गए, जबकि फीनिक्स हैदराबाद फायरबर्ड्स जीसी के राघव चुघ, जिन्होंने कुछ मिनट पहले बढ़त बनाए रखी थी, ने अपने समापन होल पर एक जरूरी बर्डी लगाई और प्ले-ऑफ के लिए मजबूर किया। पार-4 के 18वें होल पर खेले गए शूट-आउट में भुल्लर एक बार फिर विजेता बने। थोड़ी देर पहले भुल्लर 20 फुट की दूरी से बर्डी लगाने से चूक गए थे, जिससे उसे सीधी जीत मिल सकती थी, लेकिन यह प्ले-ऑफ में आना तय था। फीनिक्स हैदराबाद फायरबर्ड्स जीसी के सचिन बैसोया 13-अंडर के साथ तीसरे स्थान पर थे, जबकि फ्लाइंगमैन कोलकाता टाइगर्स जीसी के कार्तिक शर्मा, जिन्होंने 9-अंडर 63 के साथ दिन का सर्वश्रेष्ठ कार्ड बनाया था, विमट्रा चेन्नई लायंस जीसी के हर्षजीत सिंह सेठी (70) और यूनिको गुरुग्राम टस्कर्स जीसी के शौर्य बीनू (64) के साथ 12-अंडर के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर थे।

शेयर बाजारों में तेजी के सिलसिले पर ब्रेक, प्रमुख सूचकांकों में गिरावट

मुंबई



खुदरा मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ने और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच शुक्रवार को स्थानीय शेयर बाजारों में लिवाली हावी हो गयी और प्रमुख शेयर सूचकांकों में करीब 0.4 प्रतिशत से 0.6 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गयी। गुरुवार को भी बाजार सीमित कारोबार के बीच नाम मात्र की ही तेजी दर्ज कर सका था। कई दिनों तक सीमित और सावधानी भरे कारोबार के बाद आज के कारोबार में शुरू से ही बिकवाली का दबाव बढ़ा हुआ था। बैंकिंग और आईटी शेयरों पर दबाव कुछ अधिक दिखा। बाजार विश्लेषकों के अनुसार अक्टूबर की खुदरा मुद्रास्फीति के रिजर्व बैंक की छह प्रतिशत की सहनशील सीमा से ऊपर जाने के दिसंबर में रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) द्वारा रेपो दर में बढ़ोतरी किये जाने की संभावना बढ़ गयी है। इससे बाजार धारणा पर असर पड़ा है। गुरुवार को बाजार बंद होने के समय आये आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर में खुदरा मुद्रा स्फीति अक्टूबर में बढ़ कर 6.09 प्रतिशत पर पहुंच गयी । सितंबर में यह 5.54 प्रतिशत थी। इससे दिसंबर में आरबीआई की नीतिगत ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत तक की वृद्धि किये जाने का अनुमान लगाया जा रहा है जिससे कर्ज महंगा होगा और इसका असर व्यक्तिगत और व्यावसायिक उपभोग पर भी पड़ सकता है। वैश्विक-भू राजनीतिक अस्थिरताओं का समाधान नहीं निकलने से भी बाजार में अनिश्चितताओं का दौर बरकरार है क्यों कि इससे कच्चे तेल और अन्य जिंसों की लागत बढ़ती है। इसका असर आर्थिक-व्यापारिक संभावनाओं और कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन पर पड़ता है। आज शुरू से ही दबाव में चल रहा बीएसई30 सेंसेक्स 318.56 अंक (0.39 प्रतिशत) गिर कर 81,592.45 पर बंद हुआ। कल यह 81,911.01 पर बंद हुआ था। आज सुबह के कारोबार में यह गिरावट के साथ 81,833.78 अंक पर खुलने के बाद ऊपर में 81,879.51 और नीचे में 81,288.75 तक गया था। सेंसेक्स की 30 में से 23 में आज गिरावट रही जबकि सात लाभ में बंद हुए। गिरावट में रहे प्रमुख शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.13 प्रतिशत , अल्ट्राटेक सीमेंट 1.65 प्रतिशत, बीईएल 1.60 प्रतिशत ,एनटीपीसी 1.18 प्रतिशत टूट गया। ट्रेंट, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक बैंक, एक्सिस बैंक और एसबीआई में भी बिकवाली का जोर रहा। टेक महिंद्रा , इन्फोसिस तथा टीसीएस जैसे प्रमुख शेयर भी घाटे में बंद हुए। लाभ में रहे शेयरों में हिंदुस्तान लीवर 1.22 प्रतिशत, एशियन पेंट्स 0.87 प्रतिशत और भारती एयरटेल 0.41 प्रतिशत लाभ में बंद हुआ। रिलायंस ,इटरनल, बाजाज फाइनेंस और आईटीसी भी हल्के लाभ में रहे। च्एनएसई का 50 शेयरों वाला निफ्टी 25,144 . 30 पर बंद हुआ जो पिछले बंद की तुलना में 155.05 अंक (0.61 प्रतिशत) नीचे है। निफ्टी सुबह गिरावट के साथ 25,209.85 अंक पर खुला और ऊपर में 25,246.35 तथा नीचे में 25,054.40 तक गया था।

एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग ने दिया इस्तीफा

सैन फ्रांसिस्को। दिग्गज अमेरिकी चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेन्सेन हुआंग ने कथित निजी संबंधों से जुड़े विवादों के सामने आने के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया। कंपनी के निदेशक मंडल ने गुरुवार को उनके इस्तीफे की आधिकारिक घोषणा करते हुए कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य वित्तीय अधिकारी कोलेट क्रेस को कंपनी का अंतरिम सीईओ नियुक्त किया है। बीबीसी के अनुसार बोर्ड ने एक बयान जारी कर बताया कि श्री हुआंग ने अध्यक्ष, मुख्य कार्यकारी अधिकारी और निदेशक मंडल के सदस्य के रूप में तत्काल प्रभाव से अपना पद छोड़ दिया है। सुश्री क्रेस स्थायी उत्तराधिकारी की नियुक्ति होने तक अंतरिम सीईओ के साथ-साथ सीएफओ की अपनी मौजूदा जिम्मेदारी भी संभालती रहेंगी। इसके साथ ही, निदेशक मंडल के सदस्य हार्वे जोन्स को कंपनी के इतिहास में पहली बार बोर्ड का अध्यक्ष चुना गया है।

फ्रैंकलिन टेम्पलटन ने गिफ्ट सिटी में अपना पहला यूएस इक्विटी आईएफएससी फंड पेश किया

मुंबई/गांधीनगर



फ्रैंकलिन टेम्पलटन (इंडिया) ने गांधीनगर के गिफ्ट सिटी से फ्रैंकलिन यूएस इक्विटी आईएफएससी फंड पेश करने की घोषणा की है। कंपनी की एक विज्ञप्ति के अनुसार यह निवेश कोष योजना गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक सिटी (गिफ्ट सिटी) के जरिए कंपनी का पहला आउटबाउंड (विदेशी प्रतिभूतियों में निवेशित किया जाने वाला) फंड है। कंपनी के अनुसार इसे फीडर फंड के रूप में बनाया गया है। इसके जरिए भारतीय निवेशक एफटीजीएफ पुतनाम यूएस रिसर्च फंड (मास्टर फंड) में निवेश कर सकेंगे। इसमें निवेश की शुरुआत कम से कम 5,000 अमेरिकी डॉलर से होगी।

मास्टर फंड अमेरिका के शेयर बाजार में निवेश करने वाली एक सक्रिय रूप से प्रबंधित स्कीम है। 30 सितंबर 2026 तक इस फंड की कुल प्रबंधनाधीन परिसम्पत्ति 10.6 अरब डॉलर से अधिक थी। इस फंड का प्रबंधन पुतनाम इन्वेस्टमेंट्स के हाथ में है जो फ्रैंकलिन टेम्पलटन की ही एक कंपनी है। फ्रैंकलिन टेम्पलटन इंडिया के प्रेसिडेंट अविनाश सातवलेकर ने कहा , फ्रैंकलिन यूएस इक्विटी आईएफएससी फंड के साथ हम गिफ्ट सिटी के जरिए अपनी निवेश योजनाओं का विस्तार करते हुए खुश हैं। यह हमारा आउटबाउंड निवेश फंड है। भारत में फ्रैंकलिन टेम्पलटन की लंबे समय से मौजूदगी और हमारे मजबूत ग्लोबल नेटवर्क की मदद से हम निवेशकों को अलग अलग देशों और बाजारों में निवेश के मौके उपलब्ध करा सकते हैं। इसका मुख्य फोकस अलग अलग सेक्टर पर दांव लगाने के बजाय सही रिसर्च और अनुशासन के साथ बेहतर शेयरों का चुनाव करके निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिलाने पर है। उन्होंने आगे कहा कि, इस फंड का लॉन्च गिफ्ट सिटी में हमारे प्लेटफॉर्म के विकास की दिशा में एक और अहम कदम है। इससे भारतीय निवेशकों को दुनिया के बाजारों में निवेश के नए और अलग तरह के मौके उपलब्ध कराने की हमारी प्रतिबद्धता और मजबूत होती है। फ्रैंकलिन टेम्पलटन एसेट मैनेजमेंट (आईएफएससी) प्राइवेट लिमिटेड के प्रिंसिपल ऑफिसर किरण वोलेटी ने कहा , यह फंड उन निवेशकों के लिए अमेरिकी शेयरों में निवेश का एक अहम विकल्प बन सकता है।

ओला पर उपभोक्ता विभाग की एजेंसी ने लगाया 10 लाख का जुर्माना

नयी दिल्ली। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के तहत आने वाले केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म ओला का संचालन करने वाली एएनआई टेक्नोलॉजीज प्रा.लि पर अपनी यात्रा से पहले टिप ऐड-ऑन सुविधा के माध्यम से उपभोक्ताओं से उनकी यात्रा पूरी होने से पहले अतिरिक्त भुगतान मांगने के लिए 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। प्राधिकरण ने ओला को इस प्रथा को तत्काल बंद करने का निर्देश दिया है और माना है कि यह उपभोक्ताओं को गुमराह क रती है, यह एक अनुचित व्यापार व्यवहार है और यह भ्रम पैदा करती है। मंत्रालय की एक विज्ञप्ति मेंबताया कि मुख्य आयुक्त निधि खरे और आयुक्त अनुपम मिश्रा की अध्यक्षता वाले सीसीपीए द्वारा यह आदेश उस फीचर सुविधा की जांच के बाद पारित किया गया, जो ऐप द्वारा ड्राइवर की खोज किए जाने के दौरान उपभोक्ताओं को अतिरिक्त भुगतान करने के लिए प्रेरित करती थी और यह सुझाव देती थी इससे तेजी से राइड मिलने की संभावना बढ़ सकती है। हालांकि ओला ने बाद में टिप का नाम बदलकर ऐड-ऑन कर दिया, लेकिन इसके पीछे की मूल प्रथा अपरिवर्तित रही। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने भ्रामक राइड-पूर्व भुगतान संकेतों के लिए ओला पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है और इस सुविधा को बंद करने का निर्देश दिया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह भ्रामक स्वरूप, अनुचित प्रथाओं और भ्रामक दावों के खिलाफ एक कड़ा कदम है, जो उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा करने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।



दिसंबर में नीतिगत ब्याज में 0.25 प्रतिशत की वृद्धि कर सकता है एसबीआई

नयी दिल्ली

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के अनुसंधान विभाग की जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि मौद्रिक नीति को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों के अनुकूल और प्रतिकूल रुझानों को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक दिसंबर की द्वैमासिक समीक्षा में नीतिगत दर रेपो में प्रतिशत 0.25 अंक की बढोतरी कर सकता है। एसबीआई रिसर्च की प्रतिष्ठित च्इकोरैपज् रिपोर्ट के आज जारी इस वित्त वर्ष के 36वें संस्करण का यह अनुमान उसके पहले के अनुमान से कम है जिसमें दिसंबर में 0.50 अंक (आधा प्रतिशत) की बढोतरी का अनुमान लगाया गया था। अक्टूबर के आज जारी खुदरा मुद्रा स्फीति के आंकड़े के छह प्रतिशत को पार कर 6.09 प्रतिशत तक पहुंचने के बाद जारी इस रिपोर्ट में कहा गया है कि , च्जब तथ्य बदलते हैं तो मैं भी अपनी सोच को बदल देता हूं, सर, आप क्या करेंगे? रिपोर्ट में कहा गया है कि दिसंबर 2026 में आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक को लेकर हमने पहले ब्याज दरों में बदलाव के दो संभावित विकल्पों का उल्लेख किया था जिसमें पहला, ब्याज दरों में आक्रामक रूप से एक साथ (0.50 प्रतिशत) की बढ़ोतरी और दूसरा, (0.25 प्रतिशत) की दर वृद्धि के साथ नीतिगत दर के मार्ग में बदलाव के जरिए अतिरिक्त 0.25 प्रतिशत की की बढ़ोतरी की संभावना व्यक्त की गयी थी । रिपोर्ट में कहा गया है, हालांकि, हालिया घटनाक्रमों को देखते हुए हमारा मानना है कि अब परिस्थितियां स्पष्ट रूप से दिसंबर में 0.50 प्रतिशत की बड़ी बढ़ोतरी के बजाय 0. 25 प्रतिशत की वृद्धि के पक्ष में झुक गई हैं।

इन परिस्थितियों में रुपये की विनिमय दर में स्थिरता आने से मौद्रिक नीति के मोर्चे पर दबाव कम होने की उम्मीद है, विदेशी पूंजी प्रवाह में दोबारा तेजी आने से बाहरी आर्थिक परिस्थितियों में सुधार, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी तथा अमेरिका के मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी की जीत के बाद अमेरिकी सरकार की प्रतिभूतियों पर निवेश के प्रतिफल में नरमी की संभावना शामिल है।



लाड़ली बहनों को मिली राशि है भाईदूज का उपहार : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की 1.24 करोड़ बहनों को अंतरित की 1831 करोड़ रूपए की सम्मान राशि



भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार प्रदेश की सभी बहनों को आत्मनिर्भर, आर्थिक रूप से समृद्ध बनाकर इनके जीवन में खुशहाली लाने के संकल्प के साथ तेजी से आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहनें हमारा मान है, सम्मान है। बहनों से ही हर घर में रौनक है। इनके स्वाभिमान की रक्षा कर हम इन्हें स्वावलंबी बना रहे हैं। बहनों के स्वावलंबी बनने से ही प्रदेश में समृद्धि आएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति में हमारे देश को भी माता का दर्जा मिला है। दुनिया में भारतवासी ही हैं, जो अपने देश को माता के रूप में पूजते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को शिवपुरी जिले के पिछोर में आयोजित राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पिछोर से लाड़ली बहना योजना के तहत प्रदेश की 1 करोड़ 24 लाख 81 हजार 550 पात्र लाड़ली बहनों को 42वीं किश्त के रूप में 1831 करोड़ रूपए से अधिक की सम्मान राशि (प्रत्येक को 1500-1500 रूपए) सिंगल क्लिक से पात्र बहनों के बैंक खातों में अंतरित कर भाईदूज का उपहार दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में मप्र राज्य आजीविका मिशन में कार्य कर रहे 5.5 लाख से अधिक स्व-सहायता समूहों को भी नगद साख सीमा के रूप में सिंगल क्लिक से 200 करोड़ रूपए से अधिक की सहायता राशि अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां 221.22 करोड़ रूपए की लागत के कुल 121 विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण कर शिवपुरी जिलेवासियों को दीपावली की सौगात दी। इसमें 186.23 करोड़ रूपए की लागत वाले 85 कार्यों का भूमि-पूजन और 35 करोड़ रूपए की लागत के 36 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां विभिन्न शासकीय योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और सम्मान का मजबूत आधार-मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना प्रदेश की बहनों के सामाजिक सम्मान, वित्तीय स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी पहल है, जिसे राज्य सरकार निरंतर और अधिक सशक्त बना रही है। जून 2023 में शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत शुरुआत में महिलाओं को 1,000 रुपए प्रतिमाह की आर्थिक सहायता दी जाती थी, जिसे चरणबद्ध तरीके से बढ़ाते हुए अक्टूबर 2023 में 1,250 रुपए और नवंबर 2025 से बढ़ाकर 1,500 रुपए प्रतिमाह कर दिया गया है। वर्तमान में यह निर्धारित सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे पात्र महिलाओं के आधार-सक्रिय बैंक खातों में पारदर्शी रूप से अंतरित की जा रही है, जिससे नारी शक्ति को नया संबल मिल रहा है।

परिसीमन आयोग की अनुशंसा पर पिछोर बनेगा जिला-मुख्यमंत्री डॉ. यादव से क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने पिछोर को जिला बनाने की मांग की। जनप्रतिनिधियों की मांग का समर्थन कर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा परिसीमन आयोग का गठन किया गया है। परिसीमन आयोग द्वारा अनुशंसा करने पर पिछोर को जिला बनाया जाएगा।

इसमें सरकार सभी जरूरी सहयोग करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पिछोर में सांदीपनि विद्यालय बनाने, पिछोर में सर्वसुविधायुक्त स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स का निर्माण करने, खनियांधाना के रेडी चौराहा में पुलिस चौकी स्थापित करने, बामोरकलां में महाविद्यालय खोलने सहित कासना नाले पर एक पुल का निर्माण करने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पिछोर के किले में 5 करोड़ रूपए की लागत से सभी जरूरी विकास कार्य कराए जाएंगे। उन्होंने मोतीसागर झील के सौंदर्यीकरण के लिए भी शासन से समुचित राशि उपलब्ध कराने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पिछोर की मोतीसागर झील का निरीक्षण भी किया।

प्रदेश के हर कोने में उद्योग स्थापित करने के लिये हरसंभव कार्य-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिवपुरी जिले को कुछ माह पहले ही 6 हजार करोड़ के डिफेंस इंडस्ट्री कॉरिडोर की सौगात मिली है। हमारी सरकार प्रदेश के कोने-कोने में उद्योग स्थापित करने के लिए हर संभव कार्य कर रही है। निवेशकों को बिजली, पानी, जमीन आवंटन में कई प्रकार से प्रोत्साहन प्रदान किया जा रहा है। प्रदेश में अब तक 12.50 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश धरातल पर आ चुका है।

ग्वालियर को केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयास से देश के पहले आधुनिक टेलीकॉम मैन्यूफैक्चरिंग जोन (टीएमजेड) की सौगात मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार मिले, इसके लिए औद्योगिक गतिविधियों को तेज गति से बढ़ाया जा रहा है। वहीं, खेती-किसानी से आय बढ़ाने के लिए, सिंचाई का रकबा बढ़ाने के लिए सरकार काम कर रही है। अब तक प्रदेश की 60 लाख हेक्टेयर भूमि सिंचित हो चुकी है।



वॉटर स्पोर्ट्स का हब बन रहा है भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 26वीं नेशनल पैरा स्विमिंग चैम्पियनशिप का किया शुभारंभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत, स्पोर्ट्स सहित सभी क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहा है। वर्ष 2016 के रियो पैरा ओलिंपिक में भारत को 4 पदक मिले थे, जिसके बाद टोक्यो पैरा ओलिंपिक में पदकों की संख्या चार गुना बढ़कर 20 हो गई। वर्ष 2024 के पैरा ओलिंपिक में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 29 मेडल अपने नाम किए। यह प्रसन्नता का विषय है कि 2026 के पैरा एशियाई खेलों में भारत ने 114 पदक जीतकर भारत ने अद्भुत कीर्तिमान गढ़ा है, इसमें हमारे पैरा स्विमर्स के 11 पदक शामिल हैं। शुक्रवार को भोपाल में 26वीं नेशनल पैरा स्विमिंग चैम्पियनशिप में देश के 26 राज्यों के 400 से अधिक पैरा स्विमर्स शामिल हुए हैं, इनमें 100 महिला तैराक हैं। यह हमारे खिलाड़ियों के अदम्य साहस, प्रतिभा और संकल्प का प्रतीक है। एक के बाद एक बड़े लक्ष्य हासिल करना निश्चित रूप से गौरव और प्रसन्नता का विषय है। राज्य सरकार खेल सुविधाओं के विस्तार, आधुनिक स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर और अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों के माध्यम से खेलों के विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। पद्मश्री से सम्मानित सत्येंद्र सिंह लोहिया ने खेल क्षेत्र में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से मध्यप्रदेश को गौरवान्वित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 26वीं नेशनल पैरा स्विमिंग चैम्पियनशिप के प्रकाश तरण पुष्कर में शुभारंभ अवसर पर यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रतियोगिता में भाग लेने आए स्विमर्स से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन से देश-प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले खिलाड़ियों को अंगवस्त्रम् भेंटकर सम्मानित भी किया।

राज्यपाल पटेल ने जिला शाखाओं को प्रदाय की एंबुलेंस

लोक भवन में हुआ गरिमामय लोकार्पण समारोह



भोपाल (स्वतंत्र मत)।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने लोक भवन में आयोजित गरिमामय आयोजन में भारतीय रेडक्रॉस की जिला शाखाओं को प्रदाय की जाने वाली 06 एंबुलेंस का लोकार्पण किया। इस अवसर पर भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की राज्य शाखा के अध्यक्ष श्री श्याम सिंह कुमरे, सचिव श्री रामेन्द्र सिंह, राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी एवं भारतीय रेडक्रॉस की जिला इकाइयों के पदाधिकारी और लोक भवन चिकित्सालय के चिकित्सक मौजूद थे। राज्यपाल श्री पटेल ने जिला शाखाओं को प्रदान की जा रही प्रत्येक एंबुलेंस का सनातन परंपरा के अनुसार विधिवत पूजन किया।

वाहनों को झंडी दिखाकर शुभकामनाओं के साथ रवाना किया। लोकार्पण समारोह में एन.एच.डी.सी. लिमिटेड भोपाल के द्वारा निगमीय सामाजिक उत्तरदायित्व (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी) के तहत प्रदत्त एंबुलेंस भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की जिला शाखा सिवनी, खण्डवा, छिंदवाड़ा, अशोकनगर, नरसिंहपुर एवं भोपाल को प्रदाय की गई है।

बाल विवाह की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन सतर्क

दमोह में दो विशेष दल गठित

दमोह (स्वतंत्र मत)। बाल विवाह कानूनी अपराध है। विवाह के समय लड़के की आयु 21 वर्ष से कम व लड़की की आयु 18 वर्ष से कम होने पर ऐसा विवाह बाल विवाह की श्रेणी में आता है। बाल विवाह कराने या उसमें किसी भी तरह से भागीदारी करने वाले जैसे कि वर-वधु के माता-पिता, धर्म गुरू, हलवाई केटर्स, बैण्ड वाले एवं समस्त सम्मिलित लोगों के विरूद्ध बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत कानूनी कार्यवाही की जायेगीए जिसके अंतर्गत 2 वर्ष के कारावास एवं 1 लाख रूपये के जुर्माने का प्रावधान है। जिले में देवउठनी ग्यारस 20 नवम्बर एवं आगामी विवाह मुहूर्तों में संभावित बाल विवाह की रोकथाम हेतु जिले में जिला कार्यालय महिला एवं बाल विकास जिला दमोह में दो दलों का गठन किया गया है एवं परियोजना स्तर पर विभिन्न धार्मिक स्थलों पर संबंधित परिक्षेत्र सुपरवाईजर एवं आंगनवाडी कार्यकर्ता की ड्यूटी लगाई गई है। बाल विवाह की कार्यवाही में संबंधित थानों के पुलिस बल का भी सहयोग लिया जायेगा। बाल विवाह की सूचना हेतु जिले में वन स्टॉप सेन्टरए मुख्य डाकघर के बाजू में दमोह को बाल विवाह की रोकथाम हेतु कन्ट्रोल रूम 24-7 के रूप में स्थापित किया गया है। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने प्रिंटिंग प्रेस, हलवाई केटर्स, धर्मगुरू, बैण्ड वाले, ट्रांसपोटर्स, शादीघर/मेरिज गार्डन वाले एवं अन्य सेवा प्रदाता तथा समाज के मुखियाजनों से अनुरोध किया है कि वर-वधु की उम्र संबंधी प्रमाण पत्र, प्राप्त कर परीक्षण के उपरांत ही विवाह में सेवाएं प्रदान करें।

कौशलाधीश मंदिर में बैठक संपन्न



हटा (स्वतंत्र मत)। समीपस्थ ग्राम रनेह के स्थानीय कौशलाधीश मंदिर में महंत विनय शुक्ला की अध्यक्षता में गायत्री परिवार दमोह के सक्रिय परिजनों की गोष्ठी संपन्न हुई। तेवरईया से पधारे दिनेश दुबे ने गोष्ठी में बताया कि विगत सितंबर माह में जब स्कूलों में छात्र-छात्राओं को गायत्री परिवार की विस्तृत जानकारी दी गई थी, तब प्राचार्य अरविंद राजोरिया द्वारा विशेष उत्साह दिखाया गया और उनकी पहल पर 1000 एक हजार छात्र-छात्राओं को गायत्री मंत्र लेखन पुस्तकें और गायत्री चालीसा वितरित की गई थीं जिसमें अभी तक 446 पुस्तकें मंत्र लेखन करके जमा हो चुकी हैं। बच्चे दैनिक गायत्री चालीसा का पाठ कर रहे है। इसी पृष्ठभूमि में इस ग्राम में आगामी एक दो माह में 24 कुंडीय गायत्री यज्ञ संपन्न कराने की योजना बनाने यह गोष्ठी बुलाई गई है। वरिष्ठ परिजन अर्जुन लाल पटेल द्वारा आयोजन की तैयारी हेतु आवश्यक जानकारी दी गई और आज से ही कार्यालय बना कर अखंड दीपक और सामूहिक गायत्री मंत्र जप और सुबह शाम आरती का क्रम निर्धारित किया गया। स्थानीय बस स्टैंड के पास स्थित भगवान हनुमान जी के मंदिर में स्थित साधना स्थली पर अखंड दीप स्थापित किया गया एवं हाल में 24 कुंडीय गायत्री यज्ञ के संचालन हेतु कार्यालय स्थापित किया गया। स्थानीय वरिष्ठ और सेवाभावी नागरिकों की समिति गठित करके क्रमशः महंत विनय शुक्ला, अरविंद राजोरिया, प्रदीप तिवारी, आशीष व्यास, रुद्र प्रकाश पौराणिक एवं इंजी. मनमोहन पटेल को आयोजन समिति का प्रमुख नियुक्त किया गया। प्राचार्य अरविंद कुमार राजोरिया द्वारा ग्राम वासियों की ओर से भरपूर सहयोग की बात कहते हुए बताया कि यह एक पवित्र एवं तीर्थ ग्राम है और यहां के निवासी अच्छे कार्यों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते है। अपने आशीष वचन में महंत विनय कुमार शुक्ला द्वारा भगवान कौशलाधीश के दरबार में हुई इस गोष्ठी पर प्रसन्नता व्यक्त की गई ।

कृषक वैध कनेक्शन लेकर ही करें विद्युत का उपयोग

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिला अंतर्गत कृषकों द्वारा अपने खेतों में सिंचाई का कार्य प्रारंभ कर लिया गया है। जिले में कुल 41104 नंबर स्थायी पंप उपभोक्ता विद्यमान हैं जिनके द्वारा अपनी फसलों में सिंचाई की जाती है। साथ ही रबी सीजन में जिले के कृपकों को सिंचाई कार्य हेतु अस्थायी विद्युत कनेक्शन की भी आवश्यकता होती है। अधीक्षण अभियंता अमित चौहान द्वारा जिले के कृषकों से अपील की गई है कि वे अपने सिंचाई कार्य हेतु नियमानुसार अस्थायी विद्युत कनेक्शन लेकर ही सिंचाई कार्य करें। किसी भी स्थिति में अवैध रूप से बिजली का उपयोग न करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि चैकिंग के दौरान अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते पाये जाने पर संबंधित के विरूद्ध कंपनी नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। जन सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए कृपकों से यह भी आग्रह किया गया है कि करेन्ट जैसी कोई अप्रिय घटना घटित न हो, इस हेतु वे अपने अस्थायी विद्युत कनेक्शनों में कटे-फटे तारों का कतई उपयोग न करें, अस्थायी कनेक्शनों का तार खेत की लोहे के तारों की फेंसिंग के सहारे न ले जायें ।

मप्र वेयर हाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष का आगमन

जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित हुआ स्वागत समारोह



दमोह (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश वेयर हाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष संजय नगायच के प्रथम दमोह आगमन पर जिला भाजपा कार्यालय में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे, किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री गोपाल पटेल, जिला महामंत्री रामेश्वर चौधरी, महेश पटेल, अरुण तिवारी, जिला उपाध्यक्ष संजय सेन, अमित बजाज, मनीष सोनी, राघवेन्द्र सिंह परिहार, मनीष तिवारी, श्रीमती सुमन उपाध्याय, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रंजीता पटेल मंचासीन रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने निगम अध्यक्ष संजय नगायच का स्मृति चिह्न, शॉल, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए मध्यप्रदेश वेयर हाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष संजय नगायच ने कहा कि आज वह जिस मुकाम पर हैं, उसका महत्वपूर्ण आधार बुंदेलखंड की माटी और यहां के लोगों का स्नेह है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर कार्य करना है। केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और विकास की मुख्यधारा से प्रत्येक पात्र व्यक्ति को जोड़ना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

जिला एवं अनुभाग स्तरीय समितियों का गठन

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिले में मादक पदार्थों की मांग में कमी लाने तथा नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जिला एवं अनुभाग स्तर पर समितियों का गठन किया गया है। जारी आदेशानुसार जिला स्तरीय समिति के अध्यक्ष कलेक्टर प्रताप नारायण यादव होंगे। समिति में पुलिस अधीक्षक, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, वन मंडलाधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास, परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, प्राचार्य शासकीय पीएम श्री महाविद्यालय, शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला खेल अधिकारी, जिला जनसंपर्क अधिकारीए जिला योजना अधिकारी, सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण विभाग, समन्वयक जन अभियान परिषद को सदस्य बनाया गया है। जिला स्तरीय समिति में कुल 18 सदस्य शामिल किए गए हैं। इसी प्रकार अनुभाग स्तरीय अभियान समिति का भी गठन किया गया है। इसमें अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को अध्यक्ष तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस, अनुविभागीय अधिकारी वन परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग, खण्ड शिक्षा अधिकरीए मुख्य नगर पालिका अधिकारी, अशासकीय संस्थाओं से 1 पदाधिकारी तथा सामाजिक सुरक्षा अधिकारी जनपद पंचायत, नगरपालिका को सदस्य बनाया गया है।

इस अभियान का मूल संदेश संवाद, समाधान, संवेदनशीलता और सादगी है : जिपं अध्यक्ष पटेल

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत 82 हितग्राहियों को मिला



दमोह (स्वतंत्र मत)। मानस भवन में आयोजित मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर के माध्यम से आमजन की समस्याओं का मौके पर निराकरण किया गया। शिविर में ऐसे लोगों की समस्याएं सुनी गईं जिन्हें विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने तथा उनकी समस्याओं का तत्काल समाधान करने की पहल की गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दूरदर्शी सोच के परिणामस्वरूप जन विश्वास शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए वे मुख्यमंत्री का हृदय से धन्यवाद करती हैं। इस आशय की बात जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता पटेल ने मानस भवन में आयोजित जन विश्वास शिविर में आमजन को संबोधित करते हुए कही।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमति पटेल ने कहा इन शिविरों के माध्यम से आमजन को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ता बल्कि सभी संबंधित अधिकारी.कर्मचारी एक ही स्थान पर उपलब्ध रहते हैं और समस्याओं का त्वरित निराकरण करते हैं।

उन्होंने कहा यदि लोगों को शासकीय योजनाओं का लाभ लेना है और अपने सपनों को साकार करना हैए तो उन्हें घर की चारदीवारी से बाहर निकलना होगा। गर्भवती महिलाओं, किसानों सहित समाज के विभिन्न वर्गों के लिए शासन द्वारा अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर पात्र लोगों को उनका लाभ उठाना चाहिए।

जन विश्वास शिविर का आयोजन

श्रीमती पटेल ने कहा मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान की शुरुआत मुख्यमंत्री द्वारा 7 अगस्त को छिंदवाड़ा से की गई थी। अभियान के तहत प्रत्येक शुक्रवार को अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र में उपस्थित रहकर आमजन की समस्याएं सुनते हैं। जिले के सातों विकासखंडों में जन विश्वास शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में दमोह नगर पालिका द्वारा मानस भवन में शिविर का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा अब आमजन को अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं है। सरकार स्वयं जनता के द्वार तक पहुंच रही है। इस अभियान का मूल संदेश संवाद, समाधान, संवेदनशीलता और सादगी है। शिविर में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की समस्या को धैर्यपूर्वक सुनकर उसका समाधान करने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने आसपास ऐसे लोगों को भी शासकीय योजनाओं की जानकारी देंए जिन्हें अभी तक योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है या जिन्हें योजनाओं के बारे में जानकारी नहीं है।

सरनेम सुधार सूचना

मैं मंगल प्रसाद पटेल, पिता-टेकचंद पटेल, निवासी-MIG-2, श्री परिसर, संजीवनी नगर, इंदिरा गांधी वार्ड, गढ़ा, जबलपुर म.प्र. ये कथन करता हूं कि, मेरे पूर्व पासपोर्ट सं. M1249721 जो भोपाल से जारी हुआ था जिसमें मेरा नाम मंगल प्रसाद लिखा है। परन्तु मेरे शासकीय दस्तावेज बैंक खाता, आधार कार्ड, पेन कार्ड आदि में मंगल प्रसाद पटेल लिखा है। जोकि सही है। अतः अब से मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।

गलत नाम- मंगल प्रसाद पिता टेकचंद
MANGAL PRASAD S/O TEKCHAND

सही नाम- मंगल प्रसाद पटेल पिता टेकचंद पटेल
MANGAL PRASAD PATEL S/O TEKCHAND PATEL

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
नेहरू रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन हस्तांतरण/ नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पुरवा कालोनी जबलपुर में स्थित भवन क्रमांक LIG-975 श्री प्रमोद कुमार यादव पिता श्री राम प्रसाद यादव के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 18.02.2021 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री प्रमोद कुमार यादव पिता श्री राम प्रसाद यादव ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 30.10.2026 के माध्यम से श्री अर्जुन पाल पिता श्री रामचरण पाल को विक्रय किया है। अतः श्री अर्जुन पाल पिता श्री रामचरण पाल द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,प्रक्षेत्र जबलपुर

अधिकारियों ने लिया आयोजन स्थल का जायजा, दिए निर्देश



मुख्यमंत्री आज करेंगे राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह का शुभारंभ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर राज्य सरकार द्वारा 14, 15 एवं 16 नवम्बर को तीन दिवसीय राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस भव्य समारोह का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में 14 नवम्बर को गैरिसन ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में किया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ यादव अधारताल तिराहा स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन करेंगे। आयोजन को लेकर अधिकारियों द्वारा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा, पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय, नगर निगम आयुक्त अग्रिम कुमार, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गेहलोत तथा सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

युवा अभियंताओं का अत्याधुनिक सिम्युलेटर पर प्रशिक्षण शुरू



एमपीपीजीसीएल में शुरू हुआ 2 सप्ताह का व्यावहारिक प्रशिक्षण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड ने अपने तकनीकी कार्यबल को भविष्य के लिए तैयार करने की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर हासिल किया है। कंपनी के 15 युवा अभियंताओं के पहले बैच ने जबलपुर के नयागांव स्थित मप्र पावर जनरेशन ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में स्थापित अत्याधुनिक मल्टीफंक्शनल पावर जनरेशन ट्रेनिंग सिम्युलेटर पर अपना दो सप्ताह का व्यावहारिक प्रशिक्षण शुरू कर दिया है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम इसलिए बेहद खास है क्योंकि यह कंपनी के अपने नवनिर्मित सिम्युलेटर पर प्रशिक्षित होने वाला पहला आधिकारिक बैच है। इस पहल से युवा अभियंताओं को वास्तविक थर्मल (ताप) और हाइड्रो (जल) विद्युत गृहों में तैनाती से पहले ही वहां की जटिल परिचालन परिस्थितियों का सटीक अनुभव मिल सकेगा।

रात के अंधेरे में भी दुश्मन पर सटीक निशाना लगा पाएगी बोफोर्स तोप

506 आर्मी बेस वर्कशॉप और गन कैरिज फैक्ट्री में बनाया जा रहा नया वर्जन



जबलपुर (स्वतंत्र मत)

506 आर्मी बेस वर्कशॉप और गन कैरिज फैक्ट्री ने मिलकर पुरानी बोफोर्स तोप का नया प्रोटोटाइप तैयार किया है। इसमें स्वदेशी तकनीक से विकसित धनुष तोप का अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम लगाया गया है। इस अपग्रेडेशन के बाद बोफोर्स तोप रात के अंधेरे में भी दुश्मन के ठिकानों पर सटीक निशाना लगाने में सक्षम होगी। जानकारी के मुताबिक इस नई तकनीक से लैस बोफोर्स के प्रोटोटाइप का जबलपुर की लॉन्ग फ्रूफ रेंज में सफल परीक्षण किया गया है। तकनीकी अपग्रेडेशन के बावजूद तोप की मूल मारक क्षमता में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह पहले की तरह करीब 30 किलोमीटर तक गोले दाग सकेगी। नई साइटिंग प्रणाली से अब रात में भी लक्ष्य को सटीक तरीके से निशाना बनाया जा सकेगा।



लगाया गया अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम

बताया जा रहा है कि बोफोर्स तोप को आधुनिक बनाने के लिए इसमें स्वदेशी तकनीक से विकसित धनुष तोप का अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम लगाया गया है। इससे तोप की साइटिंग क्षमता में सुधार हुआ है। नई प्रणाली के जरिए अंधेरे में भी लक्ष्य पर निशाना साधना संभव होगा। प्रोटोटाइप का सफल परीक्षण इस तकनीकी बदलाव की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। इस तकनीकी अपग्रेडेशन से भारतीय सेना के पास पहले से मौजूद बोफोर्स तोपों को आधुनिक बनाने का विकल्प खुल गया है। सेना नई तोपों की खरीद पर निर्भर रहने के बजाय मौजूदा तोपों में आधुनिक सिस्टम लगाकर उनकी क्षमता बढ़ा सकेगी। इससे पुराने तोपखाने को नई तकनीक के अनुरूप तैयार करने में मदद मिलेगी।

जबलपुर में ही होती है बोफोर्स की ओवरहॉलिंग

जानकारी के अनुसार भारतीय सेना ने 1980 के दशक में बोफोर्स होवित्जर तोपें खरीदी थीं। लगभग 4 दशक से ये सेना के तोपखाने का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। कारगिल युद्ध के दौरान भी इन तोपों ने अहम भूमिका निभाई थी। अब स्वदेशी तकनीक के इस्तेमाल से इनके आधुनिकीकरण की दिशा में कदम बढ़ाया गया है। देश में बोफोर्स तोपों की ओवरहॉलिंग का काम जबलपुर स्थित 506 आर्मी बेस वर्कशॉप में किया जाता है। इसी वर्कशॉप ने गन कैरिज फैक्ट्री के साथ मिलकर तोप का नया प्रोटोटाइप तैयार किया है। इस सफल परीक्षण के बाद अब मौजूदा बोफोर्स तोपों को आधुनिक तकनीक से लैस करने की संभावनाएं बढ़ गई हैं।

लोहे के पाइप से लदे मिनी ट्रक ने बच्चों से भरी वैन को पीछे से मारी टक्कर

वैन का कांच तोड़कर अंदर घुसे पाइप, एक छात्रा गंभीर





जबलपुर (स्वतंत्र मत)

चेरीताल चौक पर शुक्रवार दोपहर लोहे के पाइप से भरे एक मिनी ट्रक ने स्कूल वैन को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही पाइप वैन का कांच तोड़ते हुए अंदर घुस गए और बच्चों को जा लगे। इस हादसे में एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हुई है, जबकि कुछ अन्य बच्चों को मामूली चोटें आई हैं। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत वैन से बच्चों को बाहर निकाला और इलाज के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलते ही लार्डगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मिनी ट्रक जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया है।

राहगीरों ने की तुरंत मदद

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कि दोपहर में चेरीताल चौक पर काफी भीड़ थी। इसी दौरान बच्चों से भरी स्कूल वैन वहां आकर रुकी। कुछ देर बाद जैसे ही वैन आगे बढ़ी, पीछे से आए लोहे के पाइप से लदे मिनी ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाद बच्चे डर गए और रोने लगे। एक बच्ची के चेहरे, कंधे और हाथ में गंभीर चोटें आईं। चोट लगने से उसके शरीर से खून निकलने लगा। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि मिनी ट्रक ओवरलोड था और उसकी रफ्तार भी काफी तेज थी। टक्कर के बाद कई पाइप वैन के अंदर घुस गए, जबकि कुछ सड़क पर गिरकर फैल गए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्रताड़ना से तंग आकर युवती ने किया जहरीली वस्तु का सेवन



जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

परिवार की प्रताड़ना से तंग आकर एक युवती ने ओमती थाने के बाहर जहरीली वस्तु का सेवन कर आत्महत्या करने की कोशिश की। बताया जा रहा है कि सदर निवासी युवती द्वारा विगत कई दिनों से पुलिस अधिकारियों से मदद की गुहार लगाई जा रही थी। इसी कड़ी में विगत दिवस जब वह ओमती थाने पहुंची। जहां पर न्याय ना मिलने के कारण युवती ने सड़क किनारे खड़े होकर जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया। इसी बीच युवती को तड़पता देख राहगीरों ने उसे तत्काल विक्टोरिया अस्पताल उपचार के लिए भिजवाया। जहां से उसे मेडिकल अस्पताल रेफर कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि वर्तमान में महिला की हालत नाजुक बनी हुई है।

बाल दिवस पर आज होगा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

बाल दिवस के अवसर पर हितकारिणी गोविंदगंज हाई स्कूल दमोह नाका में आज पूर्व प्रधानमंत्री स्व. जवाहरलाल नेहरू के जीवन काल से जुड़े विषयों पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में कक्षा 8वीं से लेकर कक्षा 12वीं तक के लगभग 500 बच्चों ने भाग लिया है। निबंध प्रतियोगिता का आयोजन सुबह 8 बजे से 8.40 तक होगा। इसके पश्चात दोपहर एक बजे नतीजे घोषित कर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार वितरण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत जनप्रतिनिधियों ने किया युवाओं से संवाद

जबलपुर (स्वतंत्र मत)



मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत शुक्रवार को महाकौशल कॉलेज में उद्यम एवं जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अशोक रोहाणी, पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय, नगर निगम कमिश्नर अग्रिम कुमार ने नागरिकों, उद्यमियों और युवाओं से संवाद किया। संवाद के इन कार्यक्रमों में शासन की योजनाओं, शहर के विकास और रोजगार के अवसरों की जानकारी दी गई, वहीं उद्यमियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए उद्योगों से जुड़ी समस्याएं और सुझाव रखे। विधायक अशोक रोहाणी ने कहा कि मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान प्रशासन को जनता के द्वार तक पहुंचाने का माध्यम है। इसके तहत अधिकारी और जनप्रतिनिधि क्षेत्र में पहुंचकर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ वास्तव में लोगों तक पहुंच रहा है या नहीं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने प्रत्येक शुक्रवार को जनता से सीधे संवाद करने की पहल की है, जिससे समस्याओं को मौके पर सुनकर उनके समाधान की दिशा में काम किया जा सके।

आंगनवाड़ी केंद्र के नए भवन का हुआ लोकार्पण

सिहोरा (स्वतंत्र मत)



ग्राम पंचायत गोसलपुर के अंतर्गत लंबे समय से प्रतीक्षित आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 1 के नए भवन का लोकार्पण शक्रवार को धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। नए भवन मे अब आंगनबाडी शुरू होने से अब केंद्र के संचालन में आ रही परेशानियों से निजात मिलेगी। पहले आंगनवाड़ी केंद्र सामुदायिक भवन में संचालित हो रहा था, जिसके कारण बच्चों को बैठने, पोषण आहार वितरण और टीकाकरण जैसे कार्यों में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था अब अपना पक्का भवन बन जाने से नौनिहालों को बेहतर सुविधा मिल सकेगी। लोकार्पण कार्यक्रम मे जनपद सदस्य धर्मेंद्र सिंह राजपूत, सरपंच गिरिजा जितेंद्र पालीवाल, सचिव प्रदीप यादव, सहायक सचिव नारायण यादव, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता माया झारिया आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर जन प्रतिनिधियों ने कहा की आंगनवाड़ी केंद्र ग्रामीण क्षेत्र की रीढ़ है, यहाँ बच्चों का भविष्य गढ़ा जाता है सरकार का उद्देश्य हर आंगनवाड़ी को सभी सुविधाओं से युक्त बनाना है नए भवन में बच्चों के लिए खेल-कूद, पेयजल, शौचालय और रसोई की समुचित व्यवस्था की गई है।

दरभंगा-हड़पसर के बीच स्पेशल ट्रेन का संचालन, जबलपुर में होगा ठहराव



जबलपुर (स्वतंत्र मत)

छठ पर्व के बाद यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए पूर्व मध्य रेल द्वारा गाड़ी सांख्य 05533/05534 दरभंगा-हडपसर (पुणे)-दरभंगा के मध्य 2-2 ट्रिप के लिए पूजा स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। इस ट्रेन के संचालन से यात्रियों को बिहार एवं महाराष्ट्र के बीच आवागमन में सुविधा मिलेगी। यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के सतना, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, पिपरिया एवं इटारसी स्टेशनों से होकर गुजरेगी। यह ट्रेन दिनांक 17 एवं 24 नवंबर 2026 (मंगलवार) को दरभंगा से 19.30 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन सतना स्टेशन पर अगले दिन 10.55 बजे पहुंचकर 11.00 बजे प्रस्थान करेगी। इसके बाद कटनी स्टेशन पर 12.25 बजे पहुंचकर 12.30 बजे, जबलपुर स्टेशन पर 14.00 बजे पहुंचकर 14.10 बजे, नरसिंहपुर स्टेशन पर 15.03 बजे पहुंचकर 15.05 बजे, पिपरिया स्टेशन पर 16.03 बजे पहुंचकर 16.05 बजे तथा इटारसी स्टेशन पर 17.40 बजे पहुंचकर 17.50 बजे प्रस्थान करेगी। इसके पश्चात विभिन्न स्टेशनों पर ठहराव लेते हुए गुरुवार को 07.40 बजे हडपसर पहुंचेगी। वापसी में यह गाड़ी 19 एवं 26 नवंबर को हडपसर से 10.00 बजे प्रस्थान करेगी।

जयनगर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस के बीच भी चलेगी स्पेशल ट्रेन

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 05535/05536 जयनगर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस-जयनगर के मध्य 2-2 ट्रिप के लिए पूजा स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। इस स्पेशल ट्रेन से बिहार एवं महाराष्ट्र के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त रेल सुविधा मिलेगी। यह ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के सतना, कटनी, जबलपुर एवं इटारसी स्टेशनों पर ठहराव लेकर संचालित होगी। यह ट्रेन दिनांक 17 एवं 24 नवंबर (मंगलवार) को जयनगर से 23.50 बजे प्रस्थान करेगी। वापसी में यह गाड़ी 19 एवं 26 नवंबर को लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 19.00 बजे प्रस्थान करेगी।

सांसद आशीष दुबे ने किया भिटौनी क्षेत्र का निरीक्षण, दिए निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)



सहजपुर (भिटौनी) क्षेत्र में नेशनल हाईवे-45 पर निर्मित फ्लाईओवर ब्रिज बंद होने से उत्पन्न आवागमन की समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में संसदीय क्षेत्र के सांसद आशीष दुबे ने क्षेत्र के ग्रामीणों, किसानों और आम नागरिकों को हो रही परेशानियों को गंभीरता से लेते हुए सांसद ने शुक्रवार को बरगी विधायक नीरज सिंह ठाकुर तथा पश्चिम मध्य रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा के साथ भिटौनी स्टेशन एवं आसपास के रेलवे ट्रैक क्षेत्र का संयुक्त निरीक्षण किया। इस दौरान क्षेत्र में आवागमन के लिए स्थायी और अस्थायी वैकल्पिक मार्ग विकसित करने की संभावनाओं का जायजा लिया गया। सांसद ने अधिकारियों से स्पष्ट रूप से कहा कि क्षेत्रवासियों की व्यावहारिक समस्याओं को ध्यान में रखते हुए ऐसा समाधान तलाशा जाए, जिससे उन्हें जल्द राहत मिल सके और भविष्य में भी आवागमन की समस्या उत्पन्न न हो। निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा ने सांसद को अवगत कराया कि सामने आए तीनों संभावित विकल्पों का रेलवे की तकनीकी टीम द्वारा सुरक्षा और तकनीकी मानकों के आधार पर परीक्षण किया जाएगा।

किसानों से जुड़े ज्वलंत मुद्दे लेकर भाजपा विधायक के पास पहुंचे कांग्रेसी

उचित मूल्य, खाद, बिजली जैसे विषयों पर की गई चर्चा



जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भाजपा सांसद जनार्दन मिश्रा द्वारा कहे गए कथित बयान को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी जबलपुर ग्रामीण ने निंदा की। कांग्रेस ने इसे किसानों का अपमान बताते हुए भाजपा के किसान संबंधी रवैये पर सवाल उठाए है। मप्र कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार एवं जिला कांग्रेस कमेटी जबलपुर ग्रामीण के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक संजय यादव के मार्गदर्शन में शुक्रवार को किसानों से जुड़े ज्वलंत मुद्दों को लेकर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों से सवाल-जवाब का कार्यक्रम आयोजित किया गया। पूर्व विधायक संजय यादव के नेतृत्व में कांग्रेसियों द्वारा भाजपा विधायक इंदु तिवारी के कार्यालय पहुंचकर उनसे किसानों के मुद्दों पर सवाल किए गए। कांग्रेस ने प्रमुख रूप से किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी, खाद वितरण में अव्यवस्था एवं टोकन प्रणाली से किसानों को हो रही परेशानी, बढ़ती कृषि लागत के अनुपात में फसलों का उचित मूल्य नहीं मिलना, सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली तथा दूध के बढ़ते दामों का वास्तविक लाभ पशुपालकों और किसानों तक नहीं पहुंचने जैसे मुद्दे उठाए।

सिहोरा विधायक से होंगे सवाल-जवाब

जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण ने आगे की रणनीति की जानकारी देते हुए बताया कि अब सिहोरा विधायक से किसानों की समस्याओं पर सवाल-जवाब किए जाएंगे। इसके बाद क्षेत्रीय सांसद एवं बरगी विधायक से भी किसानों के मुद्दों पर जवाब मांगा जाएगा। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष संजय यादव, राजेश तिवारी, सतेंद्र गुड्डा चौबे, विवेक यादव प्रवीण चौबे, नेक नारायण, शिव नामदेव, रिंकू तिवारी, राज किशोर पटेल, अजीत परिहार, अम्बर सिंह राजपूत आदि उपस्थित रहे। जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष संजय यादव ने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। अन्नदाताओं का सम्मान और उनके अधिकारों की रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। कांग्रेस किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य, खाद, बिजली और अन्य आवश्यक सुविधाएं दिलाने के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी।



हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**